जबलपुर
मंगलवार 28 जुलाई 2026
- आषाढ़ मास 'शुक्ल पक्ष-14
- वर्ष : 21, अंक : 87
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 29
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

दादा जी धाम को भव्य और दिव्य बनाने में हर संभव मदद करेगी सरकारः मुख्यमंत्री

समाधि पर मत्था टेका धूनीमाई में आहुति दी व टिक्कड़ प्रसादी खाई

सीएम धूनीवाले दादाजी धाम पर पूजन करते हुए

गाड़ी में ही उतारे जूते-मोजे, ट्रस्टी से कहा- आपने पहनी चमड़े के पट्टे वाली घड़ी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खंडवा के सुप्रसिद्ध धूनीवाले दादाजी धाम में हो रहे निर्माण कार्यों को लेकर कई तरह की मतभिन्नता थी। राज्य सरकार ऐसी सभी समस्याओं का समाधान निकालते हुए विकास कार्यों को गति प्रदान कर रही है। दादाजी धाम की मर्यादा के अनुरूप राज्य सरकार सभी प्रकार से नियम और संयम का पालन कर दादाजी के आशीर्वाद से इस धाम को भव्य और दिव्य बनाएगी।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 82.70 लाख से अधिक किसानों को 3308 करोड़ रुपए अंतरित

मिट्टी की उत्पादकता देखें, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से बचें, जैविक खेती की ओर बढ़ें, फसल चक्र को बदलें

- प्रत्येक हितग्राही किसान के खाते में पहुंचे एकमुश्त चार हजार रुपए
- किसानों को वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का जरिया है बलराम कृषि महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने खंडवा जिला मुख्यालय में हुए बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश के 82 लाख 70 हजार से अधिक किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 3308 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से अंतरित किए। किसान भाइयों को एक साथ 4000 रुपए सम्मान निधि के रूप में उनके बैंक खातों में भेजे गए हैं।

डॉ. मोहन यादव

सीएम डॉ. यादव किसानों के खातों में राशि अंतरित करते हुए

विभिन्न अंचलों में बलराम कृषि महोत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है।

खंडवा अतीत का खानदेश, अब कई खासियतों के लिए मशहूर

मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडवा की बात ही अलग है। अतीत का खानदेश अब कई खासियतों के लिए मशहूर है। यहां की काली मिट्टी फसलों के लिए सोने जैसी है। इसीलिए यहां की फसलें भी सोने के भाव बिकती हैं। बात खेती-किसानी की हो, या जल और पर्यावरण बचाने की, खंडवा हर मामले में अव्वल है।

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

संसद में सत्तापक्ष व विपक्ष आमने सामने

संसद में पेपर लीक पर बिल पेश, हंगामे के चलते नहीं हो पाई चर्चा

स्पीकर की पहल से टूटा 'गतिरोध' चर्चा-वोटिंग के लिए विपक्ष राजी

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' पेश किया

संसद में सोमवार सुबह 11 बजे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' पेश किया। लेकिन नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के कारण बिल पर चर्चा नहीं हो सकी।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ की गई बैठक के बाद, विपक्ष मंगलवार को इस महत्वपूर्ण बिल पर चर्चा और वोटिंग के लिए सहमत हो गया है। मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू होने की संभावना है। इससे पहले कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से सदन में बयान देने की मांग पर अड़े रहे। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसद हाथों में बैनर लेकर वेल में पहुंच गए और जमकर नारेबाजी की, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही दिनभर में 4 बार स्थगित करनी पड़ी।

सोमवार को हंगामे के कारण 4 बार स्थगित हुई लोकसभा

संसद के बाहर विपक्षी सांसदों ने पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया

नीट लाठीचार्ज मुद्दे पर चर्चा के लिए अड़ा रहा विपक्ष

राहुल गांधी ने पीएम से माफी मांगने और दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग की

प्रधान का संसद में स्वागत, विपक्ष ने पेपर चोर के नारे लगाए

25 जुलाई को इस्तीफा देने के बाद पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को पहली बार संसद पहुंचे। संसद भवन परिसर के मकर द्वार पर एनडीए सांसदों ने ढोल-नगाड़ों, शॉल और मिथिला पाग के साथ उनका जोरदार स्वागत किया और 'धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद' के नारे लगाए।

छात्रों पर एके-47 और पैलेट गन चली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पूरा सिस्टम छात्रों के खिलाफ हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई गईं और दिल्ली में पैलेट गन का इस्तेमाल हुआ।

पहले दिन ही सीबीआई के वकील नहीं पहुंचे

लीक मामले की फास्ट ट्रैक सुनवाई टली

इधर, नीट पेपर लीक मामले के दोषियों को जल्द सजा दिलाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा गठित फास्ट-ट्रैक कोर्ट में सोमवार को पहली सुनवाई टल गई। सीबीआई की ओर से वकील के उपस्थित न होने के कारण अदालत को सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त के लिए तय की है।

उप्र, गुजरात व छग में पेपर लीक

गुजरात के जामनगर स्थित गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय से बड़ा मामला सामने आया है। यहां 20 जुलाई को हुई बीएएमएस तृतीय वर्ष की परीक्षा से ठीक पहले वॉट्सएप पर प्रश्नपत्र वायरल होने के दावों से हड़कंप मच गया है। दावा किया जा रहा है कि12 महत्वपूर्ण बिंदुओं में से 11 सवाल सीधे परीक्षा में पूछे गए।

सीजेपी नेताओं का डांस करते वीडियो वायरल

प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर सीजेपी ने दी चेतावनी

सरकार अपने वादों का सम्मान करे...धोखा बर्दाश्त नहीं करेंगे

आज सरकार ने सीजेपी को गारंटी पत्र देने को कहा था

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने विभिन्न राज्यों में छात्रों और प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर गहरा रोष जताते हुए केंद्र सरकार को चेतावनी दी है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि सरकार अपने वादों का सम्मान करे, धोखा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आशुतोष ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगें तुरंत नहीं मानी गईं, तो वे दोबारा धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। सौरभ दास के अनुसार असम, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों से प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने, हिरासत में लेने और एफआईआर दर्ज करने की खबरें आ रही हैं।

प्रधान के इस्तीफे पर सीजेपी की विक्ट्री पार्टी

'लड़की ब्यूटीफुल' पर नाचे सौरव दास

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने एक होटल में जमकर जीत का जश्न मनाया। इस विक्ट्री पार्टी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका अन्य छात्रों के साथ 'लड़की ब्यूटीफुल' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। इस जश्न पर तंज कसते हुए भाजपा के राज्यसभा सांसद महेश जेठमलानी ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली में हिंसा के बाद तथाकथित युवा कार्यकर्ता होटल में नाच रहे हैं।

- भाजपा सांसद के तंज पर कहा-यह जेन जी का स्टाइल

खबर संक्षेप

भोपाल को आज मिलेगा चौथा रेलवे स्टेशन

भोपाल। राजधानी भोपाल के चौथे रेलवे स्टेशन निशातपुरा का शुभारंभ मंगलवार से होने जा रहा है। शाम 5 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मालवा एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर इसका उद्घाटन करेंगे।

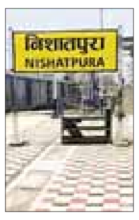

अंडा दुकान पर गैस सिलेंडर फटा, 5 झुलसे

इटारसी। यहां अंडा ठेले पर गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। जोरदार धमाके की चपेट में आने से ड्यूटी पर तैनात पुलिस आरक्षक राजकुमार समेत पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रेन की चादरों पर दाग को पकड़ेगा एआई

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने लिनेन की गुणवत्ता जांचने के लिए पहली बार एआई आधारित स्टेन डिटेक्शन सिस्टम शुरू किया है। इसका पायलट प्रोजेक्ट पुणे, जयपुर व जोधपुर मंडल में चल रहा है।

1000 करोड़ की कथित धोखाधड़ीः महेंद्र गोयनका की जमानत पर आज कोलकाता कोर्ट में सुनवाई

10 दिन की पुलिस रिमांड पूरी, पत्नी-भाई समेत 6 अन्य आरोपी अब भी फरार

जबलपुर। करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी, जालसाजी और कंपनियों पर अवैध कब्जे के हाई-प्रोफाइल मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी एवं रायपुर निवासी कारोबारी महेंद्र गोयनका की जमानत याचिका पर मंगलवार को कोलकाता की अदालत में सुनवाई होगी। 10 दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद पुलिस उन्हें अदालत में पेश करेगी, जहां जमानत पर फैसला और आगे की कार्रवाई पर सुनवाई होगी।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में महेंद्र गोयनका के अलावा उसकी पत्नी, भाई सहित कुल सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। हालांकि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है, लेकिन अन्य छह आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। उनकी तलाश में कोलकाता पुलिस की विशेष टीम लगातार विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है। जांच एजेंसियों का आरोप है कि आरोपियों ने जाली दस्तावेजों और फर्जी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर 'यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' समेत कई कंपनियों पर अवैध नियंत्रण स्थापित करने तथा कंपनी की संपत्तियों और माल का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर गबन का प्रयास किया। मामले में आरोपियों द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिकाएं पहले ही सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो चुकी हैं। अब मंगलवार को होने वाली सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं। अदालत के फैसले से यह स्पष्ट होगा कि महेंद्र गोयनका को जमानत मिलती है या उनकी हिरासत की अवधि आगे बढ़ाई जाती है।

इंदौर नगर निगम में घोटाला

ईडी ने दाखिल की 20 हजार पन्नों की चार्जशीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶इंदौर

- 103.42 करोड़ रुपए का फर्जी बिल घोटाला

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इंदौर नगर निगम के बहुचर्चित 103.42 करोड़ रुपए के फर्जी बिल घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने विशेष पीएमएलए अदालत में 32 आरोपियों के खिलाफ लगभग 20 हजार पन्नों का अभियोजन शिकायत पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया है। आरोपियों में ठेकेदार, नगर निगम अधिकारी, लोकल फंड ऑडिट के अधिकारी और निजी व्यक्ति शामिल हैं।

नवीन नियुक्ति योजना-2026 लागू

5 हजार से ज्यादा 'संविदा' कर्मचारी हो सकेंगे नियमित

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

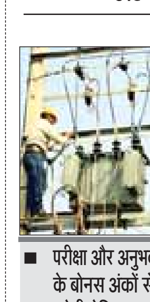

- परीक्षा और अनुभव के बोनस अंकों से बनेगी मैरिट

मप्र की बिजली कंपनियों में संविदा पर कार्यरत 5 हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर है। ऊर्जा विभाग ने 'संविदा आधार पर कार्यरत कार्मिकों की समकक्ष नियमित पदों पर नवीन नियुक्ति योजना-2026' लागू कर दी है। इसके तहत पात्र कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्ति के लिए ऑनलाइन परीक्षा देनी होगी।

भारत को दिलाया 5वां मेडल

ज्ञानेश्वरी ने भारोत्तोलन में जीता रजत 'पदक'

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

- स्वर्ण पदक से महज 7 किलो का रहा अंतर

भारत की महिला भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में रजत पदक अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 88 किलो और क्लीन एंड जर्क में 111 किलो समेत कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। ज्ञानेश्वरी स्वर्ण पदक से महज 7 किलो के अंतर से चूक गईं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एसआईटी से दो हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

कहा- एसआईटी में चार्टर्ड अकाउंटेंट और फोरेंसिक ऑडिटर को शामिल करें

चढ़ावे से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच हो

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

श्री राम जन्मभूमि चढ़ावा चोरी मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने जांच को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और फोरेंसिक ऑडिटर को भी शामिल किया जाए, ताकि वित्तीय लेन-देन और चढ़ावे से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच हो सके।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने स्पष्ट कहा कि फिलहाल अदालत का मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष और प्रभावी जांच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि एसआईटी अपना काम करे, अभी हमारा ध्यान अच्छी जांच पर है। बाकी विषयों पर बाद में विचार किया जाएगा।

अदालत ने निर्देश दिया कि विस्तारित एसआईटी अपनी जांच आगे बढ़ाए और निर्धारित समय में अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करे। हम एसआईटी को दो हफ्ते में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दे रहे हैं। बाकी का फैसला हम बाद में करेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने इन याचिकाओं पर सुनवाई की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था अदालतें राजनीति करने की जगह नहीं?

पिछली सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा था कि जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और उसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही अदालत ने इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा था कि अदालतें राजनीति करने की जगह नहीं हैं। सुनवाई के दौरान केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि उसके पहले के निर्देशों का पालन करते हुए सीलबंद लिफाफे में प्रगति रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है।

पटवारी ने की बंद कमरे में चर्चा, डैमेज कंट्रोल की कोशिश तेज

चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में बाहर निकालने का किया प्रयास

कांग्रेस के पूर्व विधायक भारती नाराज, पार्टी के प्रचार से नदारद

विशेष प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

दतिया विधानसभा सीट के लिए हो रहा चुनाव प्रचार मंगलवार 28 अगस्त को समाप्त हो जाएगा। इसमें भाजपा, कांग्रेस, आजाद समाज पार्टी सहित सभी प्रत्याशी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। कांग्रेस के लिए चिंता का कारण बन गए हैं पार्टी के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती। वे सार्वजनिक कार्यक्रमों और मंचों से नदारद हैं। हालांकि, वे कह चुके हैं कि कांग्रेस के साथ हैं लेकिन प्रचार में उनका न दिखना उनकी नाराजगी से जोड़ कर देखा जा रहा है। कांग्रेस के नेता उनके पास लगातार जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पूर्व विधायक

अवधेश नायक के साथ उनके निवास पहुंचे और लगभग एक घंटे तक बंद कमरे में एकांत चर्चा की। भारती चूंकि दतिया से हैं। उन्हें बाहर जाने की जरूरत नहीं है। पटवारी की कोशिश है कि प्रचार के अंतिम चरण में वे बाहर निकलें और कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह का प्रचार करें।

भारती ने कहा- वे हर परिस्थिति में कांग्रेस के साथ

राजेंद्र भारती प्रारंभ से कह रहे हैं कि वे हर परिस्थिति में कांग्रेस के साथ हैं। वे पार्टी के साथ खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। नामांकन दाखिल करते समय भी वे रैली में नहीं पहुंचे थे, तब भी उन्होंने पटवारी को आश्वासन दिया था कि वे कांग्रेस प्रत्याशी के लिए काम करेंगे लेकिन वे प्रचार अभियान के दौरान नजर नहीं आए।

लोकसभा और राज्यसभा एक बार फिर स्थगित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विपक्ष के हंगामे की वजह से लोकसभा में परीक्षा संशोधन बिल पर चर्चा शुरू नहीं हो पाई। कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए। छात्रों की पिटाई मामले पर बहस की मांग करने लगे। लोकसभा 12 बजे, 2 बजे फिर शाम 5 बजे तक स्थगित कर दी गई थी। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा कि आप चर्चा नहीं चाहते।

इसके बाद 5 मिनट तक हंगामा होता रहा। स्पीकर ने कहा कि मैं शाम 5 बजे तक का समय देता हूं। सरकार और विपक्षी सांसद सहमति बनाकर आएं। सुबह दोपहर 11 बजे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में पेपर लीक से जुड़ा लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया था। ऐसा ही हाल राज्यसभा का रहा। सदन को 4 बार स्थगित किया गया। पहले 12 बजे और फिर दोपहर 2 बजे तक, उसके बाद शाम 5:15 बजे तक स्थगित कर दी गई। बाद में लोकसभा और राज्यसभा में मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्ष का हंगामा: छात्रों की पिटाई मामले पर बहस के लिए अड़ा, रिजिजू बोले- कांग्रेस और उसके साथी दल जानबूझकर चर्चा से भाग रहे

ओम बिरला ने कहा कि यह विधेयक हमारे देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, उनकी मेहनत और उनकी आकांक्षाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक है। यह विधेयक प्रश्नपत्र लीक जैसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाएगा

विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने दिल्ली में नीट-यूजी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर बीते 20 जुलाई को बलप्रयोग किए जाने को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया और गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग की। संसद भवन के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर ले रखा था जिस पर 'वोट चोरी, पेपर चोरी, चंदा चोरी' लिखा हुआ था। उन्होंने 'लाठी-गोली की सरकार, नहीं चलेगी, नहीं चलेगी' और 'अमित शाह जवाब दो' के नारे लगाए।

नारेबाजी करने से विधेयक पर विचार नहीं होता: बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026

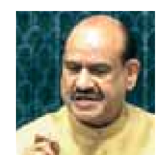

पर चर्चा में भाग लेने का आग्रह किया। विपक्षी सांसदों का शोर-शराबा नहीं थमने पर उन्होंने सत्तापक्ष और विपक्ष से इस मुद्दे पर मिलकर सहमति बनाने की अपील भी की। बिरला ने कहा कि नारेबाजी करने, तख्तियां लहराने से विधेयक पर विचार नहीं होता। यह विधेयक हमारे देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, उनकी मेहनत और उनकी आकांक्षाओं से जुड़ा अत्यधिक महत्वपूर्ण विधेयक है। यह विधेयक प्रश्नपत्र लीक जैसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाएगा।

देश के युवाओं की आप पर नजर: रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह इतना महत्वपूर्ण विधेयक है और इस पर इतने अधिक संशोधन

के नोटिस आए हैं जिसका मतलब है कि कई सदस्य इस महत्वपूर्ण विधेयक पर अपना मत रखना चाहते हैं। चर्चा रोकने के लिए नारेबाजी क्यों कर रहे है। युवाओं की इस पर नजर है। विपक्ष पहले दिन से चर्चा की मांग कर रहा था। लेकिन अब आप चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। ऐसे महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा रोककर ये गलत संदेश दे रहे हैं।

2014 में टास्क फोर्स क्यों नहीं बनी?: अखिलेश

लोकसभा सांसद और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पेपर लीक रोकने के लिए सरकार की तरफ से टास्क फोर्स बनाने पर कहा कि परीक्षा सुधार के लिए टास्क फोर्स बनना अच्छी बात है। इसमें अनुभवी और बुद्धिजीवी लोग शामिल हैं। सरकार ने इसे अब क्यों बनाया? अगर 2014 में ही ऐसी टास्क फोर्स बना दी जाती, तो देश तेजी से आगे बढ़ता।

मानसून सत्र के बीच आज एनडीए की बड़ी बैठक

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) मंगलवार को संसदीय दल की बैठक करेगा। यह मंगल मिलन संसद पुस्तकालय भवन (पीएलबी) स्थित जीएमसी बालायोगी सभागार में आयोजित की जाएगी। संसद में भाजपा के कार्यालय सचिव ने बताया कि बैठक मंगलवार को सुबह 9.30 बजे शुरू होने वाली है। संसद में भाजपा के कार्यालय की ओर से जारी एक नोट में कहा गया है, लोकसभा और राज्यसभा के सभी एनडीए सदस्यों से अनुरोध है कि वे कार्यक्रम में उपस्थित होने की सुविधा प्रदान करें और समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें।

राहुल गांधी को एलओपी से हटाएंगे: निशिकांत

लोकसभा में भाजपा सांसद

निशिकांत दुबे ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा जल्द उन्होंने विपक्ष के नेता के पद से हटाने का प्रस्ताव पेश करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। 2004 से 2026 तक, उनकी किसी भी विदेश यात्रा के बारे में किसी को कुछ नहीं पता। राहुल गांधी ने अब तक जितनी भी यात्राएं की हैं। उनमें उन्होंने सरकार और संविधान के खिलाफ बात की है। उन्होंने सरकार से कांग्रेस नेता की विदेश यात्राओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आग्रह किया।

बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ एके-47 राइफलों के इस्तेमाल का मामला

झूठा दावा करके अराजक माहौल पैदा कर रहे राहुल

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने मांग की है कि राहुल गांधी 'झूठी बातें और गलत जानकारी' फैलाने के लिए माफी मांगें। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने गांधी के बयान को न केवल बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, बल्कि एक पाप करार दिया। उन्होंने कहा कि यह बहुत शर्म की बात' है कि विपक्ष के नेता ने इतना गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार दिखाया है। यह अत्यंत निंदनीय है।

राहुल माफी मांगें

राहुल गांधी से माफी की मांग करते हुए पात्रा ने कहा कि वह झूठी बातें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। क्या इस देश में पुलिस कभी प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के लिए एके-47 का इस्तेमाल करती है? क्या ऐसा कभी हुआ है? राहुल गांधी कैसे कह सकते हैं कि एके-47 का इस्तेमाल किया गया है? यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है, और हमारा दृढ़ विश्वास है कि राहुल गांधी को ऐसी झूठी बातें और गलत जानकारी फैलाने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

अस्पताल से छुट्टी, राजघाट पहुंचे वांगचुक

सोनम वांगचुक ने अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सबसे पहले राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। वांगचुक ने कहा कि गांधी जी का दिखाया रास्ता आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना 100 साल पहले था। इस दौरान उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो भी उनके साथ नजर आईं। इससे पहले उन्होंने 'एक्स' पर जानकारी दी कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उन्होंने बताया कि वह पहले राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे और उसके बाद अपने पहाड़ों की ओर लौटेंगे।

खबर संक्षेप

लाड़की बहिन योजना के पूरे पैसे शॉपिंग में न उड़ाएं

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की मंत्री अदिति तटकरे ने लाड़की बहिन

योजना की लाभार्थी महिलाओं से अपील की है कि वे उन्हें हर महीने मिलने वाले 1500 रुपए का पूरा पैसा अपनी शॉपिंग में खर्च न करें बल्कि इस पैसे का एक हिस्सा बचाना चाहिए। योजना के तहत 21 से 65 साल की उम्र की महिलाएं पात्र हैं।

स्कूली किताबों में 2000 से ज्यादा त्रुटियां

भुवनेश्वर। ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और बीजद प्रमुख

नवीन पटनायक ने सरकारी स्कूलों में त्रुटिपूर्ण पाठ्यपुस्तकों के वितरण को लेकर स्कूल एवं जनशिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों तक गलतियों से भरी किताबें पहुंचाकर उनका भरोसा तोड़ा।

मालवी ऊंट का विशेष प्रजनन समूह तैयार

बीकानेर। देश की दुर्लभ सफेद मालवी ऊंट नस्ल विलुप्ति के

कगार पर है। इसकी घटती आबादी को बचाने के लिए बीकानेर स्थित राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र ने 12 ऊंटों का विशेष प्रजनन समूह तैयार किया है। इसमें 3 नर और 9 मादा ऊंट शामिल हैं। इनकी संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

अंकित हत्याकांड में ताहिर को मृत्युदंड दें

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को आसूचना ब्यूरो

(आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की सनसनीखेज हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य लोगों को मृत्युदंड दिए जाने का आग्रह किया।

जंतर-मंतर पर पुलिस एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

केवल आंदोलन होने पर लाठीचार्ज सही नहीं ज्यादतियों के आरोपों की होगी 'स्वतंत्र जांच'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि संविधान के तहत शांतिपूर्ण और कानूनी विरोध का अधिकार पूरी तरह से सुरक्षित है। जब तक विरोध शांतिपूर्ण है, अत्यधिक बल का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

सुप्रीम कोर्ट ने आज मौखिक रूप से कहा कि शांतिपूर्ण और कानूनी विरोध का अधिकार संवैधानिक रूप से सुरक्षित है और सिर्फ आंदोलन लाठीचार्ज को सही नहीं ठहरा सकता। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने पेपर लीक के मुद्दे पर देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस बल के उपयोग का आरोप लगाने वाली याचिकाओं के एक समूह का उल्लेख करते हुए ये टिप्पणियां कीं। न्यायालय ने आगे कहा कि पुलिस द्वारा की गई ज्यादतियों के आरोपों की स्वतंत्र रूप से जांच की जानी चाहिए। साथ ही कोर्ट ने देश भर में प्रदर्शनों से निपटने के लिए एक समान पुलिस प्रोटोकॉल की जरूरत पर जोर दिया। सभी याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

प्रदर्शनों से निपटने एक समान प्रोटोकॉल जरूरी

लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अनुशासन जरूरी

शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि संविधान के तहत शांतिपूर्ण और कानूनी विरोध का अधिकार पूरी तरह से सुरक्षित है। जब तक विरोध शांतिपूर्ण है, सिर्फ इसलिए कि विरोध हो रहा है, अत्यधिक बल का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अगर अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया जाता है, तो इसकी स्वतंत्र रूप से जांच होनी चाहिए। यह सिर्फ दिल्ली का मामला नहीं है। प्रोटोकॉल में एकरूपता जरूरी है। सिर्फ विरोध होने का मतलब लाठी-चार्ज नहीं है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अनुशासन जरूरी है।

उनके पास हेलमेट होने चाहिए

कोर्ट ने घटना में घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों की ओर से पेश वकील की कार्यवाही में शामिल होने की अर्जी भी मंजूर कर ली। जस्टिस बागची ने मौखिक रूप से कहा कि किसी व्यक्ति को चोट पहुंचना, चाहे वह पुलिसकर्मी हो या छात्र, समान रूप से चिंता का विषय है। हम राज्य से यह पूछ सकते हैं कि ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए पुलिस को पर्याप्त उपकरण क्यों नहीं दिए गए। उनके पास हेलमेट होने चाहिए।

डीपफेक, एआई-जनित पोस्ट पर गडकरी मेटा, एक्स और अन्य पर कर सकेंगे मुकदमा

बंबई उच्च न्यायालय के निर्देश

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को उनके खिलाफ अपलोड किए गए 'मानहानिकारक' डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-जनित पोस्ट को लेकर मेटा मंच, एक्स कॉर्प, गूगल एलएलसी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दीवानी वाद दायर करने की सोमवार को अनुमति दे दी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री और

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी ने 'लेटर्स पेटेंट' के खंड-12 के तहत अनुमति याचिका दायर की थी।

दल-बदल रोधी कानून पर केंद्र से जवाब मांगा

उच्चतम न्यायालय ने निर्दलीय राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की उस याचिका की सुनवाई को लेकर को सहमति जताई, जिसमें संविधान की दसवीं अनुसूची की उस व्याख्या पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया है, जिसके तहत विधायक और सांसद किसी अन्य राजनीतिक दल में विलय का दावा कर दल-बदल रोधी कानून के तहत अयोग्यता से बच सकते हैं। जस्टिस पीएस. नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

विजय को मद्रास हाईकोर्ट से झटका

करूर भगदड़ पीड़ित परिजनों को नौकरी देने पर लगाई रोक

मामला जांच के दायरे में सुप्रीम कोर्ट निगरानी कर रहा

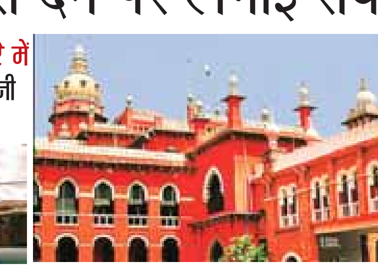

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने राज्य सरकार के उन सरकारी आदेशों (जीओ) को रद्द कर दिया, जिनके तहत भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी देने का फैसला लिया गया था। यह आदेश करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों के पुनर्वास पैकेज का हिस्सा था। अदालत ने इस मामले में दायर जनहित याचिकाओं (पीआईएल) का निपटारा करते हुए यह फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने कहा कि करूर भगदड़ मामले की जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है और इस जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट कर रहा है, इसलिए वह मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं करेगी।

10 जुलाई को नियुक्ति पत्र सौंपे थे

सीएम विजय ने 10 जुलाई को सीएम बनने के बाद पहली बार करूर का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने सितंबर 2025 की करूर भगदड़ से प्रभावित परिवारों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम की शुरुआत की थी। सीएम ने जान गंवाने वाले 41 लोगों के परिवारों में से 32 पात्र सदस्यों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे थे। राज्य सरकार ने प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक पात्र सदस्य को सरकारी नौकरी देने का फैसला किया था। करूर दौरे के दौरान सीएम विजय ने जिला कलेक्टर कार्यालय में मृतकों के परिजनों से मुलाकात की थी और उनकी समस्याएं सुनी थीं। इसके बाद उन्होंने एक सार्वजनिक सभा को भी संबोधित किया।

नौकरी मांगने वालों की बाढ़ आ जाएगी

अदालत ने कहा कि भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने संबंधी आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन करता है। पीठ ने यह भी कहा कि भगदड़ पीड़ितों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने के आदेश से इसी तर्ज पर नौकरी की मांग करने वालों की बाढ़ आ जाएगी।

वाहन आरसी पर सरकार लाई मसौदा

6 महीने तक आरसी ट्रांसफर नहीं तो डीलर होगा मालिक!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में वाहन पंजीकरण प्रक्रिया में केंद्र सरकार ने एक नए नियम का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत यदि कोई खरीदार वाहन खरीदने के 6 महीने के भीतर औपचारिक रूप से मालिकाना हक का ट्रांसफर पूरा नहीं करता है, तो उस वाहन का मालिकाना हक खुद-ब-खुद डीलर के नाम पर ट्रांसफर हो जाएगा। यह कदम भारत के वाहन बाजार में अक्सर देखी जाने वाली उस लापरवाही को खत्म करने के लिए

उठाया गया है। जहां खरीदारी के बाद लंबे समय तक आरसी (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) ट्रांसफर नहीं कराई जाती है और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) रिकॉर्ड में कानूनी देनदारियों का बोझ पुराने मालिक या डीलर पर ही बना रहता है।

पीएम मोदी ने प्लास्टिक प्रदूषण पर जताई चिंता

दोबारा इस्तेमाल कर बनाएं वस्तुएं

वर्षों तक प्रकृति को नुकसान, कचरे का सही तरीके से निपटारा बेहद आवश्यक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्लास्टिक प्रदूषण की बढ़ती

समस्या का जिक्र किया है। एक बार इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक फेंके जाने के बाद वर्षों तक प्रकृति को नुकसान पहुंचाता रहता है। इसलिए प्लास्टिक कचरे का सही तरीके से निपटारा बेहद जरूरी है। बेकार प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल कर नई वस्तुएं बनाकर कचरे से कमाई करें।

'कचरे से कमाई' के साथ खोजने की अपील

देश रोज 11,300 प्लास्टिक कचरा पैदा कर रहा

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने संसद में बताया है कि 2022-23 में देश में 41.3 लाख टन प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ। यानी औसतन हर दिन करीब 11,300 टन प्लास्टिक कचरा निकला।

एकल प्लास्टिक उत्पाद प्रतिबंधित

पर्यावरण मंत्रालय ने 12 अगस्त 2021 को प्लास्टिक कचरा प्रबंधन संशोधन नियम जारी किए। इसके तहत कम उपयोगिता और ज्यादा कचरा फैलाने वाले चिह्नित एकल-उपयोग प्लास्टिक उत्पादों पर 1 जुलाई 2022 से प्रतिबंध लगा दिया गया।

207 लाख टन प्लास्टिक का पुनर्चक्रण

मार्च 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्रीय ईपीआर पोर्टल पर 60,128 उत्पादक, आयातक और ब्रांड मालिक व 3,012 प्लास्टिक कचरा प्रसंस्करण इकाइयां पंजीकृत थीं। 2022 में ईपीआर दिशानिर्देश लागू होने के बाद करीब 207 लाख टन प्लास्टिक पैकेजिंग कचरे का पुनर्चक्रण किया जा चुका है।

सड़कों में इस्तेमाल हो रहा : प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियमों में स्थानीय निकायों को ऐसे प्लास्टिक कचरे का इस्तेमाल सड़क निर्माण में करने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रावधान है, जिसे आगे पुनर्चक्रित नहीं किया जा सकता। इसका इस्तेमाल सड़क निर्माण में किया जा सकता है।

क्रू सदस्यों समेत सभी यात्री सुरक्षित, पायलट की सूझबूझ से अनहोनी टली

194 लोगों को लेकर दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो फ्लाइट में उठा धुआं पायलट ने दी सूचना, तत्काल राजकोट में करा दी गई आपात लैंडिंग

एजेंसी ▶▶ राजकोट

दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की फ्लाइट आईजीओ 1452 की राजकोर्ट एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक पायलट ने विमान के कार्गो कंपार्टमेंट से धुआं निकलते देखा था, इसके बाद राजकोट एयरपोर्ट को इमरजेंसी की सूचना देकर फ्लाइट को राजकोट में लैंड कराया। इंडिगो की फ्लाइट में पायलट क्रू समेत 194 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट के अफसरों के अनुसार फ्लाइट में सवार सभी पैसेंजर और क्रू को सुरक्षित उतार लिया गया है। खबर है कि सभी को दूसरे प्लेन से शाम 7 बजे मुंबई रवाना किया गया। राजकोट एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिलते ही राजकोट नगर निगम के 2 फायर ब्रिगेड वाहन और 2 एम्बुलेंस तुरंत एयरपोर्ट पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड कर्मी और डॉक्टर तैयार थे। सीआईएसएफ और हवाई अड्डा पुलिस सहित अन्य कर्मचारी भी वहां पहुंचे और पुलिस नेका बम डिस्पोजल स्क्वाड और डॉग स्क्वाड भी मौके पर पहुंच गई। कुल मिलाकर हर तरह से आपात स्थिति से निपटने के इंतजाम किए गए थे।

2 फायर ब्रिगेड वाहन और 2 एम्बुलेंस तुरंत एयरपोर्ट पर पहुंचे | पूरे विमान की गहना से जांच हुई, उड़ान का फैसला नहीं हुआ

राजकोट एयरपोर्ट पर खड़ा विमान

पूरी जांच के बाद ही विमान को उड़ान की अनुमति

विमान में सवार सभी पैसेंजर और क्रू को प्लेन से उतारकर रेस्ट हाउस में रखा गया था। विमान की जांच कर ली गई है। हालांकि अभी तक आग लगने की पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी उड़ान रोक दी गई है। पूरी जांच के बाद ही विमान को उड़ान भरने की अनुमति देना है या नहीं यह बाद में तय होगा।

दोपहर 3:27 बजे लैंडिंग की

राजकोट एयरपोर्ट डायरेक्टर दिगंत बोराह ने बताया कि प्लेन के कार्गो डिब्बे में धुआं निकलने के कारण दोपहर 2:45 बजे टोटल इमरजेंसी डिक्लेयर की गई। इसके बाद प्लेन ने दोपहर 3:27 बजे राजकोट एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। विमान में सवार सभी 194 यात्री सुरक्षित हैं।

15 जून: जयपुर में भी हुई थी इंडिगो की इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली से मुंबई जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में एक पैसेंजर की तबीयत बिगड़ गई। पैसेंजर की स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत मेडिकल इमरजेंसी घोषित की और जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला लिया। दरअसल, इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-322 दिल्ली से मुंबई के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के दौरान एक पैसेंजर की तबीयत खराब हो गई। विमान में मौजूद क्रू मेंबर्स ने प्राथमिक स्तर पर पैसेंजर को सहायता उपलब्ध कराई, लेकिन स्वास्थ्य स्थिति में सुधार नहीं होने पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क कर नजदीकी एयरपोर्ट पर लैंडिंग की अनुमति मांगी गई।

12 मई: एयर इंडिया की दिल्ली में हो चुकी है इमरजेंसी लैंडिंग

यात्री इंतजार करते रहे

एयर इंडिया की बेंगलुरु से दिल्ली जा रही फ्लाइट एआई2802 की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। फ्लाइट जब हवा में थी तब कॉकपिट क्रू को एक इंजन में आग लगने का अलर्ट मिला। इसके बाद विमान को रात करीब 9.30 बजे दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतारा गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विमान में करीब 171 पैसेंजर थे। पैसेंजर और क्रू सुरक्षित हैं। फ्लाइट को टो करके ले जाया गया।

खबर संक्षेप

कर्मचारियों के घंटे गिने इंफोसिस पर जुर्माना

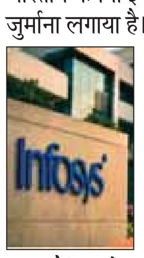

पेरिस। फ्रांस की एक अथॉरिटी ने भारतीय कंपनी इंफोसिस पर जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना कर्मचारियों की टाइम ट्रैकिंग को लेकर किया गया है। दरअसल फ्रांस अथॉरिटी का कहना है कि कर्मचारियों की टाइम ट्रैकिंग में कंपनी ने लोकल कानून का उल्लंघन किया है। देश की बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस पर फ्रांस की एक सरकारी लेबर अथॉरिटी ने 1,75,000 यूरो (करीब 2 करोड़ रुपए) का जुर्माना लगाया है। कर्मचारियों के काम के घंटे रिकॉर्ड करने पर जुर्माना लगा है।

वेनेजुएला में भूकंप से 2 फीट खिसकी धरती

नई दिल्ली। वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो शक्तिशाली भूकंपों को लेकर इसरो और नासा के संयुक्त मिशन निसार सैटेलाइट ने बड़ा खुलासा किया है। सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण से पता चला है कि इस भीषण भूकंप के कारण कई जगहों पर जमीन लगभग 60 सेंटीमीटर यानी 2 फीट तक खिसक गई, जिसके कारण राजधानी कराकस और ला गुएरा में भीषण तबाही मची।बता दें कि 24 जून को उत्तरी वेनेजुएला में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था।

जहाज पर एक भारतीय की मौत पर एक्शन में मोदी सरकार

यूक्रेन के राजदूत को किया तलब, ईरान ने भी 'जवाबी कार्रवाई' की दे डाली धमकी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्लैक सी (काला सागर) में कमर्शियल शिप एमवी ओमोर्फी पर हुए हमले को लेकर भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। इस हमले में एक भारतीय नाविक की दुखद मौत के बाद विदेश मंत्रालय ने भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को तलब किया और गहरी चिंता व्यक्त की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18 जुलाई को जब इस कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ, तब उस पर तीन भारतीयों सहित कुल 10 क्रू मेंबर्स सवार थे। भारत ने इस घटना में मारे गए भारतीय के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए वाणिज्यिक जहाजों पर होने वाले हमलों की सख्त लहजे में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि ऐसे हमले समुद्री आवाजाही की सुरक्षा, जहाजों की आवाजाही के अधिकार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। भारत ने यूक्रेनी राजदूत के जरिए उनकी सरकार को संदेश दिया कि निर्दोष नागरिक नाविकों की जान जोखिम में डालने वाले ऐसे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए। रूस स्थित भारतीय मिशन पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता पहुंचाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। भारत ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने की अपील की है। दूसरी ओर, समुद्री तनाव अब कैस्पियन सागर तक फैल गया है।

कमर्शियल शिप पर हुए हमले की भारत ने निंदा की | शिप पर 10 क्रू मेंबर थे सवार उसी दौरान हुआ था हमला

भारत के साथ ईरान भी कर रहा सख्ती

जायसवाल

मृतक सागर गुप्ता

यूक्रेन द्वारा कैस्पियन सागर में एक ईरानी कमर्शियल शिप को निशाना बनाए जाने के बाद ईरान ने उग्र प्रतिक्रिया दी है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार (27 जुलाई 2026) को इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया। ईरान ने चेतावनी दी है कि उसे अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए यूक्रेन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है और तेहरान ऐसा कदम उठाने में जरा भी संकोच नहीं करेगा। वहीं, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के अध्यक्ष इब्राहिम अजीजी ने भी यूक्रेन को इसके गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है।

मंत्रालय के सामने डॉ. पोलिशचुक

पहले रूके बात की फिर अंदर गए

विदेश मंत्रालय के बाहर यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक कुछ देर ठहरे वहां मौजूद अधिकारियों से हल्की फुल्की बात की इसके बाद आगे बढ़े और दफ्तर में अंदर गए जहां इस मसले पर उनसे बातचीत की गई और घटना पर चिंता व्यक्त की गई।

यूक्रेन ने जयशंकर को लिखी थी चिट्ठी, कहा- हमने पहले आगाह किया था

काला सागर में भारतीय नाविकों पर हमलों को लेकर यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में काला सागर में मारे गए भारतीय नाविकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यूक्रेन ने इन हमलों का आरोप रूस पर लगाया है। बयान के अनुसार, भारत में यूक्रेन के दूतावास ने कहा है कि उसका दृढ़ विश्वास है कि रूस की आक्रामक कार्रवाइयों के कारण काला सागर और आजोव सागर में नागरिक जहाजों की आवाजाही पर मंडरा रहे खतरों और जोखिमों को क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति से जुड़ी किसी भी एहतियाती चेतावनी पर तत्काल प्रतिक्रिया देकर कम किया जा सकता है। दूतावास ने कहा कि युद्ध के दौरान यूक्रेन लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों, जिनमें भारत के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं, को रूस की कार्रवाइयों से नागरिक नौवहन पर बढ़ते खतरों के बारे में आगाह करता रहा है।

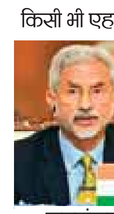
जयशंकर

यूक्रेन ने अपने साझेदार देशों को उन कदमों की भी जानकारी दी है, जो वह सैन्य सामान की आपूर्ति रोकने और यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को समर्थन देने वाली लॉजिस्टिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के लिए उठा रहा है। दूतावास ने कहा कि इन चिंताओं को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के मंच पर भी औपचारिक रूप से उठाया गया है। इसके तहत 12 जून और 26 जून 2026 को जारी आईएमओ सर्कुलर लेटर्स के माध्यम से सदस्य देशों को अवगत कराया गया।

पहले बात की, फिर मार दी गोली

कनाडा में टारगेट अटैक में हुई भारतीय मूल की युवती की हत्या

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

मृतक नवनीत कौर

कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 26 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि यह एक टारगेटेड हमला था। मृतक की पहचान नवनीत कौर के रूप में हुई है। उसे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के पास गोली मारी गई। उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। टोरंटो पुलिस ने कौर की हत्या के मामले में ब्रैम्पटन के एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

संदिग्ध की पहचान शरणजीत सिंह के तौर पर हुई है। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर और अंडरटेकिंग का पालन न करने का आरोप लगाया गया है। टोरंटो पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 7:23 बजे (ईएसटी) उन्हें गोली चलने की सूचना मिली, जिसके बाद उनके अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें कौर गोली लगी हालत में मिली। सीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई और जान बचाने की कोशिशें भी की गईं लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। ड्यूटी इंस्पेक्टर स्कॉट ब्रैडबरी ने मीडिया को बताया कि गोलीबारी किसी घर में नहीं बल्कि बाहर सार्वजनिक जगह पर हुई। अधिकारी ने बताया कि एक पुरुष संदिग्ध को घटनास्थल से भागते हुए देखा गया।

आरोपी ने पहले महिला का पीछा किया

एक चश्मदीद ने बताया कि वे बाहर सुबह की कॉफी पी रहे थे तभी उन्होंने पीड़ित महिला को हम्बरवुड पर पूरब की ओर जाते देखा। फिर उन्होंने एक आदमी को उस महिला के पीछे-पीछे जाते देखा।गवाह ने बताया कि संदिग्ध ने पीड़िता से कुछ कहा, जिससे वह पीछे मुड़ी। थोड़ी बातचीत के बाद उस आदमी ने उसे एक गोली मारी और फिर बंदूक लेकर भाग गया। ऐसा नहीं लग रहा था कि वे दोनों व्यक्ति बहस कर रहे थे। पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें लगता है कि कौर की हत्या एक टारगेटेड हमला थी और अब कोई संदिग्ध नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि गोली मारने के पीछे की वजह अभी साफ नहीं है और पुलिस की होमिसाइड टीम अब इस मामले की जांच कर रही है।

बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका रवाना

राष्ट्रपति ट्रंप से होगी द्विपक्षीय वार्ता, ईरान सुरक्षा और शांति विस्तार मुख्य एजेंडा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका की महत्वपूर्ण यात्रा पर रवाना हो गए हैं। इस दौरे के दौरान वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान दोनों नेताओं के बीच यह आठवीं द्विपक्षीय बैठक होगी। अमेरिका रवाना होने से पूर्व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में नेतन्याहू ने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय नेता की तुलना में उनकी ट्रंप से सबसे ज्यादा मुलाकातें हुई हैं, जो उनके लिए सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी की बात है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ईरान की गतिविधियों से निपटने, इजराइल की सुरक्षा को मजबूत करने और क्षेत्र में शांति के दायरे का विस्तार करना है। इस यात्रा के दौरान नेतन्याहू अपने करीबी सहयोगी और इजराइल के समर्थक रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम को भी अंतिम श्रद्धांजलि देंगे, जिनका हाल ही में 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। इससे पहले कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान नेतन्याहू ने जानकारी दी कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आईसीसी द्वारा नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ वारंट जारी किए जाने पर इजराइली प्रधानमंत्री ने कड़ा एतराज जताया। उन्होंने आईसीसी पर वैश्विक न्याय व्यवस्था को खतरे में डालने और लोकतांत्रिक राष्ट्रों की संप्रभुता में बाधा डालने का आरोप लगाया। नेतन्याहू ने कहा कि वे इस मिशन पर पूर्ण समर्पण के साथ जा रहे हैं ताकि देश के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।

पाकिस्तान में ईशनिंदा

निजी दुश्मनी-वसूली का बना हथियार झूठे मुकदमों पर आई रिपोर्ट चौंका रही

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान से एक चौंकाने वाली आधिकारिक रिपोर्ट सामने आई है। देश के चारों प्रांतों में दर्ज ज्यादातर ईशनिंदा मामले फर्जी पाए गए हैं। कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने खुद यह खुलासा किया है। संसदीय समिति को सौंपी गई रिपोर्ट में कई बातें साफ हुई हैं। इन झूठे मुकदमों का सबसे बड़ा शिकार धार्मिक अल्पसंख्यक बन रहे हैं। सिंध, पंजाब, केपीके और बलूचिस्तान के अधिकारियों ने यह रिपोर्ट सीनेट समिति को सौंपी। मानवाधिकारों पर बनी कार्यात्मक समिति को दिए आंकड़े बेहद डरावने हैं। जांच में सामने आया कि ईशनिंदा के आरोप धार्मिक भावनाओं से नहीं जुड़े थे।

लोगों ने विरोध किया

असल में इनका मकसद निजी दुश्मनी और पारिवारिक विवाद निपटाना था। कई मामलों में तो संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए यह साजिश रची गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच में आरोपों के कोई सबूत नहीं मिले। सबूत न होने के कारण कई मामलों को खारिज कर दिया गया। लेकिन तब तक आरोपी व्यक्ति और उसका परिवार तबाह हो चुका होता है।

भारतीय छात्रों के वर्क परमिट रिजेक्शन का मामला

अब आईआरसीसी ने दिया स्पष्टीकरण कहा नियम तोड़े तो होगी सख्त से सख्त कार्रवाई

पढ़ाई के दौरान हफ्ते में 24 घंटे ही काम करने की अनुमति

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा में भारतीय छात्रों के वर्क परमिट रिजेक्ट होने के मामलों के बीच इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। आईआरसीसी ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि पढ़ाई के दौरान कार्य नियमों का उल्लंघन करने पर छात्रों को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए जारी बयान में इमिग्रेशन अथॉरिटी ने स्पष्ट किया कि छात्रों को केवल उनके स्टडी परमिट में तय शर्तों के आधार पर ही काम करने की अनुमति है। वर्तमान नियमों के अनुसार, पढ़ाई के दौरान छात्र हफ्ते में अधिकतम 24 घंटे ही काम कर सकते हैं। अथॉरिटी ने कहा कि बिना आधिकारिक अनुमति के पार्ट-टाइम काम करना भी इमिग्रेशन कानूनों का उल्लंघन माना जाएगा। आईआरसीसी ने साफ किया कि नियमों की अनदेखी करने पर भविष्य में वर्क परमिट रद्द किया जा सकता है, कनाडा में प्रवेश के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है या देश से बाहर भी निकाला जा सकता है।

यह विवाद तब गहराया जब कैलगरी स्थित पोर्टेज कॉलेज के कई भारतीय छात्रों के वर्क परमिट खारिज हो गए, जिसके बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस पर कॉलेज ने छात्रों को कानूनी सलाह लेने की सिफारिश की है और कहा कि वे अथॉरिटी से इस विषय पर लगातार संपर्क में हैं। आईआरसीसी ने सभी विदेशी छात्रों से केवल आधिकारिक गाइडलाइंस का पालन करने की अपील की है।

ग्रेटा थनबर्ग ने किया भारतीय छात्र आंदोलन का समर्थन

कहा-यह लोकतंत्र और न्याय के लिए हम सबकी लड़ाई

एजेंसी ▶▶ लंदन

लंदन में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रसिद्ध जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने भारतीय छात्रों के आंदोलन के प्रति अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है। शिक्षा व्यवस्था की धांधलियों और नीट पेपर लीक मामले के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चले इस 36 दिवसीय आंदोलन को उन्होंने जनता की ताकत का एक ऐतिहासिक उदाहरण करार दिया। ग्रेटा थनबर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय छात्रों की न्याय की लड़ाई केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे पूरी दुनिया के लोगों की साझा लड़ाई है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन ने दुनिया भर के लोगों को उम्मीद दी है और यह साबित किया है कि जब लोग एकजुट होकर खड़े होते हैं तो वे बड़ी से बड़ी व्यवस्था को बदलने की ताकत रखते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आह्वान किया कि वे भारत के छात्रों और नागरिकों के समर्थन में एकजुट हों।

यह आंदोलन नीट पेपर लीक और शिक्षा प्रणाली की कमियों के खिलाफ 20 जून से शुरू हुआ था, जो 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के बाद और अधिक उग्र हो गया। इस आंदोलन को सोनम वांगचुक जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न छात्र संगठनों का भी व्यापक समर्थन मिला। 36 दिनों तक चले इस अभूतपूर्व जन-विरोध के दबाव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा।

थनबर्ग ने आंदोलन को जनता की ताकत और लोकतंत्र की लड़ाई बताया

छात्रों की मौत और पुलिस बर्बरता पर एसएफआई ने दुख व्यक्त किया

जीत को बताया प्रेरणादायक

सरकार द्वारा आंदोलनकारियों की बची हुई मुख्य मांगों को स्वीकार करने के बाद सीजेपी ने शनिवार को अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। सरकार ने नीट मामले से जुड़ी घटनाओं के कारण जान गंवाने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने की सहमति जताई है। हालांकि, एसएफआई यूके ने इस आंदोलन को ऐतिहासिक जीत और प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि नीट मामले में जान गंवाने वाले 21 छात्रों की मौत और पुलिस बर्बरता का दुख आज भी कायम है। संगठन का मानना है कि यद्यपि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से एक पड़ाव पार कर लिया गया है, लेकिन शिक्षा में पारदर्शिता और छात्रों के अधिकारों की यह लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

सार्क को पुनर्जीवित करने की मुइज्जू ने की अपील, कहा-सहयोग भी करें

एजेंसी:माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (एसएएआरसी) को फिर से सक्रिय करने की पुरजोर वकालत की है। देश की आजादी के 61 साल पूरे होने पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में 43 देशों के राजनयिकों को संबोधित करते हुए मुइज्जू ने सदस्य देशों से क्षेत्रीय हित में बातचीत के जरिए आपसी मतभेद सुलझाने का आग्रह किया। मुइज्जू ने सार्क की वर्तमान गतिरोध पर चिंता जताते हुए कहा कि मालदीव इस रुकावट को दूर करने और वार्ता को पटरी पर लाने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है।

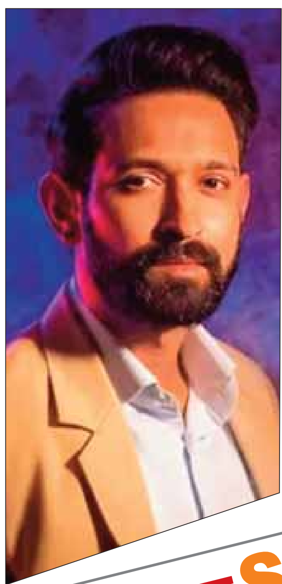

चौहान में नजर आएंगे विक्रांत, अजय को देंगे टक्कर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'चौहान' बीते दिनों अपनी पहली झलक के साथ ही काफी चर्चा में रही थी। इसे दर्शकों ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्यार दिया था। वहीं अब ये फिल्म एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। दरअसल, अब इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी की एंट्री की खबरें हैं जो दर्शकों का दिल अपनी शानदार फिल्म '12वीं फेल' से जीत चुके हैं। सूत्र ने बताया कि आनंद एल राय ने अजय की चौहान के लिए एक ग्रे शेड वाले किरदार में विक्रांत को साइन किया है। फिल्म में विक्रांत मैसी सुपरस्टार अजय देवगन से टक्कर लेते हुए नजर आएंगे।

लाइफ Style

भूमि
छत्रपति शिवाजी महाराज में हुई एंट्री

एजेंसी ▶▶ मुंबई

साल 2022 में कांतारा और 2025 में कांतारा चैप्टर 1 से तहलका मचाने वाले दक्षिण भारतीय अभिनेता ऋषभ शेट्टी अपनी अगली फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' के नाम से रिलीज होने वाली इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे।

अब इस फिल्म से जुड़ एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की भी एंट्री हो गई है। सोमवार को मेकर्स ने इसकी घोषणा की। फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। मल्लम्मा एक निडर योद्धा रानी थीं, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट जज्बे के लिए याद किया जाता है। बेलवाड़ी मल्लम्मा ने देश की पहली महिला सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। ऐसा करने वाली वह पहली रानी थीं। कहा जाता है कि वो अपने चार माह के बेटे को गोद में लेकर शिवाजी महाराज की सेना से युद्ध लड़ी थीं। स्टार कास्ट : ऋषभ शेट्टी, भूमि पेडनेकर, शेफाली शाह, अर्जुन रामपाल और विवेक ओबेराय। निर्देशक और निर्माता : संदीप सिंह। बजट : 500 करोड़ से ज्यादा के बजट में दो भाग बनाए जाएंगे। अगले साल जनवरी तक पहला भाग रिलीज किया जा सकता है। क्रू : इंटरनेशनल एक्शन को-ऑडिनेटर्स, जो गेम ऑफ थ्रोल और द विचर में काम कर चुके हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कंपोजर अमित त्रिवेदी फिल्म को म्यूजिक देंगे वहीं गीत प्रसून जोशी लिखेंगे। फिल्म की कहानी ऋषि विरमानी ने लिखी है, जिसे मेकर्स दो भागों में रिलीज करेंगे।

हॉलीवुड मसाला

स्पाइडर-मैन ... 30 को होगी रिलीज

नई दिल्ली। कुछ ही दिनों में स्पाइडर-मैन: ब्रैंड न्यू डे सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है और फैंस के बीच उत्साह अपने चरम पर है। स्पाइडर-मैन: नो वे होम की भावुक घटनाओं के बाद टॉम हॉलैंड (एक बार फिर अपने लोकप्रिय किरदार पीटर पार्कर के रूप में लौट रहे हैं। यह फिल्म पीटर पार्कर की जिंदगी के एक बिल्कुल नए अध्याय की शुरुआत करेगी। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंडिया स्पाइडर-मैन: ब्रैंड न्यू डे को 30 जुलाई को भारतभर के सिनेमाघरों में रिलीज करेगी।

मैडोना का लंदन वाला पुराना घर किराए पर उपलब्ध...

लॉस एंजिल्स। दुनियाभर में अपने नए गानों को लेकर चर्चा में रहने वाली मशहूर पॉप सिंगर मैडोना का एक पुराना घर इन दिनों फिर सुर्खियों में है। लंदन के साउथ केंसिंग्टन इलाके में स्थित यह शानदार घर अब किराए के लिए उपलब्ध है। खास बात यह है कि कभी यह घर कभी मैडोना और उनके एक्स हसबैंड फिल्म निर्देशक गाय रिची का आशियाना हुआ करता था। इस घर की पहचान सिर्फ मैडोना से ही नहीं जुड़ी है। साल 2004 में आई क्राइम थ्रिलर फिल्म 'लेयर केक' की शूटिंग भी यहां हुई थी। फिल्म में डैनियल क्रेग के किरदार का लंदन वाला घर इसी प्रॉपर्टी को बनाया गया था। यह वही फिल्म थी, जिसके बाद डैनियल क्रेग को जेम्स बॉन्ड की भूमिका मिलने का रास्ता खुला। क्वीन्स गेट म्यूज़ में बना यह दो बेडरूम वाला घर बाहर से बेहद साधारण दिखाई देता है।

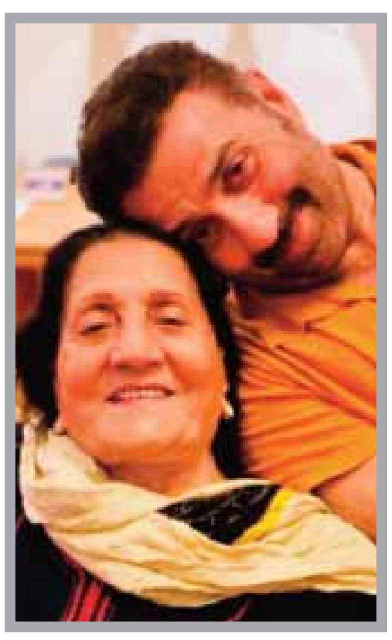

मां को समर्पित किया बंटवारा 1947 का ट्रेलर

मुंबई। सनी देओल इन दिनों फिल्म 'बंटवारा 1947' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर मां के साथ फोटो शेयर कर करते हुए इमोशनल पोस्ट शेयर की है और फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट रिवील की है। उन्होंने केवल मां ही नहीं, बल्कि देश भर की मां को इस फिल्म के ट्रेलर को समर्पित कर दिया। एक्टर ने मां के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'मेरी मां ही मेरा रब हैं। मेरा प्यार, मेरा हौसला, मेरी ताकत. बंटवारा 1947 में अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करता हूं।' इसके साथ ही सनी देओल ने पोस्ट के आखिरी में 'बंटवारा 1947' के ट्रेलर रिलीज का भी ऐलान किया और जानकारी दी कि इस फिल्म का ट्रेलर 28 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। 'बंटवारा 1947' की कहानी भारत और पाक के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर बुनी गई है।

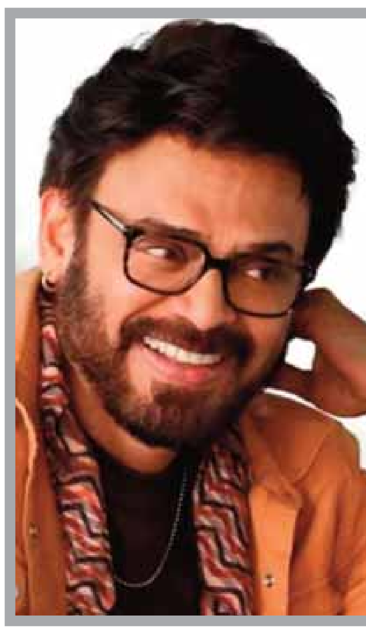

आदर्श कुटुंबम की पहली झलक आई सामने

नई दिल्ली। संक्रांति वास्तुनाम की अपार सफलता के बाद अब साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता दग्गुबाती वेंकटेश बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम आदर्श कुटुंबम- हाउस नंबर 47 है। इस फिल्म का पहला टीजर सामने आ गया है, साथ ही मेकर्स की तरफ से फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान भी किया गया है, जिससे कहीं न कहीं बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की बहुचर्चित फिल्म दृश्यम 3 की टेंशन बढ़ सकती है। दग्गुबाती की आदर्श कुटुंबम का डायरेक्सन त्रिविक्रम श्रीनिवास ने किया है, जो बतौर फिल्ममेकर सुपरस्टार महेश बाबू और श्रीलीला स्टारर गुंटूर कारूम की असफलता के 2 साल बाद वापसी कर रहे हैं। आदर्श कुटुंबम में वेंकटेश के अलावा केजीएफ फिल्म फेम अदाकारा श्रीनिधी शेट्टी भी अहम भूमिका में मौजूद हैं।

टीवी मसाला

लाफ्टर शेफ के तीसरे सीजन के विनर रहे अली और जन्नत

नई दिल्ली। ओटीटी पर छाए रहने वाला शो लाफ्टर शेफ अब खत्म हो चुका है और इसके साथ ही हमारे पास तीसरे सीजन के विनर्स के नाम भी आ चुके हैं और जैसा कि शुरुआत से ही क्लियर था टीवी स्टार्स अली गोनी और जन्नत जुबैर सबसे ज्यादा स्टार्स के साथ शो के विनर रहे। अली गोनी के कॉन्फिडेंस और जन्नत की सीखने की ललक ने उन्हें एक बेस्ट जोड़ी के तौर पर उभारा और उनका यही बॉन्ड उन्हें कई मुश्किल चैलेंजेस में भी मददगार साबित हुआ। ग्रैंड फिनाले का सेलिब्रेशन कुछ और खास हो गया जब रोहित शेट्टी अपने शो 'खतरों के खिलाड़ी' के कंटेस्टेंट्स के साथ इस शो के सेट पर पहुंचे। इसके कई क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शो में विनर बनने को लेकर जब जन्नत से बात की गई तो उन्होंने कहा, लाफ्टर शेफ एक यूनीक शो है जहां केवल एक विनर या एक विनिंग टीम नहीं होती। अली और मैंने ट्रॉफी जरूर उठाई है, लेकिन मुझे लगता है कि इस शो से जुड़ा हर एक शख्स विनर है. हमने साथ में बहुत इंजॉय किया है, हंसे हैं, बहुत कुछ सीखा है, साथ होने का अहसास अपने आप में इस सफर को बहुत खास बनाता है। कलर्स पर टेलीकास्ट होने वाला ये शो ओटीटी प्लैटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर काफी हॉट प्रॉपर्टी रहा है।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी में होगा हंगामा

नई दिल्ली। स्टार प्लस से सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी में लीप के ट्विस्ट के बाद नया बवाल होता दिखने वाला है। दरअसल, जब विरानी परिवार दो शादियों की तैयारियों में जुटा है, तभी एक ऐसा चेहरा वापस लौटने वाला है जो सब कुछ बदल सकता है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी में सुवर्णा झा पूरे 18 साल बाद एक बार फिर त्रिप्ती विरानी बनकर लौट रही हैं। त्रिप्ती वही किरदार है जिसने कभी अपने अंदाज, चालाकी और फैसलों से पूरे विरानी परिवार की जिंदगी बदल दी थी। अब उनकी वापसी के साथ एक बार फिर दर्शकों को त्रिप्ती और तुलसी की सबसे यादगार टक्कर देखने को मिलेगी। ऐसे में परिवार के पुराने रिश्ते फिर से कसौटी पर होंगे और कहानी एक नए मोड़ की ओर बढ़ेगी। सुवर्णा झा ने कहा, 18 साल बाद एक बार फिर त्रिप्ती का किरदार निभाना मेरे लिए किसी सपने जैसा है। इस वापसी के साथ जितनी खुशी है, उतनी ही घबराहट भी, क्योंकि दर्शक आज भी मुझे त्रिप्ती के रूप में याद करते हैं, न कि आज की सुवर्णा के रूप में। त्रिप्ती

न सुर, न ताल, फिर भी शादियों की शान है 15 साल पुराना गाना

नई दिल्ली। जब कोई गाना बनता है तो उसके पीछे गायक, गीतकार और संगीतकार का होता है। गीतकार, गाने के बोल लिखता है, संगीतकार धुनें बनाता है और गायक उसे अपनी आवाज में इसे लोगों के दिलों में उतारता है। यूं तो बिना किसी गायक के, कोई गाना बन नहीं सकता है, लेकिन 15 साल पहले यह मुमकिन हुआ था। जी हां, 15 साल पहले एक गाना बना था, जिसमें किसी गायक ने आवाज नहीं दी थी। फिर भी कल्ट गाना आज हर किसी की जुबां पर रहता है। इस गाने को शादी-पार्टी में लूप पर बजाया जाता और कमर लचकाई जाती है। भले ही इस गीत को बने डेढ़ दशक हो गया लेकिन क्रेज खत्म नहीं हुआ।

शादी-पार्टी में खूब बजता है गाना : यह गीत कोई और नहीं, फिल्म देव डी का 'इमोशनल अत्याचार' है। इस गाने को ब्रास बैंड वर्जन में तैयार किया गया था। इस गाने को जिसने गाया था, उन्होंने डर के मारे एक फिक्शनल नाम इस्तेमाल किया था, ताकि लोगों को पता न चल सके कि आवाज के पीछे कौन है।

अनुराग ने दिया था आइडिया : जी हां, उन्होंने खुलासा किया था कि इस गीत को आखिर किसने आवाज दी थी। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गीत को किसी और नहीं ने नहीं, बल्कि गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य और संगीतकार अमित त्रिवेदी ने गाया था। अमित त्रिवेदी ने इस बारे में बताता था- अनुराग कश्यप चाहते थे कि गाना एक खास तरह का हो। यह उनका विजन था। 'इमोशनल अत्याचार' शब्द उन्हीं का था और इसे शादी में बजने वाले ब्रास बैंड स्टाइल में करने का आइडिया भी उन्हीं का था। मैंने बस उनके विजन और प्लान को हकीकत में बदला। जब अमिताभ और मैं यह गाना बना रहे थे तो हमने सोचा कि अनुराग को यह दिखाने के लिए कि हम क्या कर रहे हैं, पहले हम खुद ही यह गाना गाएंगे।

भोजपुरी बवाल से चिन्ना चिन्ना आसई तक
इस वीक ओटीटी पर रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में 'द ओडिसी' का हल्ला है। विजय की 'जन नायकन' (हिंदी में 'जन नेता') भी है। इसके अलावा कई और फिल्मों के विकल्प हैं। वहीं, इस वीक हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' से लेकर बॉलीवुड की 'आवारापन 2' तक रिलीज हो रही हैं। हर तरफ एंटरटेनमेंट के शानदार विकल्प हैं। मगर, सोमवार से शुरू हुए इस नए सप्ताह में ओटीटी पर भी कई खास देखने को मिलेगा।

द लीजेंड ऑफ कर्ण : यह महाभारत के योद्धा कर्ण के जीवन पर बनी एक एनिमेटेड वेब सीरीज है। यह सीरीज 31 जुलाई को दस्तक देगी। 'द लीजेंड ऑफ कर्ण' को रद देवराजन और जीवन जे कांग ने बनाया है। इस सीरीज में महाभारत के वीर योद्धा कर्ण के जन्म, संघर्ष और महान धनुर्धर बनने की गाथा दिखाई जाएगी। पौराणिक विषय पर बनी सीरीज सोनीलीव पर स्ट्रीम होगी।

हार्ट बीट सीजन 3 : चर्चित तमिल मेडिकल ड्रामा वेब सीरीज का तीसरा पार्ट भी इस वीक रिलीज की कतार में है। 'हार्ट बीट सीजन 3' सीरीज 30 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। सीरीज के इस सीजन में रीना 'रीना 2.0' के रूप में नजर आएगी। यह सीजन रीना की जिंदगी और उसके एएम हॉस्पिटल में जाने की कहानी पर आधारित है। इसमें नए इंटर्न, रोमांस और अस्पताल की राजनीति को दिखाया जाएगा।

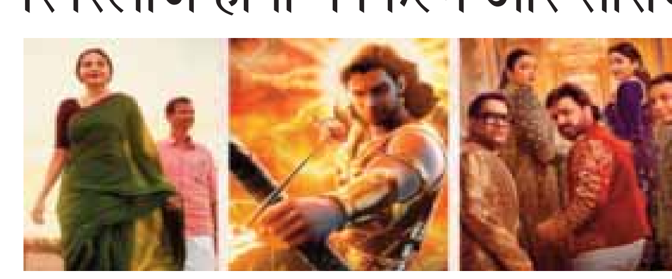

द डेविल वियर्स प्राडा 2 : यह अमेरिकी कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म इस साल मई में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। डेविड फ्रैंकल निर्देशित यह फिल्म 29 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इसमें एनी हैथवे, मेरिल स्ट्रीप, स्टेनली टोक्सी और सिमोन ऐश्ली जैसे सितारे हैं।

चिन्ना चिन्ना आसाई : यह मलयालम ड्रामा फिल्म है। यह 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ओटीटी पर आने वाली है। चिन्ना चिन्ना आसाई 28 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

भोजपुरी बवाल : इस वीक ओटीटी पर बवाल होने जा रहा है। दरअसल, शो 'भोजपुरी बवाल' शुरू हो रहा है। यह नया भोजपुरी रियलिटी एंटरटेनमेंट शो है, जिसमें पवन सिंह, दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे मुख्य कलाकार हैं। शो 2 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

1973 में हुई थी रिलीज, गाने हुए थे काफी पॉपुलर
एक थियेटर में 590 दिन तक चली थी अमिताभ की ये फ्लॉप फिल्म

***नई दिल्ली।** अमिताभ बच्चन और जया बच्चन कुछ गिनती की ही फिल्मों में साथ नजर आए हैं। इनमें गुड्डी, चुपके चुपके, सिलसिला, शोले...कुछ और नाम शामिल हैं। आप कह रहे होंगे ये तो बड़ी ही चर्चित फिल्में रही हैं। इन्हीं में से एक थी अभिमान। ये फिल्म भारत में तो खास नहीं चली, लेकिन इसके गाने काफी पॉपुलर हुए थे। इनमें तेरे मेरे मिलन की ये रैना, पिया बिना बिना जैसे क्लासिक शामिल हैं। 27 जुलाई 1973 को रिलीज हुई इस फिल्म को रिलीज हुए 53 साल हो गए हैं। 53 साल पहले आई ये फिल्म भारत में अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के लिए नुकसान का सौदा साबित हुई थी। क्योंकि, दोनों ने इसमें इन्वेस्टमेंट की थी और रिटर्न के नाम पर नुकसान ही मिला था। इस फिल्म को एएमआईवीए नाम के प्रोडक्शन हाउस तले रिलीज किया गया था। एएमआई मतलब अमिताभ और वीए मतलब जया। जाहिर है इस प्रोजेक्ट से काफी उम्मीदें थीं लेकिन नतीजे वैसे नहीं रहे।*

भारत में फ्लॉप और विदेश में सुपर हिट

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की जोड़ी का करिश्मा भारत में नहीं चल पाया, लेकिन श्रीलंका में हल्ला बोल गया। ये फिल्म वहां बड़ी हिट साबित हुई और आपका जानकर हैरानी होगी कि कोलंबो के एम्पायर सिनेमा में ये फिल्म 590 दिन तक चली थी। इस लंबी पारी से आप वहां अमिताभ बच्चन की फैन फॉलोइंग का अंदाजा लगा सकते हैं। जिस फिल्म को भारत में पसंद नहीं किया गया वह श्रीलंका में दर्शकों की पहली पसंद बनी। इस फिल्म से जुड़ा एक और दिलचस्प फैक्ट ये है कि पहले इसे 'राग रागिनी' नाम दिया रहा था, लेकिन बाद में अभिमान ही फाइनल किया गया।

किशोर कुमार की जिंदगी से इंस्पायर्ड थी फिल्म!

फिल्म मेकर ऋषिकेश मुखर्जी ने एक बार कहा था कि ये फिल्म किशोर कुमार और उनकी पत्नी रूमा गुहा ठाकुर्ता के टूटते रिश्ते से प्रेरित थी। इसके अलावा इस फिल्म को 'ए स्टार इज बॉर्न' का रीमेक भी बताया जाता है। बता दें जिस वक्त इस फिल्म की शूटिंग शुरू हुई उस वक्त जया भादुड़ी टॉप एक्ट्रेस हुआ करती थीं और जबतक फिल्म पूरी हुई अमिताभ बच्चन

उपभोक्ता आयोग का अहम फैसला

कैंसर के कारण शादी की बुकिंग रद्द, होटल को लौटानी होगी 3.5 लाख एडवांस राशि

जबलपुर। परिवार में गंभीर बीमारी के कारण विवाह समारोह की बुकिंग रद्द होने पर एडवांस राशि न लौटाना होटल प्रबंधन को भारी पड़ गया है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमांक-2 के अध्यक्ष पंकज यादव एवं सदस्य अमित सिंह तिवारी व सोनल पंडित ने इसे होटल प्रबंधन की सेवा में कमी माना। कोर्ट ने उपभोक्ता के पक्ष में अहम फैसला सुनाया है। आयोग ने नागपुर रोड स्थित होटल शॉन एलिजे को परिवादी की 3,50,000 रु की अग्रिम राशि 6% वार्षिक ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है।

यह है मामला

न्यू शोभापुर निवासी संजय कुमार शांडिल्य और हरीश चंद्र झा ने अपने बच्चों के 25 नवंबर 2023 को होने वाले विवाह समारोह के लिए नागपुर रोड स्थित होटल शॉन एलिजे में कुल 3,50,000 की एडवांस राशि जमा की थी। अधिवक्ता अरुण जैन ने कोर्ट को बताया कि समारोह से ठीक पहले परिवादी हरीश चंद्र झा को कैंसर की गंभीर बीमारी का पता चला और उन्हें इलाज के लिए नागपुर के अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण परिवादियों ने एक माह पूर्व होटल प्रबंधन को कार्यक्रम रद्द होने की सूचना दी और एडवांस राशि वापस मांगी। लेकिन होटल प्रबंधन ने कैंसिलेशन पॉलिसी का हवाला देते हुए रिफंड देने से मना कर दिया। कहा कि यह राशि भविष्य में किसी अन्य फंक्शन के बिल में ही एडजस्ट होगी।

उपभोक्ता आयोग की तल्ख टिप्पणी

मामले की सुनवाई के बाद आयोग ने स्पष्ट किया कि होटल की तरफ से कोई अंतिम कोटेशन या फाइनल बुकिंग एग्रीमेंट तैयार नहीं हुआ था। मरीज का कैंसर से पीड़ित होना एक ऐसी विषम स्थिति थी जो परिवार के नियंत्रण से बाहर थी। ऐसी स्थिति में एडवांस राशि जब्त करना अनुचित है।

आयोग ने निर्देश दिया कि होटल संचालक परिवादी को 2,00,000 की राशि 07 मार्च 2023 से और 1,50,000 की राशि 01 अक्टूबर 2023 से भुगतान तिथि तक 6% ब्याज सहित लौटाई जाए। 5,000 मानसिक क्षतिपूर्ति और 2,00,000 परिवाद व्यय के रूप में दिए जाएं। समस्त भुगतान आदेश जारी होने के 45 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा।

रेलवे बोर्ड के महानिदेशक ने किया जबलपुर रेल मंडल का संरक्षा निरीक्षण

जबलपुर। रेल संचालन में सुरक्षा मानकों को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड के महानिदेशक (संरक्षा) हितेंद्र मल्होत्रा ने सोमवार को पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल का उच्चस्तरीय संरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यकारी निदेशक संरक्षा (सिविल) राहुल श्रीवास्तव तथा पश्चिम मध्य रेल के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी मनोज गुरुमुखी भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा, अपर मंडल रेल प्रबंधक दिनेश कुमार कलामे, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी अमित कुमार साहनी सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण दल का साथ दिया। उच्चस्तरीय टीम ने सबसे पहले क्रू लॉबी का निरीक्षण कर लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर की कार्यप्रणाली, ड्यूटी से पूर्व अनिवार्य ब्रेथ एनालाइजर जांच तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके बाद रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) में सिग्नलिंग प्रणाली और संरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई।निरीक्षण के दौरान कोचिंग डिपो में यात्री कोचों के तकनीकी रखरखाव, स्वच्छता और ब्रेक सिस्टम की जांच की गई। वहीं पीडब्ल्यूआई डिपो में ट्रैक रखरखाव के लिए उपलब्ध उपकरणों और सुरक्षा संसाधनों का मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा जबलपुर रेलवे यार्ड में शंटिंग व्यवस्था, यार्ड संचालन और रेल पटरियों का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रेल कर्मचारियों से संवाद करते हुए सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

-'नशे से दूरी, है ज़रूरी 2.0' अभियान के तहत मैहर यात्रा को मंत्री राकेश सिंह ने दिखाई हरी झंडी, 50 लोगों ने ली जिंदगीभर नशा छोड़ने की शपथ

नशे से मुक्ति पर एक व्यक्ति नहीं, पूरा परिवार बदलता है

हरि भूमि, जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन के "नशे से दूरी, है ज़रूरी 2.0" अभियान के तहत सोमवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, रामपुर छापर (गोरखपुर) में आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम सामाजिक बदलाव का सशक्त संदेश बनकर सामने आया। मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में नशे की लत से बाहर आए 50 लोगों ने जीवनभर नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि नशे से मुक्ति केवल एक व्यक्ति का परिवर्तन नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन के संयुक्त प्रयास युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कलेक्टर और पुलिस कप्तान ने दिया सख्त संदेश

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन युवाओं को नशे से दूर रखकर स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत है। वहीं पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि जबलपुर पुलिस नशे के विरुद्ध "जीरो टॉलरेंस" की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि "नशे से दूरी, है ज़रूरी 2.0" अभियान का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक चेतना का निर्माण करना भी है।

50 संकल्पवीरों को मैहर यात्रा का उपहार

कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक क्षण तब आया जब नशा छोड़ चुके 50 प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए उन्हें माँ शारदा धाम, मैहर की आध्यात्मिक यात्रा पर भेजा गया। मंत्री राकेश सिंह, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा छोड़ने वालों को धार्मिक यात्रा के माध्यम से सम्मानित करने की यह मध्यप्रदेश की अभिनव पहल है, जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा और अन्य लोग भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी नशामुक्ति का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एएसपी जोन-2 पल्लवी शुक्ला, सीएसपी गोरखपुर एमडी नागोतिया, डीएसपी यातायात वैजनाथ प्रजापति, टीआई गोरखपुर नितिन कमल, चौकी प्रभारी रामपुर महेंद्र जाटव, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नशामुक्त समाज के लिए जनआंदोलन का संदेश

15 से 30 जुलाई 2026 तक प्रदेशभर में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान का उद्देश्य युवाओं और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशा छोड़ चुके लोगों को सम्मानपूर्वक मुख्यधारा से जोड़ना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों को नशे के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए सभी को नशामुक्त जीवन की शपथ दिलाई गई।

गुरंदी बाजार में दो सांडों की लड़ाई में महिला गंभीर

आवारा मवेशियों का आतंक और हाका गैंग सो रही

जबलपुर। स्मार्ट सिटी बनने का दावा करने वाले जबलपुर में आवारा मवेशियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार दोपहर गुरंदी बाजार में दो सांडों की खूनी भिड़ंत ने पूरे बाजार में भगदड़ मचा दी। जान बचाने के लिए लोग दुकानों में घुस गए, लेकिन इस अफरातफरी के बीच एक महिला सांडों की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद एक बार फिर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर करीब दो बजे गुरंदी बाजार में अचानक दो सांड आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों सड़क पर दौड़ने लगे, जिससे बाजार में अफरातफरी मच गई। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी कमलाबाई उनकी चपेट में आ गईं। महिला के पेट, पीठ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय दुकानदारों ने पानी डालकर और काफी मशक्कत के बाद दोनों सांडों को वहां से भगाया। घायल महिला को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पूरा शहर बना आवारा मवेशियों का अड्डा

यह कोई पहली घटना नहीं है। शहर के गुरंदी बाजार, सब्जी मंडी, पड़ाव, गल्ला मंडी, गढ़ा फाटक क्षेत्र, सिविक सेंटर, मालवीय चौक सहित कई प्रमुख बाजारों और व्यस्त सड़कों पर रोजाना आवारा सांड और गायों का जमावड़ा लगा रहता है। कई बार ये मवेशी सड़क के बीच बैठ जाते हैं, जिससे जाम लगता है, वहीं कई बार आपस में लड़ते हुए राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित होते हैं।

नगर निगम के दावे हवा-हवाई

नगर निगम समय-समय पर आवारा मवेशियों को पकड़ने और शहर को पशु मुक्त बनाने के दावे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। शहर के लगभग हर प्रमुख चौराहे और बाजार में आवारा मवेशी खुलेआम घूमते दिखाई देते हैं। न तो इनके मालिकों पर प्रभावी कार्रवाई होती है और न ही इन्हें स्थायी रूप से सड़कों से हटाने की कोई ठोस व्यवस्था नजर आती है।

किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब तक कोई बड़ी जनहानि नहीं होगी, तब तक प्रशासन शायद गंभीर नहीं होगा। रोजाना हजारों लोग इन बाजारों और सड़कों से गुजरते हैं, लेकिन आवारा पशुओं के कारण हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। हाका गैंग सो रही हैं। अब सवाल यह है कि क्या नगर निगम किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है, या फिर शहरवासियों को आवारा मवेशियों के आतंक से निजात दिलाने के लिए ठोस और स्थायी कार्रवाई की जाएगी? जब तक इसका जवाब नहीं मिलता, तब तक जबलपुर की सड़कों पर लोगों की जान यूं ही खतरे में बनी रहेगी।

तीन प्रमुख प्रस्तावों को मिली मंजूरी

महापौर व विधायक रोहाणी ने की केन्ट क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', केन्ट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों और जनसेवा योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में विधायक रोहाणी द्वारा प्रस्तावित तीन प्रमुख विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। विधायक ने शहर में तेजी से हो रहे विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना करते हुए विकास की गति बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रीष्मकाल में बेहतर जलापूर्ति व्यवस्था के लिए नगर निगम की प्रशंसा की तथा संभावित अल्पवर्षा की स्थिति में वैकल्पिक जलापूर्ति व्यवस्था पर भी चर्चा की। बैठक में एमआईसी सदस्य दामोदर सोनी, पार्षद अनुराग दाहिया, निशांत झारिया, श्रीमती संतोषी ठाकुर, श्रीमती सावित्री शाह गोंड सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शातिर बदमाश लकी पटेल एनएसए में गिरफ्तार

जबलपुर। लार्डगंज थाना क्षेत्र के कुख्यात बदमाश लकी पटेल को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल जबलपुर भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के प्रतिवेदन पर जिला दंडाधिकारी राघवेंद्र सिंह ने उसके खिलाफ एनएसए का वारंट जारी किया था।पुलिस के अनुसार लकी पटेल पर वर्ष 2019 से अब तक हत्या के प्रयास, अवैध वसूली, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित कुल 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी सोशल मीडिया पर चाकू और पिस्टल के साथ रील बनाकर भी दहशत फैलाता था।लार्डगंज थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने आरोपी को एनएसए वारंट में गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल में निरुद्ध कराया।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों पर हमले के विरोध में एसपी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि, जबलपुर। बेलबाग थाना अंतर्गत गौतम पेट्रोल पंप भानतलैया (घमापुर) पर कर्मचारियों पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सोमवार को जबलपुर पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि 25 जुलाई की रात करीब 12:30 बजे गौतम पेट्रोल पंप के मैनेजर और पंप अटेंडेंट पर साहिल सोनकर और लखी सोनकर ने चाकू से हमला किया तथा जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। आरोप है कि अगले दिन भी आरोपियों ने पेट्रोल पंप के अन्य कर्मचारियों को धमकाया, जिससे कर्मचारियों में भय का माहौल बना हुआ है।

- आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग, दोबारा घटना होने पर पेट्रोल पंप बंद करने की चेतावनी

जबलपुर पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने इस घटना पर गहरा आक्रोश और चिंता व्यक्त करते हुए एसपी से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति होती है और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तो शहर के सभी पेट्रोल पंप संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन ने पुलिस प्रशासन से पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की।

कृषि योजनाओं की जमीनी मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश

किसानों को समय पर मिले खाद-बीज

जबलपुर। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने कृषि उत्पादन आयुक्त बैठक के कार्रवाई बिंदुओं की समीक्षा करते हुए कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों को योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग और फील्ड पर जाकर उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक, बीज और कीटनाशकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन जिलों में खाद वितरण की गति धीमी है, वहां ई-विकास प्रणाली के माध्यम से शत-प्रतिशत वितरण कराया जाए तथा किसानों को एनपीके उर्वरक के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ ही पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के तहत सिंचाई उपकरणों पर सब्सिडी के लक्ष्य समय पर पूरे करने और सहकारी समितियों के जरिए अल्पकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।बैठक में कृषि उपज मंडियों में किसानों के प्रवेश से निकास तक की प्रक्रिया को सरल बनाने, मंडियों में क्लीनिंग, ग्रेडिंग और पैकेजिंग जैसी सुविधाएं विकसित कर उन्हें आदर्श मंडी के रूप में तैयार करने के निर्देश दिए गए। उद्यानिकी विभाग को मल्टी-क्रॉपिंग मॉडल अपनाकर उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाने, इंटीग्रेटेड पैक हाउस और कोल्ड स्टोरेज जैसी संरचनाएं विकसित करने तथा मखाना विकास योजना के लक्ष्य समय पर पूरे करने के लिए कहा गया। सहकारिता, पशुपालन और मत्स्य विभाग को भी निर्धारित लक्ष्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के सामने डटे विधायक

बरसात में बेदखली पर सियासत गर्म

जबलपुर। शताब्दीपुरम में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सोमवार को उस समय विवादों में घिर गई, जब जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) और नगर निगम की संयुक्त टीम के सामने उत्तर-मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक अभिलाष पांडे समर्थकों के साथ पहुंच गए। कार्रवाई का विरोध करते हुए विधायक ने प्रशासन पर गरीब परिवारों के साथ संवेदनहीनता का आरोप लगाया, वहीं स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। महिलाओं ने बारिश के बीच बेघर किए जाने पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन से जवाब मांगा।मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि बरसात के मौसम में बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए मकान तोड़ना अमानवीय है। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

प्रभावित को जेडीए कार्यालय में ठहराऊंगा

विधायक अभिलाष पांडे ने अधिकारियों से तीखी बहस करते हुए कहा कि यदि बारिश के बीच करीब 200 परिवारों को बेघर किया गया तो वे सभी प्रभावित लोगों को जबलपुर विकास प्राधिकरण के कार्यालय ले जाकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के कक्ष में ठहराएंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब गर्मी और सर्दी के मौसम में प्रशासन ने कोई पहल नहीं की, तो फिर बरसात के बीच ही कार्रवाई की जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि होने के नाते वे प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं और गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे।

"बारिश में छोटे बच्चों को लेकर कहां जाएं?

कार्रवाई से प्रभावित महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि अचानक मकान तोड़ दिए गए और रहने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने सवाल किया कि बारिश के इस मौसम में छोटे-छोटे बच्चों और परिवार के साथ आखिर वे किसके दरवाजे जाएं। स्थानीय लोगों ने भी मांग की, कि अतिक्रमण हटाने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए थी।

प्रशासन बोला—हाईकोर्ट के आदेश का हो रहा पालन

दूसरी ओर जबलपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक कुमार वैद्य ने स्पष्ट किया कि संबंधित भूमि वर्ष 2016 में विधिवत एक शिक्षा समिति को आवंटित की जा चुकी थी। इस जमीन पर कब्जा करने वालों को लंबे समय से नोटिस जारी किए जा रहे थे, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। मामला उच्च न्यायालय पहुंचने के बाद अदालत ने भूमि खाली कराने के निर्देश दिए, जिसके पालन में यह कार्रवाई की गई।जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने भी कहा कि पूरी कार्रवाई जिला प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है। उनका कहना था कि प्रशासन केवल न्यायालय के आदेशों का पालन कर रहा है और इसमें किसी प्रकार की मनमानी नहीं की गई।

जीव के माया रूपी आवरण का हरण ही चीरहरण लीला-ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन रासलीला, चीरहरण और रुक्मिणी विवाह के आध्यात्मिक रहस्यों का किया भावपूर्ण निरूपण

हरिभूमि, जबलपुर। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मढ़ाताल में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के छठवें दिवस पर पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने श्रीकृष्ण की चीरहरण लीला, महारास, कंस वध तथा श्री रुक्मिणी विवाह के गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, समर्पण और आत्मबोध का संदेश दिया।

कथाव्यास ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने कहा कि चीरहरण लीला का वास्तविक अर्थ जीव के ऊपर पड़े माया रूपी आवरण का हरण है। जब तक जीव माया, अहंकार, आसक्ति और सांसारिक बंधनों से मुक्त नहीं होता, तब तक वह भगवान के दिव्य लीलाओं में प्रवेश करने का अधिकारी नहीं बन सकता। भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के माध्यम से समस्त जीवों को यह संदेश दिया कि माया के आवरण से मुक्त होकर ही परमात्मा की प्राप्ति संभव है।

सत्संग का फल है रुक्मिणी विवाह-

श्री रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि जीव की उपासना की फलश्रुति ही श्री रुक्मिणी विवाह है। रुक्मिणी जी ने सत्संग में भगवान श्रीकृष्ण की महिमा सुनकर उन्हें ही अपना सर्वस्व मान लिया और विवाह का दृढ़ संकल्प किया। यह उनके माता-पिता द्वारा दिए गए श्रेष्ठ संस्कारों और सत्संग की महिमा का परिणाम था। उन्होंने कहा कि मनुष्य जैसा भाव भगवान के प्रति रखता है, भगवान उसी के अनुरूप उसकी साधना को सफल कर फल प्रदान करते हैं। इस अवसर पर ब्रह्मचारी सुबोधनंद जी ने भी श्रीमद्भागवत के आध्यात्मिक संदेशों पर अपने विचार व्यक्त किए।

यह रहे उपस्थित

कथा में राजेंद्र शास्त्री, महापौर जगत बहादुर सिंह, विधायक नीरज सिंह, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, घनश्याम मिश्रा, मनीष पांडे, महेश पुरस्वानी, वर्षा साहू, रिचा मिश्रा, प्रीति गोविंदा साहू, आशीष आराधना चौकसे, सुनील गुप्ता, शिव गुप्ता, आयुष गुप्ता, विवेक सुहाने, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य ,राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

रासलीला काम विजय की दिव्य लीला

महाराज श्री ने कहा कि रासलीला किसी सांसारिक भाव का प्रतीक नहीं, बल्कि काम पर विजय प्राप्त करने की दिव्य लीला है। भगवान श्रीकृष्ण की वंशी स्वयं भगवान शिव का स्वरूप है, जो जीवात्मा को परमात्मा की ओर आकर्षित करती है। गोपियों का प्रेम पूर्ण समर्पण और निष्काम भक्ति का सर्वोच्च उदाहरण है, जहाँ उनका सर्वस्व केवल भगवान श्रीकृष्ण ही हैं।

अहंकार का अंत ही कंस वध

कथा के दौरान ब्रह्मचारी जी ने कहा कि श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बसे अहंकार, क्रोध और दुराभिमान के विनाश का प्रतीक है। जब जीवन से अहंकार समाप्त होता है, तभी ईश्वर की कृपा का वास्तविक अनुभव होता है और आत्मिक शांति प्राप्त होती है।

'पचेली काव्य वीथिका' का लोकार्पण पचेली भाषा के संरक्षण का लिया संकल्प

सिहोरा।

साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति, सिहोरा के तत्वावधान में पचेली साहित्य को समर्पित भव्य आयोजन आयोजित किया गया, जिसमें 'पचेली काव्य वीथिका' एवं मुख्य अतिथि डॉ. कौशल दुबे की पचेली काव्य कृति 'बाबा हरें बतात ते' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक ने की तथा मुख्य अतिथि डॉ. कौशल दुबे एवं विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह ठाकुर, कटनी रहे। 'पचेली काव्य वीथिका' का संपादन विजय बागरी 'विजय', सहसंपादन मदन पेंटर तथा प्रकाशन में राजेंद्र सिंह ठाकुर का विशेष योगदान रहा। अध्यक्ष अश्वनी कुमार पाठक ने कृति की समीक्षा करते हुए, इसे पचेली भाषा के संरक्षण, संवर्धन और साहित्यिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। काव्य गोष्ठी में अनेक साहित्यकारों ने पचेली भाषा में अपनी रचनाओं का प्रभावपूर्ण पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। आयोजन में डॉ. श्रीकृष्ण तिवारी, सुरेश मिश्र 'विचित्र', डॉ. उदय भानु तिवारी 'मधुकर', नारायण तिवारी, प्रमोद दाहिया, मुकेश त्रिपाठी, प्रकाश सिंह ठाकुर, इंद्र सिंह राजपूत, डॉ. अरुणा पाण्डेय, सुशील शर्मा, के.एल. हल्दकार, सुशील जैन, लखन लाल रजक, बालमुकुंद लखेरा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर एडवोकेट रमेश पटेल एवं शिक्षक भूपलाल सोनी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

अवैध परिवहन करते 35 क्विंटल गुड़ जप्त

सिहोरा। मंडी बोर्ड, आंचलिक कार्यालय के निर्देशन में तथा भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति सिहोरा एवं मंडी सचिव श्रीमती सविता धुर्वे के मार्गदर्शन में कृषि उपज मंडी समिति सिहोरा के स्थानीय उड़नदस्ता दल द्वारा मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 23 के अंतर्गत सतत निरीक्षण एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मंडी अधिनियम,1972 की धारा 19(6) का उल्लंघन पाए जाने पर धारा 19(4) के अंतर्गत वाहन क्रमांक MP49ZH7719 से गुड़ 35 क्विंटल अवैध पाया गया जिसमें 5 गुना मंडी शुल्क 11287 एंव प्रशमन शुल्क 5000 कुल जमा राशि 16287 रुपये उक्त कार्यवाही स्थानीय उड़नदस्ता दल के सहायक वर्ग 3 नरेन्द्र गर्ग द्वारा संपादित की गई।

गौ की सुरक्षा सम्मान के लिए रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

सिहोरा। संपूर्ण भारत में चल रहे गौ सम्मान अभियान के तहत आज सिहोरा में गौ की सुरक्षा और सम्मान के लिए केन्द्रीय स्तर पर कड़ा कानून बनाने.गौमाता को राष्ट्र माता / राष्ट्र आराध्या या राष्ट्र धरोहर का सम्मान देने,केन्द्रीय गौ सेवा मंत्रालय व गोचर बोर्ड आदि की मांग को लेकर विशाल रैली निकालकर भारत के राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया रैली में राकेश पहारिया बाबाजी,अरुण जैन, राकेश मालवीय,अनिल जैन,संतोष वर्मा,दिनेश गुप्ता, नितेश खरया,रवि गोपाल चौरसिया,द्वारिका मिश्रा,अशोक शर्मा,नितिन पहारिया,शिव चरण दाहिया,कालूराम चौरसिया,संजय जैन, जितेन्द्र श्रीवास,रवि सेठ,श्यामू चौरसिया, तीरथ ठाकुर सहित बड़ी संख्या में सहित राडी संख्या में गौ भक्त सम्मिलित हुए।

जनेकृविवि ने किसानों को दिया वृक्ष जनित तिलहन उत्पादन का प्रशिक्षण

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जनेकृविवि) के वानिकी विभाग द्वारा राज्य योजना परियोजना (TBOS) के अंतर्गत वारासिवनी तहसील के ग्राम दैतबर्रा में किसानों के लिए एक दिवसीय वृक्ष जनित तिलहन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अजय खरे के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सोमनाथ सरवदे, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. शैलेंद्र भालावे, डॉ. ऋषिकेश ठाकुर और डॉ. एस.के. राय ने महुआ, नीम, कुसुम एवं करंज जैसे वृक्ष जनित तिलहनी पौधों की उन्नत उत्पादन तकनीक, बीज संग्रहण, तेल एवं जैविक खाद निर्माण की जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने हरी खाद, वर्मी कम्पोस्ट, मेड़ों पर वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी किसानों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण में 30 किसानों ने भाग लेकर आधुनिक तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अनिल कुमार कोरी एवं आकाश शुक्ला का विशेष सहयोग रहा।

ठेकेदारों से अवैध वसूली के आरोप में कार्यपालन अभियंता शरद बिसेन का तबादला, विभागीय जांच शुरू

जबलपुर।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत कार्रवाई करते हुए कार्यपालन अभियंता (शहर) शरद बिसेन का छिंदवाड़ा से स्थानांतरण कर कार्यपालन अभियंता (प्रवर्तन), छतरपुर पदस्थ किया है।

कंपनी प्रबंधन ने 24 जुलाई 2026 को उनके विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए आरोप-पत्र भी जारी किया है। आरोप है कि उन्होंने ठेकेदारों से बिल भुगतान एवं अन्य कार्यों के एवज में अवैध धनराशि की मांग की तथा पद का दुरुपयोग कर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियमों का उल्लंघन किया।

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के प्रति नरमी नहीं बरती जाएगी तथा दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उमरा यात्रा पर रवाना हुए सूफी रज़ा कादरी

जबलपुर। पी.एस.एम. मस्जिद, दरीखाना के पेश इमाम एवं छोटी ओमती निवासी सूफ़ी रज़ा कादरी पवित्र उमरा यात्रा के लिए गरीब रथ एक्सप्रेस से रवाना हुए। इस अवसर पर मस्जिद कमेटी एवं अकीदतमंदों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर, इत्र लगाकर और मिठाई खिलाकर भावभीनी रुख़्सती दी तथा उनकी सकुशल यात्रा और उमरा की कबूलियत के लिए दुआ की। कार्यक्रम में मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष नज़र अली, एडवोकेट मंजूर खान, नईम खान, एडवोकेट हाजी अब्दुल कय्यूम, मुईन रज़ा, जावेद भाई, कादिर भाई, कलीम भाई एवं सोनू भाई सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद उपस्थित रहे। सभी ने सूफ़ी रज़ा कादरी से मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ करने का अनुरोध किया।

जीआरपी जबलपुर की मानवीय पहल

ऑपरेशन 'हमदर्द' के तहत भटकी युवती को परिजनों से मिलाया

जबलपुर। अति. पुलिस महानिदेशक रेल के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन "हमदर्द" के तहत जीआरपी जबलपुर ने सराहनीय मानवीय पहल करते हुए घर से भटककर जबलपुर स्टेशन पहुंची सोनाली कुमारी (18), पिता राम पुकार शाह, निवासी ग्राम आसंदी महुआ, थाना कुचायकोट, जिला गोपालगंज (बिहार) को सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया। युवती को शक्ति सदन, पुलिस लाइन जबलपुर में सुरक्षित रखा गया। परिजनों की पतासाजी कर सूचना देने पर उसकी माता सूजी देवी एवं पिता राम पुकार शाह थाना जीआरपी जबलपुर पहुंचे। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद युवती को उनके सुपुर्द कर दिया गया। पुत्री को सकुशल पाकर परिजनों ने जीआरपी जबलपुर का आभार व्यक्त किया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक संजीवनी राजपूत, प्रधान आरक्षक धीरेंद्र एवं महिला आरक्षक आकृति मिश्रा की विशेष भूमिका रही।

भाव-विभोर माहौल में अपने धाम लौटे भगवान जगन्नाथ, विदाई में नम हुईं श्रद्धालुओं की आंखें

जबलपुर। श्री जगदीश गणेश मंदिर लोक न्यास, गढ़ाफाटक के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की 259वीं ऐतिहासिक रथ यात्रा का समापन भक्तिमय वातावरण में हुआ। श्रीक्षेत्र पुरी की परंपरा के अनुसार मौसी मंदिर हनुमान अखाड़ा में दस दिवसीय प्रवास के बाद भगवान भव्य शोभायात्रा के साथ अपने निज धाम श्री जगदीश मंदिर लौटे। मार्ग में चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालीपुरम के संकीर्तन, ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और "जय जगन्नाथ" के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रभु की विदाई के दौरान अनेक श्रद्धालु भावुक हो उठे और उनकी आंखें नम हो गईं। मंदिर पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं महाआरती के साथ भगवान का स्वागत किया गया तथा विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में लोक न्यास के प्रबंध न्यासी अधिवक्ता लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल, राजकुमार साहू, मोहित तिवारी, पं. मनमोहन दुबे, देवेंद्र नेमा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने की सफाई, सीवर, स्वनिधि और राजस्व वसूली की समीक्षा

जबलपुर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और पूरी तरह गार्बेज फ्री सिटी बनाने के उद्देश्य से निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने नगर निगम के विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अमृत फेस-1 सीवर योजना, डुमना नेचर पार्क में पौधारोपण, पीएम स्वनिधि योजना एवं राजस्व वसूली अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को प्रतिदिन सुबह भ्रमण कर सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों से कचरा तथा सी एंड डी वेस्ट तत्काल हटाने के निर्देश दिए। राजस्व वसूली अभियान में तेजी लाने के लिए निगमायुक्त ने प्रत्येक कर्मचारी को प्रतिदिन 50 हजार रुपये वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया तथा संभागीय

अधिकारियों को इसकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन राजस्व कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए उन्हें स्मार्ट टैब एवं स्मार्ट वॉच प्रदान की गई। निगमायुक्त ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड के साथ अन्य सुविधाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

हवाबाग महाविद्यालय में बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के लिए आशीर्वचन एवं विदाई समारोह आयोजित

जबलपुर। अशासकीय हवाबाग महाविद्यालय के शिक्षा विभाग में बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के लिए आशीर्वचन एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रबंधक एल.सी. सिलास एवं प्राचार्य डॉ. शाहेवर सैयद ने प्रशिक्षार्थियों को आदर्श शिक्षक बनकर समर्पण, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सेवा-भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी। विभागाध्यक्ष डॉ. आशा श्रीवास्तव ने बी.एड. प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षण को सेवा का माध्यम बनाने का संदेश दिया।

समारोह में प्रतिभा तिवारी को 'सर्वश्रेष्ठ छात्रा' तथा साधना गौंड को 'कर्मठ छात्रा' सम्मान से सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट शिक्षण मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता सिन्हा एवं सुश्री रुचि केसरवानी के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का सराहनीय सहयोग रहा।

श्रीमती गोमती बाई सोनी- आजाद चौक कटनी निवासी श्री बृज भूषण सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती गोमती बाई सोनी (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू कोरी- आजाद चौक गोरखपुर कोरी मोहल्ला निवासी श्री राजू कोरी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अरूण कुमार वैश्य- अंडर ब्रिज रोड मदनमहल निवासी श्री अरूण कुमार वैश्य (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अरूणा यादव- उडिय़ा मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री शिव मंगल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती अरूणा यादव (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

कु. नंदनी भारिया- गौरीघाट ललपुर रोड नई बस्ती निवासी श्री मुन्ना लाल भारिया की पुत्री कु. नंदनी भारिया (17) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजय तिवारी- रामकृष्ण कॉलोनी बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री अजय तिवारी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राधिका राय- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री गोरखनाथ राय की धर्मपत्नी श्रीमती राधिका राय (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सावित्री बाई ठाकुर- नारायण चौक द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री राम सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री बाई ठाकुर (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राजाराम ठाकुर- छोटा फुहारा के पास निवासी श्री राजाराम ठाकुर (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला बाई बिरहा- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री जयराम बिरहा की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई बिरहा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी किशनानी- आम्रपाली ड्यूप्लेक्स नेपियर टाउन निवासी श्री श्रीचंद किशनानी की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी किशनानी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रूप लाल- फेस वन तिलहरी मंडला रोड निवासी श्री रूप लाल (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जबलपुर। ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महाससभा, जबलपुर के समस्त प्रकोष्ठों की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह डिसिल्वा स्कूल, बल्देवबाग चौराहा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. अशोक मिश्रा 'बप्पा महाराज', अध्यक्षता पं. मुन्नालाल दुबे तथा विशिष्ट अतिथि एडवोकेट पं. मनीष मिश्रा एवं डॉ. अरुण मिश्रा रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पं. शिवगणेश गौतम ने कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। संस्थापक पं. वीरेन्द्र तिवारी एवं श्रीमती कीर्ति/अभिलाष पांडे की उपस्थिति में नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने संगठन की एकता, समाज सेवा और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प दोहराया। समारोह में महासचिव दिलीप दुबे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, विप्र बंधु एवं महिला प्रकोष्ठ की सदस्याएं उपस्थित रहीं। संचालन पं. दिलीप दुबे तथा आभार प्रदर्शन पं. वीरेन्द्र तिवारी ने किया।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर कांग्रेस का विजय मार्च

राहुल गांधी के नेतृत्व को बताया संघर्ष की जीत

जबलपुर। छात्रों की मांगों के समर्थन में केंद्र के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को ऐतिहासिक जीत बताते हुए शहर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने अध्यक्ष अशरफ मंसूरी के नेतृत्व में घंटाघर से टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक विजय मार्च निकाला। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह सफलता छात्रों के संघर्ष और राहुल गांधी के नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने इसे संविधान, लोकतंत्र और युवाओं के अधिकारों की जीत बताया। मार्च में पूर्व मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, कदीर सोनी, अमीन कुरैशी, अनुराग जैन गढ़वाल, आशिफ इक़बाल, सिद्धार्थ जैन, अकबर खान, शमीम अंसारी, ताहिर खोखर, टीटू जग्गी, रिज़वान कोटी, मजहर उस्मानी, तौसीफ चंकी, मुख्तार अली, यावर चौधरी, लतीफ अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नागरिक मौजूद रहे।

भारतीय स्टेट बैंक की शोध रिपोर्ट इकोरैप ने जताया अनुमान

आरबीआई की रियायती अदला-बदली सुविधा से मिल सकता है 85 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती अदला-बदली सुविधा योजना के तहत भारत में 80 से 85 अरब डॉलर तक का निवेश आ सकता है। एक रिपोर्ट में सोमवार को यह अनुमान जताया गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शोध रिपोर्ट 'इकोरैप' के मुताबिक, 17 जुलाई तक इस योजना के तहत आए कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह में विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा का योगदान 17.40 अरब डॉलर रहा।

डॉलर के मजबूत होने से सकारात्मक राहत

वहीं, विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) से 1.97 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक कर्ज (ईसीबी) से 1.34 अरब डॉलर आए। रिपोर्ट के अनुसार, 17 जुलाई तक करीब 20 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह आरबीआई के आंकड़ों में दर्ज हुआ है। यह मुख्य रूप से 17.4 अरब डॉलर के मजबूत एफसीएनआर (बी) जमा के कारण सकारात्मक राहत है।

इस योजना के तहत 17 जुलाई तक 17.40 अरब डॉलर जमा

विदेशी मुद्रा की तरलता बने रहने किए थे उपाय

एफसीएनआर (बी) जमा के लिए यह सुविधा 30 सितंबर, 2026 तक और विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) तथा बाह्य वाणिज्यिक कर्ज (ईसीबी) के लिए 31 दिसंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगी। आरबीआई ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता के बीच देश की बाहरी क्षेत्र की स्थिति मजबूत करने और विदेशी मुद्रा तरलता को समर्थन देने के लिए ये उपाय किए थे।

पीएसयू बैंकों की प्रमुख भूमिका

इस प्रवाह को बढ़ाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत के भुगतान संतुलन को मजबूत करने और विदेशी पूंजी के प्रवाह को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपायों के तहत पांच जून, 2026 को अदला-बदली यानी स्वैप सुविधा शुरू की थी। यह सुविधा आठ जून, 2026 से प्रभावी हुई।

- वहीं, विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) से 1.97 अरब डॉलर रही
- बाह्य वाणिज्यिक कर्ज (ईसीबी) से 1.34 अरब डॉलर आए

वर्ष 2026-27 तक 150 अरब डॉलर को पार कर जाएगा

रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि आरबीआई के इन उपायों के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में पूंजी खाते में अतिरिक्त 75 से 85 अरब डॉलर आएंगे और विदेशों से आने वाला धन (प्रेषण) 150 अरब डॉलर को पार कर जाएगा।

रुपए ने शुरुआत में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी

एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया कि आरबीआई के उपायों की घोषणा के बाद रुपये ने शुरुआत में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, लेकिन अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की उम्मीद कमजोर पड़ने, ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहने और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के सतर्क रुख के कारण इसका असर जल्द समाप्त हो गया।

भारत की डेटा सेंटर क्षमता वर्ष 2030 तक होगी 12 गीगावाट

परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी ने जारी की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग, बड़े पैमाने पर क्लाउड अवसंरचना में निवेश और डिजिटल अर्थव्यवस्था के दम पर भारत की डेटा सेंटर क्षमता वर्ष 2025 के 2.2 गीगावाट से बढ़कर 2030 तक 12 गीगावाट से अधिक होने का अनुमान है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी की रिपोर्ट के अनुसार, एआई के लिए समर्पित डेटा सेंटर क्षमता वर्ष 2025 के 275 मेगावाट से बढ़कर 2030 तक 6,546 मेगावाट होने का अनुमान है। वहीं, डेटा सेंटर की बिजली मांग 2025 के 10 टेरावाट-घंटे (टीडब्ल्यूएच) से बढ़कर 2040 तक 191 टेरावाट-घंटे होने का अनुमान है।वुड मैकेंजी के शोध सहयोगी सौहार्द पाल ने कहा, ''भारत का डेटा सेंटर बाजार दीर्घकालिक निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में उभर रहा है। बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश, एआई आधारित कार्यभार में वृद्धि और पिछले एक दशक के नीतिगत समर्थन ने भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख बाजारों की बराबरी करने की स्थिति में ला खड़ा किया है।

एआई के बढ़ते उपयोग से डेटा सेंटर की बिजली मांग बढ़ने का अनुमान

हर माह 2,200 करोड़ यूपीआई का लेनदेन

देश में 103 करोड़ से अधिक सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं और हर महीने करीब 2,200 करोड़ यूपीआई लेनदेन किए जाते हैं। भारत का घरेलू एआई बाजार वर्ष 2032 तक 11.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि महाराष्ट्र और तमिलनाडु वर्तमान में देश के कुल स्थापित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) भार का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं।

अमेरिका और ईरान के हमले रुकने से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| न्यूयॉर्क

अमेरिका और ईरान द्वारा लगातार दूसरे दिन भी फारस की खाड़ी में कोई सैन्य हमला न किए जाने के बाद कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में रविवार को गिरावट दर्ज की गई और पिछले सप्ताह बने दो महीने के उच्चतम स्तर से तेल के दाम और नीचे आ गए। सितंबर की आपूर्ति वाले ब्रेंट क्रूड की कीमत शुरुआती कारोबार में 4.9 प्रतिशत गिरकर 92.02 डॉलर प्रति बैरल रह गई। इससे पहले शुक्रवार को भी इसमें 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई थी। पिछले सप्ताह ब्रेंट क्रूड की कीमत कुछ समय के लिए 102 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी।यह महीने की शुरुआत की तुलना में लगभग 30 डॉलर अधिक थी और मई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था।

बेंट क्रूड 4.9 प्रतिशत गिरकर 92.02 डॉलर प्रति बैरल

तेल की उपलब्धता कम होने पर बढ़ती हैं कीमतें

पिछले सप्ताह लाल सागर के रास्ते जा रहे सऊदी अरब के तेल टैंकरों पर भी हमले हुए। जब बाजार में तेल की उपलब्धता कम होती है, तो उसकी कीमत बढ़ती है और साथ ही पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधनों के दाम भी बढ़ जाते हैं। मोटर क्लब 'एएए' के अनुसार अमेरिका में रविवार को साधारण तेल की औसत कीमत 4.11 डॉलर प्रति गैलन रही, जो एक महीने पहले 3.90 डॉलर और एक वर्ष पहले 3.15 डॉलर प्रति गैलन थी।

ऊंची कीमतों से सामान हो सकते हैं महंगे

यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो दुनिया भर में ट्रक, जहाज और हवाई मार्ग से भेजे जाने वाले लगभग सभी सामान महंगे हो सकते हैं।

यूरेका फोर्ब्स 2030 तक राजस्व दोगुना करेगा

नई दिल्ली। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता उत्पाद क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी यूरेका फोर्ब्स लिमिटेड का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 2029-30 तक अपने राजस्व को दोगुना करके 5,400-5,600 करोड़ रुपये करने का है। इसके साथ ही कंपनी ने ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय (एबिटा) को तिगुना करके 800-850 करोड़ रुपये करने का इरादा जताया है। कंपनी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। यूरेका फोर्ब्स ने कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 के बाद से वृद्धि को गति देने के लिए नवाचार और बाजार पैठ बढ़ाने पर जोर दे रही है। कंपनी ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि यह वृद्धि आने वाले वर्षों में और मजबूत होगी।

हुडको का मुनाफा 35% बढ़कर 851 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने जून, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 851 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जो सालाना आधार पर 35 प्रतिशत अधिक है। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी ने एक साल पहले की समान अवधि में 630 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। हुडको ने शेयर बाजार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 3,737 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 2,945 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी ने 3,710 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 2,925 करोड़ रुपये थी।

कच्चे तेल के दाम में नरमी से सेंसेक्स 776 अंक चढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुंबई

शेयर बाजार में पिछले पांच दिन से जारी गिरावट सोमवार को थम गयी। पश्चिम एशिया संकट कम होने के साथ कच्चे तेल के दाम में तेज गिरावट से बीएसई सेंसेक्स में 776 अंक की तेजी आई जबकि एनएसई निफ्टी 228 अंक के लाभ में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 776.01 अंक बढ़त के साथ 76,835.78 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 841.74 अंक चढ़कर 76,901.51 अंक तक चला गया था। वहीं, एनएसई निफ्टी 228.50 अंक की तेजी के साथ 23,995.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटर्नल का शेयर सबसे अधिक 5.70 प्रतिशत चढ़ा।

निवेशकों की संपत्ति 5.10 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,892.77 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की। लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक गौरव गर्ग के अनुसार, ''लगातार पांच कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को मजबूती के साथ वापसी की।

कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर म.प्र.

प्रारंभिक अधिसूचना
(देखिये धारा 11)

क्रमांक 1081 /अ.वि.अ./ भू-अर्जन /2026 — नरसिंहपुर, दिनांक 29/06/2026

रा.मा.क्रं. 0013/अ-82/2026-27 मौजा
ग्राम-नरवारा प.ह.नं. 52 नं.ब. - 232 तहसील सांईखेड़ा

चूंकि समुचित सरकार को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 में कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर को नर्मदा नदी पर चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के लिये डूब क्षेत्र हेतु भूमि की आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है।

सर्व संबंधित को यह सूचित किया जाता है कि चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति (एउ कौल्लिॐ३ढ्ढल्ल ठड.- एउ23इ000टढ119529) को राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 30.01.2023 प्रदाय की गई है। भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-6 की उपधारा-2 के अनुसार सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में जहां पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण की प्रक्रिया की तत्समय प्रवत्त किसी अन्य विधि के प्रावधानों के अधीन अपेक्षा की जाती, सामाजिक प्रभाव निर्धारण से संबंधित इस अधिनियम के प्रावधान लागू नही होंगे। अत: भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु निम्नानुसार भूमि का अर्जन किया जाता है :-

अनुसूची-1

1. परियोजना का नाम :चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना
2. भूमि का विवरण
1. जिला : नरसिंहपुर
2. तहसील : सांईखेड़ा
3. ग्राम : नरवारा
4. प.ह.नं. : 52
5. नं.ब. : 232
6. अर्जित भूमि का क्षेत्रफल : 8.179 हे.

अनुसूची 2

स.क्र.	हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता	स्वामित्व का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जन रकबा हे.
1	कमेलश पिता मनोहर सिंह जाति गूजर पता नरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	2/1 2/5 3/3 2/3 4/2 3/4 5 4/1	0.236
2	निकिता सिंह पति देवेन्द्र कुमार पता नरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	2/2 2/4 2/3 3/1-2	
3	सबियाबाई बेवा भावसिंह रमेश पिता भावसिंह जाति धानक पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर	भूमि स्वामी	2/6 8/2 5	
4	सरमन पिता फूलसिंह जाति कीर पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	8/1/1	0.350
5	नरेश पुत्र रामचरण महेश पुत्र रामचरण जाति कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	8/1/2 9/1ख	
6	अर्जुन पिता केवल सिंह पता नरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	8/1/3 9/1ग	
7	रमेश पिता भावसिंह जाति धानक सबियाबाई पति भावसिंह जाति धानक पता नरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	8/2 9/2	
8	रमेश पिता भावसिंह जाति धानक सबियाबाई पति भावसिंह जाति धानक पता नरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	10 11/1 26	0.090 0.004 0.121
9	गिरजाबाई बेवा मूलचंद धानक तुलसीराम हल्कोरी पिता मूलचंद धानक सिक्कोबाई गनेशी बाई पुत्री मूलचंद पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश		11/2	0.010
10	परसराम पिता सरमन पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	12/1 13/1	0.190
11	मनोहरसिंह पिता रघुनाथ पता खकरिया नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	12/2 13/2	
12	रामबिहारी पिता नेपाल सिह पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	14/1/1 15/1/1 14/1/2 15/1ख	0.080
13	राजाभाई पिता जलमसिंह गूजर पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	14/2/1 15/2क	
14	केहरसिंह पिता राधेलाल पता गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	14/2/2 15/2ख	
15	प्रभाबाई पत्नी शिशुपाल सिंह पता गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	14/2/3 15/2ग 15/4	
16	जालमसिंह पिता रामलाल जाति गूजर पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	14/2/4 15/2घ	
17	विशनु पिता नेपालसिंह गूजर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	14/2/5 15/2ड़ 14/2/6 15/2च 14/3 15/3	
18	निकिता सिंह पति देवेन्द्र कुमार पता नरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	6/1	0.089
19	प्रभा ढिमोले पति राजकुमार ढिमोले पता गाडरवारा चिर्रिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	23/1 23/2/2 23/2/1	0.008
20	भागवती बेवा सरदार चंद्रभान पिता सरदार पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	23/3	
21	भागवती बेवा सरदार चंद्रभान पिता सरदार पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	27/3 29/3 27/4 29/4 27/5 29/5	0.280
22	ईश्वर प्रसाद पिता पन्नालाल जाति कीर पता नरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	27/1/1	
23	अनंत सिंह पुत्र मंशाराम पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	27/1/2	
24	बिराजबाई पुत्री शंकरलाल ब्रजमोहन पिता रघुवीर कीर रूकमणी बेवा रघुवीर कीर उमाबाई पार्वती पुत्री रघुवीर कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	27/1/3 29/1ग	
25	उमेश पिता यादव सिंह पता नरवारा कीर खेड़ा सांईखेडा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	27/2/1	
26	प्रभा ढिमोले पति राजकुमार ढिमोले पता गाडरवारा चिर्रिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	27/2/2	
27	हरनारायण पिता शिवप्रसाद पता कीर खेडा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/1	4.180
28	दुलीचंद पिता ईश्वरी प्रसाद जाति कीर पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/2/1	
29	अनतसिह पिता मंशाराम जाति कीर पता कीरखेड़ा नरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/2/2	
30	ब्रजमोहन पिता रघुवीर कीर रूकमणी बेवा रघुवीर कीर उमाबाई पार्वती पुत्री रघुवीर कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/2/3/1	
31	बिराजबाई पुत्री शंकरलाल कीर पता उकरी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/2/3/2	
32	नरेश पिता रामचरण पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/3	
33	गीता बाई पत्नी हरनारायण जाति कीर पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/4	
34	केवल सिंह पिता फूलसिंह पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/5	
35	सरमन पिता फूलसिंह जाति कीर पता कीर खेडा पता नरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/6/1	
36	महेश पिता रामचरण पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	30/6/2	
37	परसराम पिता गनेश जाति कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	31/2	0.885
38	तुलसीराम पिता भूराजी जाति कीर पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	35/1 36/1 37	0.120 0.110 0.008
39	भूरीबाई बेवा गनेश गंगा पुत्री गनेश कमलेश पिता किशन अतरसिंह पिता किशन जमना पुत्री गनेश छोटीबाई बेवा किशन परसराम पिता गनेश जाति कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	35/2 36/3	0.040
40	मनोहर पिता इमरत कीर पता नरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	38/1/1	0.190
41	मदन पिता इमरत कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	38/1/2 38/2/2	0.080 0.120
42	देवकिशन पिता इमरत कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	38/1/3	0.020
43	महेश पिता इमरत कीर पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	38/2/1/1 39	0.008 0.220
44	ममता बाई पत्नी महेश कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	38/2/1/2	0.220
45	गोविंद पिता फुल्ला जाति कीर पता नरवारा सांईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	46/16	0.260
46	श्रीप्रकाश पिता श्री प्रहलाद जाति काबरा पता सुभाष वार्ड गाडरवारा पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	43/1 44/1	0.260
47	गेंदालाल पिता गोविंद कीर पता कीर खेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	43/2/1	
48	आजाद पिता गोविंद कीर पता कीर खेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	44/2/2	
49	कमलाबाई पति दौलत पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	43/3 44/3	
50	गीता बाई पति तरवर जाति कीर पता नरसिहपुर मध्य प्रदेश	भूमि स्वामी	43/4 44/4 43/5 44/5	
				8.179

1. खसरा नंबर - 2/1-2/5-3/3, 2/3-4/2-3/4-5, 4/1, 2/2-2/4-2/3, 3/1-2, 2/6, 4/2 एवं 5 के रिकार्ड दुरूस्ती हेतु न्याया. तहसीलदार साईखेड़ा में प्रकरण क्रमांक 0110/ब-121/2026-27 प्रचलनशील है।
2. खसरा नंबर - 11/2 का रिकार्ड दुरूस्ती हेतु न्याया. तहसीलदार साईखेड़ा में प्रकरण क्रमांक 0108/ब-121/2026-27 प्रचलनशील है।
3. खसरा नंबर- 23/1, 23/2/2, 23/2/1 एवं 23/3 के नक्शा दुरूस्ती हेतु न्याया. तहसीलदार साईखेड़ा में प्रकरण क्रमांक 0118/ब-121/2026-27 प्रचलनशील है।
4. खसरा नंबर - 30/1, 30 /2 / 1, 30 /2/2, 30/2/3/1, 30/2/3/2, 30/3, 30/4, 30 / 5, 30 / 6/1 एवं 30/6/2 के नक्शा दुरूस्ती हेतु न्याया. तहसीलदार साईखेड़ा में प्रकरण क्रमांक 0109/ब- 121/2026-27 प्रचलनशील है।

यह अधिसूचना इससे संबंधित सभी व्यक्तियों के लिये भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा 11 (1) उपबंधों के अधीन जारी की गई है।

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ 16-15 (7) 2014- सात- शा. 2ए भोपाल दिनांक- 29.09.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के पृष्ठ क्रमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है। उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-12 द्वारा दी गई शक्ति का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है।

सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-12 में यथा उपबंधित एवं विनिर्दिष्ट कार्यपालन यंत्री रानी अवंतीबाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर और उसके कर्मचारिवृंद को भूमि में प्रवेश करने और उसका सर्वेक्षण करने, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवमृदा में खुदाई करने या वेधन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिये अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा-11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना. ऐसी अधिकारी के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नही करेगा या कोई भी संव्यवहार नही होने देगा अर्थात क्रय विक्रय आदि नही करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विल्लंगम सृजित नही करेगा।

अधिनियम की धारा-15 (1) के अधीन यथा उपबंधित इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर किसी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर (कक्ष क्रं. 84, भू-अर्जन शाखा, नरसिंहपुर) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा के समक्ष (कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा) में आक्षेप यदि कोई हो फाईल किए जा सकेंगे।

भूमि से संबंधित रेखांकन अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अनुविभाग गाडरवारा कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्य समय के दौरान देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
गाडरवारा

(श्रीमति रजनी सिंह)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव,
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
जिला नरसिंहपुर (म.प्र)

G-16324/26 "स्वच्छता ही सेवा"

चिंतन

अड़ियल रवैया छोड़कर शिक्षा पर चर्चा करे विपक्ष

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल आरोप-प्रत्यारोप का मंच नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर गंभीर विमर्श और बेहतर कानून बनाने का सर्वोच्च संस्थान है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा शुरू होने से पहले ही सदन हंगामे की भेंट चढ़ गया। विपक्ष का यह कहना कि नीट पेपर लीक प्रकरण में गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान दें, अपनी जगह एक राजनीतिक मांग हो सकती है, लेकिन करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़े कानून पर बहस को बाधित करना लोकतांत्रिक दायित्वों के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। इसलिए विपक्ष अड़ियल रवैया छोड़कर शिक्षा व्यवस्था में सुधार वाले इस बिल पर चर्चा करे और इसमें सुधार के लिए अपने सुझाव दे, ताकि इस कानून को और मजबूत किया जा सके। प्रस्तावित संशोधन में पेपर लीक के आरोपियों के लिए अधिक कठोर सजा, भारी आर्थिक दंड और विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों की व्यवस्था जैसे प्रावधान किए गए हैं। इससे मामलों की रोजाना सुनवाई संभव होगी और दोषियों को वर्षों तक कानूनी प्रक्रिया का लाभ लेकर बच निकलने का अवसर कम मिलेगा। साथ ही यह कानून यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग, एनटीए तथा अन्य केंद्रीय परीक्षाओं पर लागू होगा, जिससे इसकी व्यापकता और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। हालांकि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। विपक्ष की यह भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है कि वह विधेयक का सूक्ष्म अध्ययन करे और आवश्यक सुधारों के सुझाव दे। उदाहरण के लिए, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही, साइबर सुरक्षा, प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा, व्हिसलब्लोअर संरक्षण, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और समयबद्ध जांच जैसी व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाने पर सार्थक चर्चा हो सकती है। यही रचनात्मक विपक्ष की पहचान होती है। संसद में बहस का उद्देश्य सरकार को घेरना भर नहीं, बल्कि कानून को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाना भी होता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि पेपर लीक केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक चुनौती है। जब तक भ्रष्ट नेटवर्क, तकनीकी कमजोरियां और प्रशासनिक लापरवाही समाप्त नहीं होगी, तब तक केवल दंड के डर से समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी। इसके लिए पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, आधुनिक तकनीक, मजबूत निगरानी और जवाबदेह संस्थागत ढांचे की समानांतर आवश्यकता है। प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा सुधारों के लिए उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है, लेकिन उसकी सिफारिशों को भी शीघ्र लागू करना होगा। संसद में टकराव लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन जनहित के मुद्दों पर संवाद उससे कहीं अधिक आवश्यक है। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष की सार्थक बातों को स्वीकार करे और विपक्ष का दायित्व है कि वह हंगामे से आगे बढ़कर ठोस सुझाव दे। कुल मिलाकर शिक्षा और युवाओं का भविष्य किसी भी दल की राजनीति से बड़ा विषय है। यदि सरकार और विपक्ष इस मुद्दे पर सहमति बनाकर एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा व्यवस्था तैयार कर पाते हैं, तो यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत होगी। संसद की गरिमा भी तभी बढ़ेगी, जब बहस का केंद्र राजनीति नहीं, बल्कि देश के विद्यार्थियों का भविष्य बने। यही समय की सबसे बड़ी मांग है।

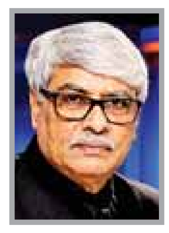

राजनीति
ओमकार चौधरी

पंजाब में बड़ी चुनावी चुनौतियां

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा और शासन मॉडल पर जनमत का महत्वपूर्ण फैसला होगा। 2022 में प्रचंड बहुमत से सत्ता में आई आम आदमी पार्टी पहली बार अपने पांच वर्षों के कामकाज के आधार पर जनता के बीच जाएगी, जबकि कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल वापसी और विस्तार की रणनीति के साथ मैदान में होंगे। नशा, बेरोजगारी, कृषि संकट, कानून-व्यवस्था, बढ़ता कर्ज, उद्योग, निवेश और युवाओं का पलायन जैसे मुद्दे चुनावी बहस के केंद्र में रहेंगे। ऐसे में मुकाबला केवल दलों का नहीं, बल्कि प्रदर्शन, विश्वसनीयता, नेतृत्व और भविष्य के विजन का भी होगा।

पंजाब का अगला विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने या बचाने का चुनाव नहीं होगा, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाला चुनाव साबित हो सकता है। 2022 में 117 में से 92 सीटें जीतकर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी (आप) अब पहली बार अपने शासन के आधार पर जनता के सामने होगी। दूसरी ओर कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल तीनों सत्ता में आने की लड़ाई लड़ रहे हैं। 2022 में आप को अभूतपूर्व जनादेश मिला था। अब मतदाता वादों के बजाय प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगा। जो मुख्य चुनौतियां उसके सामने हैं, उनमें नशे की समस्या पर नियंत्रण कर पाई या नहीं कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष के लगातार हमले जारी हैं। राज्य ऋण बढ़ने और वित्तीय स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। कृषि संकट का स्थायी समाधान न निकलने पर प्रश्न उठ रहे हैं। उद्योग एवं निवेश आकर्षित करने की चुनौती जस की तस बनी है। युवाओं को रोजगार के सपने दिखाए गए थे। उस दिशा में कोई ठोस स्टेप नहीं लिए गए। आप अपनी उपलब्धियों के रूप में सरकारी नौकरियों, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार जैसे मुद्दों को सामने रख रही है, जबकि विपक्ष आर्थिक प्रबंधन और प्रशासनिक प्रदर्शन पर प्रश्न उठा रहा है।

लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहा, लेकिन विधानसभा चुनाव अलग प्रकृति के होते हैं। उसकी प्रमुख चुनौतियों की बात करें तो मुख्यमंत्री का चेहरा कौन रहे, इसे लेकर आपस में ही लीडरशिप खींचातानी में उलझ गई है। सवाल यह है कि ऐसे में क्या पार्टी एक स्पष्ट नेतृत्व घोषित करेगी या चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ेगी ? पंजाब कांग्रेस लंबे समय से विभिन्न नेताओं के बीच शक्ति-संघर्ष से प्रभावित रही है। यदि चुनाव तक संगठन पूरी तरह एकजुट नहीं हुआ तो इसका सीधा लाभ प्रतिद्वंद्वियों को मिल सकता है।

क्या भाजपा चौंका सकती है? यही सबसे रोचक प्रश्न है। भाजपा के पक्ष में जो बातें जाती हैं, उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता। केंद्र सरकार की योजनाएं। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा। सीमा राज्य होने के कारण सुरक्षा विमर्। शहरी हिंदू मतदाता में अपेक्षाकृत मजबूत आधार। हाल के महीनों में भाजपा ने पंजाब में अभियान तेज किया है और स्वयं को आप का प्रमुख विकल्प बताने की कोशिश की है लेकिन उसके सामने चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। ग्रामीण सिख क्षेत्रों में उसके पास सीमित संगठन है। किसान आंदोलन के बाद जो दूरी बनी थी, उसे पाटने के लिए गंभीर पहल नहीं हो सकी है। स्वतंत्र रूप से 117 सीटों पर मजबूत स्थानीय नेतृत्व विकसित करना बड़ी चुनौती है। अकाली दल से अलग होने के बाद पारंपरिक वोटों का बिखराव भी एक बड़ी चुनौती है परंतु हरियाणा, बंगाल सहित कई जगह उसके अकेले मैदान में उतरने के फैसले काफी सकारात्मक रहे हैं। उसे फायदा भी मिला है।

क्या भाजपा बंगाल जैसा प्रदर्शन कर सकती है ? इस प्रश्न का उत्तर सरल हां या नहीं में नहीं है। समानताएं क्या हैं? मजबूत केंद्रीय नेतृत्व। संसाधनों की उपलब्धता। संगठन विस्तार की रणनीति। विपक्ष की कमजोरी का लाभ लेने का प्रयास लेकिन पंजाब बंगाल नहीं है। पंजाब की राजनीति तीन विशिष्ट आधारों पर चलती है।

सिख धार्मिक-सामाजिक संस्थाएं। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय अस्मिता। यहां राष्ट्रीय मुद्दों के साथ स्थानीय नेतृत्व और सामाजिक समीकरण अधिक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसलिए भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ सकता है, सीटें भी बढ़ सकती हैं, लेकिन बंगाल जैसी छलांग लगाना अभी भी कठिन चुनौती माना जाएगा। क्या शिरोमणि अकाली दल वापसी कर सकता है? अकाली दल पंजाब की सबसे पुरानी क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में किसान आंदोलन, भाजपा से अलगाव, संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व पर प्रश्नऔर नए पंथिक समूहों को उभार ने उसके सामने कठिन चुनौतियां पेश कर दी हैं। इन सबने उसके आधार को कमजोर किया है। यदि अकाली दल अपनी पारंपरिक ग्रामीण-सिख राजनीति को पुनर्जीवित करता है और संगठनात्मक एकता स्थापित करता है, तो वह किंगमेकर की भूमिका में लौट सकता है। लेकिन पूर्ण बहुमत तक पहुंचना फिलहाल कठिन दिखाई देता है। हाल के समय में पंथिक राजनीति के भीतर नए धड़ों और गठबंधनों की गतिविधियां भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती हैं।

पंजाब के वास्तविक चुनावी मुद्दे : इस बार भावनात्मक मुद्दों से अधिक शासन और अर्थव्यवस्था पर ध्यान रहने की संभावना है। प्रमुख मुद्दों में नशा और ड्रग तस्करी, बेरोजगारी, कृषि संकट, एमएसपी और किसानों की आय, उद्योगों का पलायन, राज्य का बढ़ता कर्ज, कानून-व्यवस्था, गैंगस्टर नेटवर्क, सीमा सुरक्षा, युवाओं का विदेश पलायन, शिक्षा और स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक पारदर्शिता, पानी और भूजल संकट और नहर एवं सिंचाई व्यवस्था माने जा रहे हैं।

संभावित चुनावी नैरेटिव : आम आदमी पार्टी दावा करेगी कि हमने व्यवस्था बदली। भ्रष्टाचार कम किया। शिक्षा और स्वास्थ्य को सुधारा। पुरानी पार्टियों से बेहतर शासन दिया। कांग्रेस कहेगी कि आप ने उम्मीदों पर खरा उतरने वाले प्रदर्शन नहीं किया। पंजाब को अनुभवी सरकार चाहिए। भाजपा का कहना होगा कि डबल इंजन से ही विकास संभव है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस सीमाब प्रांत में भी उसकी सरकार जरूरी है। वह निवेश और उद्योग लेकर आएगी। रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराएगी मजबूत प्रशासन देगी। अकाली दल कहेगा कि पंजाब को उसकी पहचान और संघीय अधिकार दिलाएगी। किसानों और सिख हितों की राजनीति करेगी। क्षेत्रीय दल ही पंजाब के हितों की बेहतर रक्षा कर सकता है।

2027 का चुनाव संभवत: इन पांच सवालों पर केंद्रित होगा। क्या आप अपना जनादेश बचा पाएगी? क्या कांग्रेस फिर मुख्य विपक्ष से सरकार तक पहुंच पाएगी? क्या भाजपा पहली बार पंजाब में बड़ी शक्ति बन सकेगी? क्या अकाली दल अपनी ऐतिहासिक भूमिका पुनः प्राप्त करेगा? क्या चुनाव त्रिकोणीय रहेगा या चतुष्कोणीय? पंजाब का चुनाव इस बार केवल दलों के बीच नहीं, बल्कि विश्वसनीयता बनाम उम्मीद, स्थानीय नेतृत्व बनाम राष्ट्रीय नेतृत्व, और शासन बनाम पहचान की राजनीति के बीच भी होगा। आप के लिए यह अपने शासन का जनमत-संग्रह होगा। कांग्रेस के लिए संगठन और नेतृत्व की परीक्षा, भाजपा के लिए विस्तार की चुनौती, और शिरोमणि अकाली दल के लिए अस्तित्व एवं पुनरुत्थान का संघर्ष। यदि चुनाव तक किसी दल ने राज्य के वास्तविक आर्थिक, कृषि और युवा-संबंधी मुद्दों पर विश्वसनीय रोडमैप प्रस्तुत किया, तो वही निर्णायक बढ़त बना सकता है। अभी के राजनीतिक संकेतों के आधार पर मुकाबला खुला है, और किसी एक दल की स्पष्ट बढ़त मान लेना जल्दबाज़ी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस

ऋषभ मिश्रा

हेपेटाइटिस मुक्त भारत अब बने राष्ट्रीय संकल्प

भारत आज दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां वायरल हेपेटाइटिस का बोझ अत्यधिक है। विडंबना यह है कि हेपेटाइटिस बी और सी जैसी बीमारियों की रोकथाम और उपचार दोनों संभव हैं, फिर भी लाखों लोग इनके संक्रमण से अनजान हैं। यही कारण है कि हेपेटाइटिस को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में लगभग 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस-बी और 60 लाख से 1.2 करोड़ लोग हेपेटाइटिस-सी से दीर्घकालिक रूप से संक्रमित हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में हेपेटाइटिस-बी के लगभग 10 करोड़ और हेपेटाइटिस-सी के 3 करोड़ मरीज हैं। हेपेटाइटिस मूलतः यकृत (लीवर) की सूजन है, जो मुख्यतः वायरस के कारण होती है। हेपेटाइटिस-ए और ई प्रायः दूषित भोजन तथा पानी से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस-बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित उपकरणों तथा मां से नवजात शिशु में फैल सकते हैं। हेपेटाइटिस-बी और सी का सबसे बड़ा खतरा यह है कि इनके लक्षण कई वर्षों तक दिखाई नहीं देते, लेकिन धीरे-धीरे ये लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बन सकते हैं। वैश्विक स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। 'डब्ल्यूएचओ' के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया भर में लगभग 28.7 करोड़ लोग हेपेटाइटिस-बी या सी के साथ जीवन जी रहे थे और लगभग 13 लाख लोगों की मृत्यु इनसे संबंधित बीमारियों के कारण हुई। यह संख्या एचआईवी और मलेरिया जैसी कई अन्य संक्रामक बीमारियों के बराबर या उससे अधिक है। भारत में समस्या केवल संक्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि पहचान और उपचार की कमी भी बड़ी चुनौती है। अधिकांश संक्रमित व्यक्तियों को यह पता ही नहीं होता कि वे वायरस के वाहक हैं। जब तक बीमारी का पता चलता है, तब तक लीवर को गंभीर क्षति पहुंच चुकी होती है। विशेषज्ञों के अनुसार देश में करोड़ों लोग हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग कभी जांच तक नहीं कराते। भारत की एक अन्य चुनौती स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता का अभाव है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गियों में दूषित जल के कारण हेपेटाइटिस-ए और ई के प्रकोप समय-समय पर सामने आते रहते हैं। हाल के वर्षों में जलजनित रोगों के लाखों मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें हेपेटाइटिस-ए और ई भी शामिल हैं। इसके साथ ही असुरक्षित इंजेक्शन, अनियमित रक्त संक्रमण, टैटू बनवाने में अस्वच्छ उपकरणों का उपयोग तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता की कमी भी संक्रमण के प्रसार में योगदान देती है। कई बार सामाजिक कलंक और भय के कारण लोग जांच कराने से भी बचते हैं। परिणामस्वरूप संक्रमण अनजाने में परिवार और समाज में फैलता रहता है। वस्तुतः हेपेटाइटिस उन्मूलन केवल स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए बहुस्तरीय रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले जन-जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। दूसरी ओर, गर्भवती महिलाओं की अनिवार्य जांच और नवजात शिशुओं के समयबद्ध टीकाकरण पर विशेष ध्यान देना होगा। इसके अतिरिक्त रक्त बैंकों और स्वास्थ्य संस्थानों में संक्रमण नियंत्रण के मानकों का कठोर पालन सुनिश्चित करना होगा। हेपेटाइटिस-सी के लिए उपलब्ध प्रभावी दवाओं और हेपेटाइटिस-बी के दीर्घकालिक उपचार को अधिक सुलभ और किफायती बनाना भी आवश्यक है। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि यदि वर्तमान वैज्ञानिक साधनों का व्यापक उपयोग किया जाए तो वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस को सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में समाप्त किया जा सकता है। विश्व हेपेटाइटिस दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि यह बीमारी केवल चिकित्सकीय समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। इसलिए हेपेटाइटिस के विरुद्ध लड़ाई में सरकार, चिकित्सा समुदाय, नागरिक समाज और आम जनता सभी की समान भागीदारी आवश्यक है। वस्तुतः भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है, तो उसे अपने नागरिकों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। हेपेटाइटिस जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारी से होने वाली मौतें किसी भी आधुनिक समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। समय की मांग है कि जागरूकता को जनांदोलन बनाया जाए, जांच को सामान्य स्वास्थ्य संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए, टीकाकरण को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जाए और हेपेटाइटिस मुक्त भारत को अब राष्ट्रीय संकल्प बनाना होगा। तभी हेपेटाइटिस मुक्त भारत का लक्ष्य वास्तविकता बन सकेगा।

(लेखिक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हड़बड़ी न करें, धैर्य का फल मीठा होता है

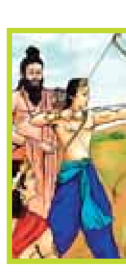

संकलित
दर्शन

किसी गुरुकुल में गुरुदेव बालकों को बाण चलाना सिखा रहे थे। एक अतिउत्साही शिष्य ने धनुष को इतनी जोर से खींचा कि उसके दो टुकड़े हो गए। गुरुदेव ने शिष्य को ज्ञान दिया कि अधीरता से योग्यता अपव्यय हो जाती है। लक्ष्य को भेदने के लिए जितनी ऊर्जा की आवश्यकता है उससे अधिक या कम ऊर्जा का प्रयोग करने पर लक्ष्य को साधना असंभव है। हमारा जीवन भी एक धनुष के समान है। यदि धैर्यपूर्वक ऊर्जा को धीरे-धीरे संचित करने के बाद नियंत्रण के साथ इसे व्यय करने की कला सीख ली जाए तो लक्ष्य कितनी ही दूरी पर क्यों न हो उसे प्राप्त करना असंभव नहीं है। धैर्य का अर्थ मूक रहकर मात्र प्रतीक्षा करना नहीं है। धैर्य का अर्थ है उत्तेजनारहित होकर अपने कार्य में निरंतर संलग्न रहना। किसी कार्य के प्रति अतिउत्साह अथवा असंयम उक्त कार्य के फल को परिपक्व नहीं होने देता। चाक पर चढ़े कच्चे घड़े को यदि आतुरता में समय से पहले उतार लिया जाए तो उसका आकार विकृत हो जाता है। हमें ऐसा भ्रम हो सकता है कि जीवन में प्रगति इतनी धीमी गति से हो रही है कि कोई परिवर्तन दिखाई नहीं देता। हम परिवर्तन की चाह में धैर्य खो बैठते हैं और शीघ्र सफलता की आकांक्षा में हड़बड़ी में ऐसे निर्णय ले बैठते हैं, जिनसे हमारा भविष्य बिगड़ सकता है। युवाओं में ऊर्जा का अधिक भंडार होता है। यह ऊर्जा उन्हें कार्य को जल्द से जल्द संपादित करके फल प्राप्ति के लिए लालायित करती है। उन्हें इस ऊर्जा का सदुपयोग करना नहीं आता।

क्या भगवान का अस्तित्व है?

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक व्यक्ति नाई की दुकान पर अपने बाल कटवाने गया। नाई और उस व्यक्ति के बीच में ऐसे ही बातें शुरू हो गई और वे लोग बातें करते-करते भगवान के विषय पर बातें करने लगे। तभी नाई ने कहा- मैं भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता और इसीलिए तुम मुझे नास्तिक भी कह सकते हो। तुम ऐसा क्यों कह रहे हो व्यक्ति ने पूछा। नाई ने कहा- बाहर जब तुम सड़क पर जाओगे तो तुम समझ जाओगे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है। अगर भगवान होते, तो क्या इतने सारे लोग भूखे मरते? मैं ऐसे निर्दयी ईश्वर की कल्पना नहीं कर सकता जो इन सब की अनुमति दे। नाई ने अपना काम खत्म किया और वह व्यक्ति नाई को पैसे देकर दुकान से बाहर आ गया। वह जैसे ही नाई की दुकान से निकला, उसने सड़क पर एक लम्बे-घने बालों वाले एक व्यक्ति को देखा जिसकी दाढ़ी भी बढ़ी हुई थी और ऐसा लगता था शायद उसने कई महीनों तक अपने बाल नहीं कटवाए थे। वह व्यक्ति वापस मुड़कर नाई की दुकान में दुबारा घुसा और उसने नाई से कहा- क्या तुम्हें पता है? नाइयों का अस्तित्व नहीं होता। व्यक्ति ने कहा- नहीं! नाई नहीं होते हैं। अगर होते तो क्या बाहर उस व्यक्ति के जैसे कोई भी लम्बे बाल व बढ़ी हुई दाढ़ी वाला होता? नाई ने कहा- अगर वह व्यक्ति किसी नाई के पास बाल कटवाने जाएगा ही नहीं तो नाई कैसे उसके बाल काटेगा? व्यक्ति ने कहा- तुम बिल्कुल सही कह रहे हो, यही बात है। भगवान भी होते है लेकिन कुछ लोग भगवान पर विश्वास ही नहीं करते तो भगवान उनकी मदद कैसे करेंगे। विश्वास ही सत्य है!

अंतर्मन

आज की पाती

इस्तीफा तो हो गया लेकिन क्या छात्रों को न्याय मिला?

कई दिनों के धरना-प्रदर्शन के बाद आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पहली नजर में इसे आंदोलन की बड़ी जीत और लोकतंत्र की सफलता के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न वही है, जो हर छात्र और अभिभावक के मन में है- क्या शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो गया? क्या इससे पेपर लीक की समस्या समाप्त हो जाएगी? क्या प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता लौट आएगी? क्या लाखों विद्यार्थियों की मेहनत अब बिना किसी भय के रंग लाएगी? इन सभी सवालों का उत्तर फिलहाल नकारात्मक दिखाई देता है। यही कारण है कि आंदोलन की सफलता का मूल्यांकन केवल एक मंत्री के इस्तीफे से नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था में आने वाले वास्तविक सुधारों से किया जाना चाहिए। – *कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

मेरा कोई रोल नहीं

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं। वायरल वीडियो में एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई-20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। **-नितिन गडकरी,** केंद्रीय मंत्री

क्या संदेश दे रही भाजपा

भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या पेपर लीक, चरमराती शिक्षा व्यवस्था, छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन चलाने के बावजूद प्रधान का काम सराहनीय था? अगर नहीं, तो यह सम्मान किसलिए है? और अगर हां, तो क्या भाजपा देश के युवाओं और छात्रों को यही संदेश देना चाहती है? **-जयराम रमेश,** कांग्रेस महासचिव

सर्वोच्च बलिदान दिया

कैप्टन सौरभ कालिया, कैप्टन विक्रम बत्रा और कैप्टन मनोज कुमार पांडेय जैसे युवा अधिकारियों ने युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया। कई सैनिक ऐसे थे, जिनकी उम्र 25 वर्ष भी नहीं थी, लेकिन उन्होंने बहादुरी से लड़ाई लड़ी। इतिहास उन्हें कभी नहीं भूलेगा। **-देवेंद्र फडणवीस,** सीएम महाराष्ट्र

श्रमिकों के परिवारों को मदद

आज हमने सिक्किम हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिवारों को आर्थिक मदद दी है। नौ परिवारों के सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इनमें से सात को होम गार्ड के तौर पर और दो को नागरिक स्वयंसेवक के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। **-शुभेंदु अधिकारी,** सीएम, प. बंगाल

करंट अफेयर

अमेरिका के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में भीषण गर्मी का कहर

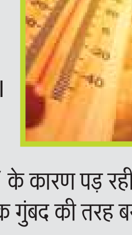

अमेरिका के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में रविवार को लगातार दूसरे दिन भी भीषण गर्मी और उमस का प्रकोप जारी रहा। इस बीच, अमेरिका में चार करोड़ से अधिक लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जहां प्रशासन ने अत्यधिक गर्मी को लेकर चेतावनी जारी की हुई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, 'हीट इंडेक्स' (मानव शरीर को वास्तव में महसूस होने वाला तापमान) 38 डिग्री सेल्सियस से काफी ऊपर दर्ज किया गया। इसका प्रभाव मिनेसोटा से लेकर मिसिसिपी तक और पश्चिम में दक्षिणी कैलिफोर्निया तथा नेवादा तक रहा। दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका के कुछ हिस्सों में तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि यह भीषण गर्मी 'हीट डोम' के कारण पड़ रही है। इस स्थिति में उच्च वायुदाब किसी बड़े क्षेत्र के ऊपर एक गुंबद की तरह बन जाता है और गर्म हवा को बाहर निकलने नहीं देता। इससे तापमान बढ़ता जाता है और कई दिनों तक भीषण गर्मी बनी रहती है। नेब्रास्का के ओमाहा में बेघर लोगों के लिए काम करने वाले संगठन 'थ्रेशहोल्ड सीओसी' के आउटरीच प्रबंधक पीट मिलर ने रविवार को पानी की बोतलें वितरित करते हुए कहा, ''गर्मी असाधारण रूप से ज्यादा है।

ऑफ बीट

क्या बॉस का गाली देना अच्छी 'लीडरशिप' की निशानी है ?

कुछ लोगों की बातचीत में गाली-गलौज आम बात होती है। कार्यस्थल पर भी ऐसे लोग मिल जाते हैं और कई बार वे नेतृत्व की भूमिका में होते हैं। क्या गाली देने वाला बॉस बेहतर 'टीम लीडर' हो सकता है? सुनने में यह अजीब लग सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि सामने वाला व्यक्ति और उसकी टीम उस भाषा को किस तरह लेती है। शायद आपने भी ऐसे 'टीम लीडर' या 'मैनेजर' के साथ काम किया हो, जो कर्मचारियों का हौसला बढ़ाते समय बीच-बीच में गाली-गलौज से परहेज नहीं करते हों या अपनी बात को सबसे स्पष्ट तरीके से रखने के लिए अक्सर अपशब्दों का सहारा लेते हैं। हालांकि, ऐसे व्यवहार पर सहकर्मियों की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं होती। कुछ लोगों को यह सहज और मजेदार लग सकता है, कुछ इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि कई लोग इसे खराब नेतृत्व, गैर-पेशेवर रवैया और पूरी तरह अनावश्यक मानते हैं। अध्ययन से पता चलता है कि गाली देने वाले बॉस के प्रति लोगों की राय केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि उन्होंने क्या कहा, बल्कि इसपर भी निर्भर करती है कि सुनने वाला कौन है और वह किस देश या सामाजिक परिवेश में रहता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि नेतृत्व करने का कोई एक ऐसा तरीका नहीं है, जिसे हर जगह ''सही'' माना जाए।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष की कांग्रेस में ही पूछ-परख नहीं, ये केवल भ्रम फैलाना जानते हैं

केंद्रीय मंत्री चौहान ने दतिया विधानसभा के बसई में प्रत्याशी तिवारी के समर्थन में की जनसभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं पार्टी को धन्यवाद देता हूं कि आज बसईवासियों से मिलने का मौका मुझे दिया। आज आप सबको देख कर, आपके उत्साह को देख कर मेरा मन संतोष से भरा हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी के लिए राजनीति न तो कोई शौक है, और न ही कोई धंधा, बल्कि यह जनता की सेवा का माध्यम है। हम भाजपा के कार्यकर्ता राष्ट्र के पुनर्निर्माण, जनता के कल्याण, दरिद्र नारायण की सेवा एवं एक विकसित देश और मप्र बनाने के लिए राजनीति करते हैं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने रविवार को दतिया विधानसभा के बसई में पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि एक वैभवशाली, गौरवशाली, संपन्न, समृद्ध, आत्मनिर्भर विकसित भारत के निर्माण के लिए हम काम कर रहे हैं। पार्टी जो काम देती है, हम निष्ठा के साथ करते हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की ही कांग्रेस पार्टी में कोई पूछ-परख नहीं है, ऐसी पार्टी जनता का भला नहीं कर सकती। जनसभा को मप्र शासन के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भी संबोधित किया।

मोदी-मोहन के नेतृत्व में मप्र के विकास को मिली नई रफ्तार

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश को न अच्छी शिक्षा, न सड़कें, न पानी और न ही लोगों को सम्मान दिया। सीएम के नेतृत्व में मप्र भी लगातार विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण काम हुए। कांग्रेस ने कभी ऐसे विकास कार्यों के बारे में नहीं सोचा, जबकि भाजपा सरकार ने उन्हें जमीन पर उतारा। अब सिर्फ लाड़ली बहना नहीं, लखपति दीदी बनाना लक्ष्य- केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मप्र के गरीब परिवारों के लिए लगभग 15 लाख मकान स्वीकृत किए गए हैं।

दतिया का दम

भाजपा सरकार और संगठन सभी समाजों के कल्याण, उत्थान और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने रविवार को दतिया उपचुनाव कार्यालय में परिहार समाज के प्रबुद्धजनों व समाज के गणमान्य व्यक्तियों की बैठक को संबोधित किया। परिहार समाज के प्रबुद्धजनों, समाज के प्रमुखों व गणमान्य व्यक्यिों ने पूरे समाज की ओर से भाजपा को अपना समर्थन व्यक्त किया। परिहार समाज ने दतिया उपचुनाव में भाजपा को अपना पूरा समर्थन देते हुए समाज के सभी लोगों को भाजपा के पक्ष में मतदान करने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा सभी समाज वर्ग को साथ लेकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का कार्य कर रही है।

कांग्रेस सिर्फ एक परिवार तक सीमित

खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित है, वहीं कांग्रेस पार्टी केवल तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति करती है। गुटों में बटी कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र पूरी तरह खत्म हो चुका है, जबकि भाजपा में लोकतंत्र और सर्वसमावेशी प्रतिनिधित्व सबसे मजबूत स्तंभ हैं।

भाजपा सरकार का ध्येय सबका साथ, सबका विश्वास

खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा सरकार और संगठन सभी समाज वर्गों के हितों, कल्याण, आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें समाज में मान-सम्मान दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। भाजपा सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर चल रही है। भाजपा सरकारों का मुख्य ध्येय केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है।

तीन साल में 10 वंदे भारत, 14 अमृत भारत की सौगात

भोपाल। ट्रेन के सफर में जब बात वीआईपी सहूलियत और रफ्तार की आती है तो 'वंदे भारत' का नाम सबसे आगे रखा जाता है, लेकिन आम यात्रियों की दैनिक जरूरतों और किफायती सफर का असली सहारा अमृत भारत ट्रेनें बन रही हैं। दरअसल राज्यसभा में कांग्रेस सांसद अशोक सिंह के सवाल के जवाब में रेल मंत्रालय द्वारा जानकारी दी गई। रेलवे द्वारा कहा गया कि मध्य प्रदेश के यात्रियों को तीन सालों में प्रीमियम सफर देने वाली 10 वंदे भारत ट्रेनें मिली हैं, वहीं आम नागरिकों की जेब और सुगम सफर का ध्यान रखते हुए 14 अमृत भारत' ट्रेनों की सौगात भी मिली है। वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन है, जिसे उच्च गति, आधुनिक सुख-सुविधाओं और प्रीमियम सफर चाहने वाले यात्रियों के लिए तैयार किया गया है। यह ट्रेन सेल्फ-प्रोपेल्ड इंजन तकनीक पर काम करती है, जिससे यह बहुत कम समय में तेज रफ्तार पकड़ लेती है। सुरक्षा के लिए इसमें ऑटोमैटिक स्लाइडिंग दरवाजे, सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और 'कवच' एंटी-कोलिजन तकनीक मौजूद है। इसकी बोगियों में 180-डिग्री घूमने वाली गद्देदार सीटें, ऑन-बोर्ड वाई-फाई और प्रीमियम कैटरिंग जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसका किराया सामान्य ट्रेनों की तुलना में अधिक होता है।

मुख्यमंत्री ने 109 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 44 कार्यों का किया लोकार्पण

निवाड़ी में शुरू हो रहा विकास का नया अध्याय, यूसीसी एक ऐतिहासिक कदम

» 84 करोड़ रुपए के 15 कार्यों का हुआ भूमिपूजन, निवाड़ी को मिली नए संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन की सौगात

» जिला चिकित्सालय निवाड़ी, उन्नयन के बाद हुआ लोकार्पित, मुख्यमंत्री ने निवाड़ी में किया सभा को संबोधित

» प्रदेश सरकार गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य कर रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य कर रही है। सबका कल्याण ही राज्य सरकार का उद्देश्य है। इसी भाव से राज्य में समान नागरिक संहिता 2026 पारित हुई है। माताओं-बहनों और बेटियों को समान अधिकार और सुरक्षा देने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। किसान कल्याण, राज्य सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है।

किसानों की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस वर्ष 14 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जित किया गया। किसानों की आय बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक ले जाना राज्य सरकार का लक्ष्य है। कृषकों को मछली पालन, सिंघाड़े की खेती जैसी की आय बढ़ाने की गतिविधियों में सहायता और सलाह दी जा रही है।

निवाड़ी में कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम।

बुंदेलखंड का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आल्हा-ऊदल का स्मरण करते हुए कहा कि निवाड़ी और ओरछा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पर प्रदेशवासियों को गर्व है। यह भूमि, वीरों-महावीरों के संघर्ष और बलिदान की धरती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ क्षेत्र के सभी जिलों को मिलेगा। निवाड़ी के 168 ग्रामों के लाखों किसान इस योजना से लाभान्वित होंगे।

निवाड़ी के विकास को आगे बढाएगी-

निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि निवाड़ी जिले में मुख्यमंत्री का आगमन और निवाड़ी जिले को मिली सौगातें निवाड़ी के विकास को आगे बढाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है। राज्यसभा सांसद महेश केवट ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार भारत को विकसित भारत बनाने में अपना योगदान दे रही है।

सीएम ने किया ओरछाधीश राजाराम सरकार को नमन

मुख्यमंत्री ने निवाड़ी में विकास का नया अध्याय शुरू करते हुए 109 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 44 कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने 54 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 15 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने ओरछाधीश रामराजा सरकार को नमन करते हुए कहा कि हम निवाड़ी में रामराज्य की स्थापना के पथ पर अग्रसर हैं। टीकमगढ़ से अलग कर निवाड़ी को नया जिला बनाया गया है। यहां विकास की अनन्त संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री निवाड़ी में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विभिन्न सड़कों का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने 25 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से बने नए संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन और लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से 100 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय, निवाड़ी के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने 12 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विरौरा, सकेरा, अतर्रा, जमुनिया, जिखनगांव, गुवावली, चुरारा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क और अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने निवाड़ी के नवीन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज. भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को निवाड़ी में 25 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कलेक्टर कक्ष सहित विभिन्न शाखाओं और परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहुप्रतीक्षित नवीन कलेक्टर कार्यालय की सौगात मिलने से जनसामान्य को पहले से बेहतर और सुलभ तरीके से नागरिक सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। जिला मुख्यालय पर एक ही स्थल पर विभागों के कार्यालय संचालित होने से समयबद्ध और त्वरित रूप से नागरिकों को विभिन्न योजनाओं एवं सरकारी सेवाओं का लाभ सहजता से प्राप्त होगा।

जलसंसाधन विभाग में रोकी प्रमोशन सूची

कम्प्यूटर दक्षता का हवाला देकर लिपिकों की पदोन्नतियों पर विराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जल संसाधन विभाग में लिपिक कर्मचारियों की प्रमोशन सूची रोक दी गई है। यह सभी कर्मी सहायक ग्रेड तीन पर हैं। इनकी संख्या 300 से ज्यादा है। जिन्हें सहायक ग्रेड 2 पर प्रमोशन पाना है। अफसरों ने तर्क दिया है कि जब तक पदोन्नति पाने वाले सेवकों के पास सीपीसीटी यानी कंप्यूटर दक्षता का प्रमाण पत्र नहीं होगा। तब तक उन्हें प्रमोशन नहीं दिए जायेंगे। इस मामले को लेकर अफसरों से उन कर्मचारियों को विवाद हुआ। ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2 पर पहुंचने वाले कर्मचारियों ने सवाल किया कि जब डीपीसी हो चुकी है तो आदेश जारी करने में क्या दिक्कत है। सवाल यह भी उठाया है कि हाल ही में 19 सहायक ग्रेड 2 को ग्रेड-1 बनाया गया है। जबकि 13 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी सहायक ग्रेड 3 पर प्रमोशन दिया गया है।।

सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण कर्मचारी की सूची करें सार्वजनिकः पांडेय

कर्मचारी नेता सुशील कुमार पांडेय का कहना है कि उपरोक्त दोनों आदेशों के तहत जितने कर्मचारियों को पदोन्नति किया गया है। इनमें से कितने लोगों द्वारा सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण की गई है?। जानकारी को सार्वजनिक की जानी चाहिए। इन कर्मचारियों को प्रमोशन दिये जाने पर अगर सीपीसीटी परीक्षा की शर्त को अनिवार्य नहीं किया गया है। तो फिर ऐसी स्थिति में सहायक ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2 की पदोन्नति सूची को मात्र इसलिए क्यों रोका गया है कि इन्होंने सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है।

अपना दल (एस) ने जिला अध्यक्षों को दिया संगठन विस्तार का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अपना दल (एस) मध्य प्रदेश द्वारा सोमवार को पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मार्गदर्शन पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रभारी आरबी सिंह पटेल ने किया, जबकि इसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन ने की। उन्होंने कहा कि सभी जिला अध्यक्ष निर्धारित समय-सीमा में संगठन का विस्तार करें और जनता के बीच पार्टी की विचारधारा एवं जनहित के मुद्दों को मजबूती से लेकर जाएं।₹ उन्होंने शिक्षा के राष्ट्रीयकरण और एकसमान शिक्षा लागू करने के विषय को भी पुख्ता करने पर जोर दिया। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं आईटी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद गंगवार ने सोशल मीडिया के प्रभावी एवं जिम्मेदार उपयोग पर अपना वक्तव्य दिया। प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन ने कहा कि,प्रत्येक जिला अध्यक्ष अपने जिले में मजबूत टीम बनाकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करें। बैठक में विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्षों में सिंगरौली से त्रिलोकी सिंह, भोपाल से सुरेंद्र नाहर, सिवनी से चैतराम प्रजापति, इंदौर से टीकमचंद्र शर्मा, मऊगंज से अजय बिहारी पटेल, सतना से राजमणि सिंह पटेल, रीवा से अशोक पटेल, ग्वालियर से राहुल सिंह, मैहर से मनोज पटेल, उमरिया से रमेश पटेल, जबलपुर से कमलेश पटेल तथा सागर से मनीष सरवैया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सूरजपुर जिला मुख्यालय स्थित नेहरू पार्क की घटना

धारदार हथियार से गला रेंतकर युवती की निर्मम हत्या, आरोपियों की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिला मुख्यालय स्थित नेहरू पार्क क्षेत्र में रविवार देर शाम एक 19 वर्षीय युवती की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से घायल युवती को तत्काल जिला अस्पताल सूरजपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रैफर किया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

मृतका की पहचान लटोरी निवासी राधिका राजवाड़े (19) के रूप में हुई है। उपचार के दौरान उसने अपना मोबाइल फोन अनलॉक कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस अब मोबाइल में मौजूद जानकारी के आधार पर वारदात के कारणों और संदिग्धों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

बाइक पर सवार होकर फरार हुआ आरोपी

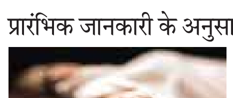

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि घटना के समय युवती नेहरू पार्क के आसपास मौजूद थी, तभी अज्ञात हमलावर ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस हत्या के कारणों, आरोपी की पहचान और वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मुर्चरी में रखवाया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है।

लंबे समय से कर रहा था ब्लैकमेल, दे रहा था धमकियां

विवाहिता को बदनाम करने और पांच लाख रुपए की अड़ीबाजी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

एआई का दुरुपयोग कर महिला की फोटो एडिट करने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले आरोपी को छावनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था।

इतना ही नहीं वह रुपये नहीं देने पर पीड़िता के पति की हत्या करने और उससे जबरन तलाक दिलाने की धमकी भी दे रहा था। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार भिलाई के छावनी थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी रविन्द्र भारती उससे पांच लाख रुपये की मांग कर रहा था। आरोपी ने धमकी दी थी कि यदि रकम नहीं दी गई तो वह एआई के जरिए उसकी फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। साथ ही उसके पति की हत्या करने और जबरन तलाक दिलाने की धमकी भी दे रहा था।

एक ही कंपनी में दोनों करते थे काम

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी रविन्द्र भारती को धमधा से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पीड़िता से एकतरफा प्रेम करता था। दोनों पहले एक ही फाइनेंस कंपनी में साथ काम करते थे, जहां उनकी पहचान हुई थी। बाद में युवती ने किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया। इसके बाद आरोपी लगातार उसे परेशान करने लगा और एआई तकनीक से फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए पांच लाख रुपये की मांग की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।

पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने दिया खौफनाक वारदात को अंजाम

24 घंटों में पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी मृतक की पत्नी, उसका चचेरा भाई गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कबीरधाम

जिले के सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र में हुए अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा ली। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी और उसके चचेरे भाई को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि पति के अत्यधिक शराब सेवन और आए दिन होने वाले घरेलू विवाद से तंग आकर उन्होंने मिलकर हत्या की साजिश रची और पत्थर से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। सहसपुर लोहारा थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि 26 जुलाई की सुबह करीब 7:30 बजे ग्राम बासिनझोरी निवासी महेश साहू का शव लोहारा के बानो रोड स्थित एक दुकान के पास मिला था। मृतक के चेहरे, सिर, हाथ और पैरों पर गंभीर चोट के निशान थे।

महत्वपूर्ण साक्ष्यों के आधार पर तेज की जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का वैज्ञानिक परीक्षण किया और रक्तरंजित पत्थर सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए। तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई।

आगामी चार दिनों तक ऐसे मौसम की संभावना, सावधानी बरतने की अपील

छत्तीसगढ़ में मौसम मेहरबान, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, महासमुंद सहित अन्य शहरों में यलो अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मौमस मेहरबान है। मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। ऐसे में प्रदेश में आगामी चार दिनों तक मानसूनी गतिविधियां और तेज गति से बढ़ेंगी। मौमस विभाग ने प्रदेश के सात जिलों को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, जिन सात जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। उनमें बिलासपुर, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, महासमुंद, राजनांदगांव और कोरबा जिला शामिल हैं। इन जगहों पर हल्की बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

तेज हवाएं और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना

इसके साथ ही सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में भी बादल गरजने-चमकने, आकाशीय बिजली, 30-40 किलोमीटर की रफ्तार से हवायें चलने और बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों को लेकर भी भी यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने सोमवार को अधिकांश हिस्सों में मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं कुछ स्थानों पर जोरदार बारिश हो सकती है। रायपुर और आस-पास के क्षेत्रों में आज सोमवार को बादल गरने के साथ ही बूंदाबांदी की संभावना है।

बीते दिनों कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश हुई

बात रविवार की मौसम की करें, तो कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। एक-दो स्थानों पर भारी बारिश भी हुई। अब तक सामान्य से 20 प्रतिशत कम पानी गिरा है। राजधानी रायपुर का तापमान शनिवार को 33 डिग्री सेल्सियस तक रहा, लेकिन रविवार को हल्की बारिश के कारण मौसम सुहावना हो गया। बारिश के बाद तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी गई, जिससे लोगों ने उमस और गर्मी से राहत की सांस ली। रायपुर के अलावा बसना, सरायपाली, सोनाखान, पिथौरा, बिलाईगढ़, सारंगढ़, बगीचा और कोरबा सहित अन्य क्षेत्रों में भी बारिश होने से तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की कमी आई है।

दुनियाभर में कई ऐसी खौफनाक और रोमांचक जगहें मौजूद हैं, जिन्हें पहली बार देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। फ्रांस का बोजोल्स भी उन्हीं जगहों में से एक है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण कोई महल या ऐतिहासिक इमारत नहीं, बल्कि एक विशाल प्राकृतिक खाई है, जो किसी मौत के कुएं के समान है। हैरानी की बात यह है कि पूरा शहर इसी खाई के बिल्कुल किनारे बसा हुआ है।

दुनिया का वो अनोखा शहर, जो बसा है 'मौत के कुएं' के किनारे

पेरिस। दूर से देखने पर ऐसा लगता है जैसे घर किसी भी वक्त नीचे गिर जाएंगे, लेकिन सदियों से लोग यहां सामान्य जिंदगी जी रहे हैं। दक्षिण फ्रांस के अवेयरॉन इलाके में बसे इस छोटे से शहर की आबादी करीब तीन हजार है। शहर के बीचों-बीच मौजूद 'टू दे बोजोल्स' नाम की प्राकृतिक घाटी इसकी पहचान बन चुकी है। यह करीब 1200 फीट चौड़ी और लगभग 300 फीट गहरी है। ऐसा लगता है कि एक छोटे से हादसे में ही यहां के घर जमींदोज हो सकते हैं। लेकिन, ये सालों से जस के तस हैं।

एक हादसा और सीधे 300 फीट गहरी खाई में समा जाएंगे घर!

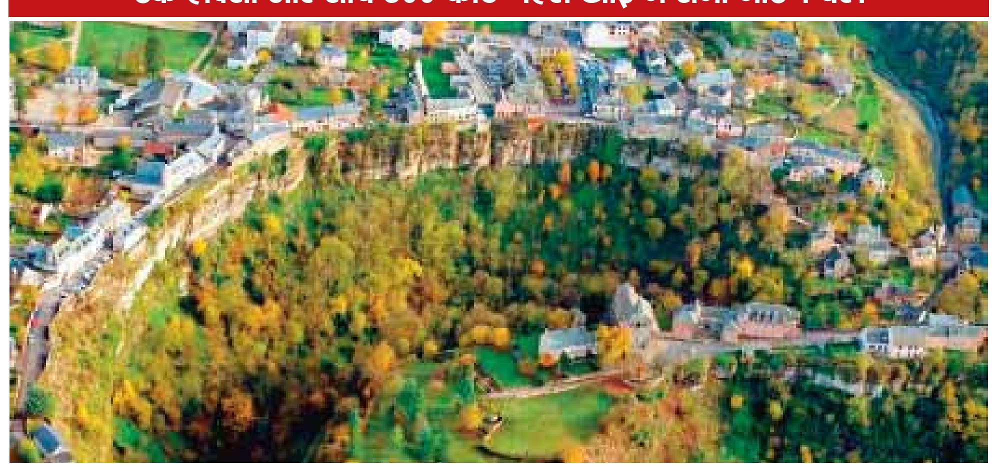

घोड़े की नाल जैसी दिखाई देती है आकृति

इस जगह को ऊपर से देखने पर इसकी आकृति घोड़े की नाल जैसी दिखाई देती है, इसलिए यह जगह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। हालांकि, इस घाटी को इंसानों ने नहीं बनाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक लाखों साल तक दूर्दू नदी लगातार चूना पत्थर की चट्टानों को काटती रही। धीरे-धीरे कटाव बढ़ता गया और इस तरह विशाल खाई तैयार हो गया। भूवैज्ञानिक मानते हैं कि हिमयुग के दौरान हुए प्राकृतिक बदलावों ने भी इसकी वर्तमान बनावट बनाने में अहम भूमिका निभाई।

यादगार पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान

सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, इतिहास के लिहाज से भी यह शहर काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। गहरी खाई और ऊंची चट्टानों की वजह से यहां तक पहुंचना आसान नहीं था। इसी कारण पुराने समय में लोगों ने इसे सुरक्षित जगह मानकर यहां बस्ती बसाई। बाद में एक किले का भी निर्माण किया गया, जिसके कुछ अवशेष आज भी दिखाई देते हैं। यहां आने वाले लोग खाई के किनारे बने व्यू पॉइंट से तस्वीरें लेते हैं, जबकि कई पर्यटक घाटी के नीचे उतरकर ट्रैकिंग का भी आनंद लेते हैं। यही कारण है कि फ्रांस का यह शहर आज भी दुनिया के सबसे अनोखे और यादगार पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बनाए हुए है।

फ्रांस के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल

वहीं, 12वीं सदी का सेंट फॉस्ट चर्च आज भी इस शहर की पहचान बना हुआ है। स्थानीय लोगों के बीच इस जगह को लेकर कई रोचक कहानियां भी सुनाई जाती हैं। कुछ लोग मानते थे कि यह विशाल गड्ढा किसी अलौकिक शक्ति ने बनाया था। हालांकि, वैज्ञानिक इसे पूरी तरह प्राकृतिक प्रक्रिया का परिणाम मानते हैं। बारिश के मौसम में जब नदी का जलस्तर बढ़ता है, तब यहां का नजारा और भी आकर्षक हो जाता है। आज बोजोल्स फ्रांस के प्रमुख पर्यटन स्थलों में गिना जाता है।

रोचक खबरें

सौ साल पहले मोटापा घटाने की खौफनाक ट्रिक, निगलती थी इस कीड़े के अंडे

लंदन। आजकल मोटापा घटाने के लिए लोग जिम जाते हैं, कीटो डाइट करते हैं, इंटरमिटेंट फास्टिंग अपनाते हैं या ओजेम्पिक जैसी दवाएं लेते हैं। लेकिन, सौ साल पहले, खासकर 19वीं सदी के विक्टोरियन युग में, खूबसूरत और पतली दिखने की चाहत में महिलाएं अपनी जान दांव पर लगा देती थीं। वजन घटाने का उनका तरीका इतना खतरनाक था कि इससे उनकी जान भी जा सकती थी। उनका तरीका था– टेपवर्म के अंडे निगलना। जी हां, विक्टोरियन काल में पतली कमर को आइडियल माना जाता था। महिलाएं कसावट वाले कपड़े पहनकर कमर को 18-20 इंच तक कस लेती थीं, लेकिन जब यह भी काफी नहीं होता तो वे टेपवर्म डाइट अपनाती थी। वे कैप्सूल या गोलियों के रूप में टेपवर्म के अंडे निगल लेती थी। पेट में अंडे से लार्वा निकलता और कीड़ा बड़ा होने लगता था। यह टेपवर्म इंसान के आंतों में रहकर मेजबान का पोषण चूसता था। नतीजा– भूख कम लगती, पोषक तत्व कम अवशोषित होते और वजन तेजी से घटता था। एक कीड़ा 30 फीट (लगभग 9 मीटर) तक लंबा हो सकता था। टेपवर्म आंतों की दीवार से चिपक जाता था और मेजबान के खाए गए भोजन से पोषण सोख लेता था। महिलाएं कम खाती थीं, लेकिन कीड़ा बड़ा होता जाता था। कुछ महिलाएं दावा करती थीं कि इससे उनकी कमर पतली हो गई और वे आकर्षक दिखने लगीं थी। लेकिन, ये तरीका काफी खतरनाक और दुष्परिणाम से भरा होता था। वजन घटाने का ये तरीका काफी खतरनाक था। इससे महिलाओं में गंभीर कुपोषण हो जाता था। इसके अलावा आंतों में ब्लॉकेज हो जाती थी। कई बार मस्तिष्क में संक्रमण तक हो जाता था। एनीमिया, कमजोरी, उल्टी, दस्त आदि इसके कॉमन साइड इफेक्ट्स थे। कई मामलों में महिला की मौत भी हो जाती थी। लेकिन, आकर्षक फिगर की चाहत में कई महिलाएं ये रिस्क लेती थीं।

अब हवा में ही उड़ते मच्छरों का होगा शिकार अमरीकी कंपनी ने बनाया छोटा ड्रोन

सैन फ्रांसिस्को। गर्मी का मौसम आते ही या बारिश के दिनों में मच्छरों का आतंक पूरी दुनिया में एक गंभीर समस्या बन जाता है। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियों से बचने के लिए इंसान दशकों से जहरीले कीटनाशकों, मॉस्किटो कॉइल और केमिकल्स का इस्तेमाल करता आ रहा है। लेकिन, ये केमिकल जितने मच्छरों के लिए खतरनाक होते हैं, उतने ही इंसानी सेहत और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं। अब इस दशकों पुरानी समस्या का एक बेहद हाई-टेक और अनोखा तोड़ अमरीकी इंजीनियर्स ने ढूंढ निकाला है। एक अमरीकी टेक स्टार्टअप ने ऐसे माइक्रो-ड्रोन विकसित किए हैं, जो हवा में उड़ते हुए मच्छरों और अन्य कीड़ों को ढूंढकर मिसाइल अटैक की तरह सीधे उन्हें मार गिराने में सक्षम है। अमेरिका के प्रसिद्ध स्टार्टअप एक्सीलेटर वाई कॉम्बिनेटर के सपोर्ट से चल रहे टॉर्नयोल नाम के इस स्टार्टअप के इंजीनियर्स ने इस एआई-संचालित माइक्रो-ड्रोन को तैयार किया है, जो मच्छरों के खात्मे की लागत को 100 गुना तक कम कर सकता है। इस स्टार्टअप का मुख्य विजन यह है कि भविष्य में जहरीले रसायनों और महंगे साधनों की जगह इन छोटे ड्रोनों के झुंड को शहरों में उड़ाया जाए, जो इंसानों को नुकसान पहुंचाए बिना मच्छरों का चुन-चुनकर हवा में ही शिकार कर सकें। हाल ही में टॉर्नयोल के सह-संस्थापक एलेक्स टौसेंट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसे उन्होंने कंपनी का पहला एयर-टू-एयर किल करार दिया है। इस वीडियो में एक बेहद छोटा ड्रोन एक बंद टेस्टिंग एरिया में एक पतंगे का पीछा करता हुआ दिखाई देता है और अंत में उस पर सटीक निशाना साधकर उसे हवा में ही मार गिराता है।

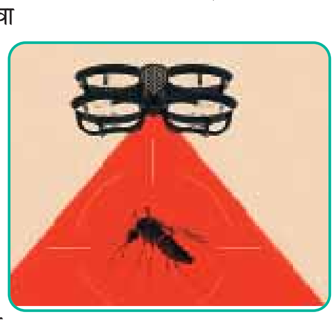

कार के टायर जितना बड़ा होता है ये फूल, 10 किलो तक भारी

बैंकाक। प्रकृति अपने अनोखे चमत्कारों से हमेशा हैरान करती रहती है, दुनिया का सबसे बड़ा फूल रेफलीशिया भी इन्हीं में से एक है। यह फूल ना सिर्फ आकार में विशाल है बल्कि उसकी बदबू भी अनोखी है। यह फूल व्यास में एक मीटर तक बड़ा हो सकता है। इसका वजन 10 किलो तक पहुंच जाता है। देखने में यह किसी कार के टायर जितना लगता है। बात फूल के रंग की करें तो ये लाल-भूरा होता है और इसकी पंखुड़ियां मांस जैसे मोटी होती हैं।

बदबू का राज–सबसे दिलचस्प बात यह है कि रेफलीशिया से सड़ी हुई लाश जैसी बदबू आती है। यह बदबू दूर-दूर तक फैल जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह बदबू मक्खियों को आकर्षित करने के लिए निकाली जाती है। मक्खियां फूल पर बैठकर परागण करती हैं, जिससे ये जंगल में फ़ैल जाते हैं।

परजीवी जीवन शैली– रेफलीशिया सामान्य पौधों की तरह नहीं बढ़ता। यह परजीवी पौधा है। इसमें अपना पत्ता या तना नहीं होता। यह दूसरे पेड़ों की जड़ों से न्यूट्रिशन चुराकर अपना विकास करता है। फूल कई महीनों की तैयारी के बाद अचानक खिलता है।

कहां पाया जाता है ये फूल?– रेफलीशिया मुख्य रूप से इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड और फिलीपींस के वर्षावनों में पाया जाता है। यह दुर्लभ फूल है और कई जगहों पर विलुप्त होने के खतरे में है। ये कई सालों में खिलता है और बस पांच से सात दिन ही खिला रहता है। इसके बाद ये मुरझा जाता है। वैज्ञानिक इस फूल का अध्ययन करके परजीवी पौधों की जीवन शैली समझते हैं। यह फूल प्रकृति में जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

नजारा

पृथ्वी पर ऐसा सूर्यास्त कभी नहीं देखा होगा...

आईएसएस से सामने आया अब तक का सबसे खूबसूरत 360-डिग्री व्यू!

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद नासा के एस्ट्रोनॉट अनिल मेनन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बेहद ही मंत्रमुग्ध कर देने वाला 360 डिग्री वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने आईएसएस के सबसे मशहूर हिस्से यानी 'क्युपोला' की एक झलक दिखाई है। अंतरिक्ष से धरती का नजारा कैसा दिखता है और वहां एस्ट्रोनॉट्स अपनी दिनचर्या कैसे बिताते हैं, यह वीडियो इसका बेहतरीन सबूत है। लंबे समय के अंतरिक्ष मिशन केवल वैज्ञानिक प्रयोगों तक सीमित नहीं होते। अंतरिक्ष के चुनौतीपूर्ण वातावरण में सुरक्षित रहने के लिए ज्ञान का हस्तांतरण बहुत जरूरी है। अनिल मेनन का यह वीडियो दिखाता है कि कैसे एक अनुभवी एस्ट्रोनॉट अपने नए साथी को अंतरिक्ष में कुशलता से काम करने के लिए तैयार करता है। यही

केवल सुंदरता ही नहीं, काम का भी है क्युपोला

क्युपोला केवल सुंदर दृश्य देखने के लिए ही इस्तेमाल नहीं होता। इसका व्यावहारिक उपयोग भी बहुत बड़ा है। जब भी कोई नया स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष स्टेशन पर आता है, तो उसकी डॉकिंग पर नजर रखने के लिए इसी खिड़की का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा स्टेशन के रोबोटिक आर्म को चलाने और धरती पर आने वाले तूफानों, जंगलों की आग व प्राकृतिक घटनाओं की तस्वीर लेने के लिए भी क्युपोला सबसे अहम माना जाता है।

अंतरिक्ष में जुगाड़ और सर्वाइवल की सीख : अनिल मेनन ने एक और दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 8 महीने तक आईएसएस पर रहने वाले अनुभवी एस्ट्रोनॉट क्रिस्टोफर विलियम्स उन्हें बहुत सी व्यावहारिक बातें सिखा रहे हैं। इनमें डक्ट टेप और जिपलॉक बैग्स की मदद से प्रयोगों को व्यवस्थित रखना, सामान को जल्दी ढूंढना और अंतरिक्ष में परफेक्ट फोटो खींचना शामिल है। यह ऐसी बुनियादी जानकारी है जो आमतौर पर आम जनता को देखने को नहीं मिलती।

अनिल ने शेयर किया 360° का अनोखा वीडियो

अनिल मेनन ने अपने वीडियो में दर्शकों को क्युपोला के अंदर का दृश्य दिखाया है। उन्होंने बताया कि वे अपने साथी एस्ट्रोनॉट क्रिस्टोफर विलियम्स के साथ वहां समय बिता रहे थे। इस दौरान दोनों ने कैमरों, तारों, फिजिक्स और स्पेसवाक जैसे विषयों पर लंबी चर्चा की। वीडियो का सबसे खास हिस्सा वो था जब क्युपोला की खिड़की से अंतरिक्ष से धरती के अद्भुत सूर्यास्त का नजारा दिखाई दिया।

आईएसएस का क्युपोला मॉड्यूल आखिर क्या है?

क्युपोला को साधारण शब्दों में अंतरिक्ष स्टेशन की 'धरती देखने वाली खिड़की' कहा जा सकता है। यह गुंबद के आकार का एक विशेष ऑब्जर्वेशन मॉड्यूल है, जिसमें 7 बड़ी कांच की खिड़कियां लगी हैं। यह मॉड्यूल अंतरिक्ष यात्रियों को धरती और खुले स्पेस का करीब 360 डिग्री का नजारा देता है। 2010 में इसे आईएसएस से जोड़ा गया था और तब से यह अंतरिक्ष स्टेशन का सबसे पसंदीदा और मशहूर कोना बना हुआ है।

चीन ने खोज निकाला ऐसा चावल, जिसके जीवन में सिर्फ एक बार खरीदना पड़ेगा बीज

बीजिंग। दुनियाभर के किसानों के लिए हाइब्रिड चावल की खेती करना हमेशा से काफी खर्चीला सौदा रहा है। हाइब्रिड किस्मों से सामान्य चावल के मुकाबले 10 से 30 प्रतिशत ज्यादा उपज तो मिलती है, लेकिन इसके बीज हर साल बाजार से महंगे दामों पर खरीदने पड़ते हैं। अगर किसान अपनी ही फसल के बचे हुए बीज दोबारा बोते हैं, तो उनकी पैदावार काफी गिर जाती है। लेकिन, चीन के चाइना नेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने इस दशकों पुरानी समस्या का तोड़ खोज निकाला है।

प्रोफेसर वांग केजियान के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम ने चावल के अंदर ही पाए जाने वाले प्राकृतिक जीन 'H हुआक्सू ' का इस्तेमाल किया है। यह जीन पौधे के अंडकोष में बिना नर-परागण के ही भ्रूण बनाने की प्रक्रिया शुरू कर देता है। इस प्राकृतिक क्लोनिंग प्रक्रिया को सिंथेटिक एपोमिक्सिस कहा जाता है। वैज्ञानिकों ने इस तकनीक से जो नई राइस लाइन बनाई है, उसे 'फिक्स8' नाम दिया गया है।

99% क्लोनिंग सफलता का नया रिकॉर्ड

इससे पहले वर्ष 2017 में जब इस तकनीक का परीक्षण किया गया था, तब केवल 5 प्रतिशत सफलता मिली थी। बाद में अन्य अंतरराष्ट्रीय शोध समूहों ने इसे 95 प्रतिशत तक पहुंचाया। लेकिन, वांग की टीम ने अब 99 प्रतिशत से अधिक क्लोनिंग एफिशिएंसी हासिल कर ली है। इसका सीधा मतलब यह है कि किसान अपनी ही फसल से बीज निकालकर दोबारा बो सकते हैं और फसल की क्वालिटी या पैदावार में कोई गिरावट नहीं आएगी।

फोटोग्राफी का जुनून! बनवाया कैमरा जैसा घर

बेटों के नाम रखे- कैनन, निकॉन और एप्सन

बेंगलुरू। हम सबने अपने सपनों का घर बनाने के लिए न जाने कितने डिजाइन सोचे होंगे, लेकिन कर्नाटक के एक शख्स का जुनून देखकर आप भी दंग रह जाएंगे। फोटोग्राफी के लिए इनकी दीवानगी इस कदर है कि इन्होंने अपना पूरा घर ही एक 'बड़े कैमरे' में तब्दील कर दिया है। इस अनोखे घर को क्लिक नाम दिया गया है। बाहर से देखने पर यह हूबहू किसी कैमरे जैसा लगता है। घर के फ्रंट में बीचों-बीच एक बहुत बड़ा लेंस बना है, जो असल में किचन की खिड़की है। इस लेंस के ठीक ऊपर कैमरे की फ्लैश लाइट बनी है, जो बच्चों के बेडरूम की खिड़की का काम करती है। घर के साइड में एक बड़ा सा एसडी कार्ड डिजाइन किया गया है। बालकनी की रैलिंग लोहे की ग्रिल की बजाय पुराने कैमरों की रील जैसी बनाई गई है।

बेडरूम में गूगल फोटोस का डिजाइन

इंटीरियर में भी फोटोग्राफी की छाप साफ नजर आती है। बच्चों के कमरे की छत पर गूगल फोटोज के लोगो का डिजाइन है। वहीं, दूसरे बेडरूम की छत को कैमरे के सेटिंग्स आइकन जैसा रूप दिया गया है। यहां तक कि खिड़कियों की लोहे की ग्रिल में भी कैमरे का आइकन बनाया गया है। घर के अंदर घुसते ही एक शोकेस पर नजर पड़ती है, जिसमें इस शख्स का पिछले 30 सालों का पुराना कैमरा कलेक्शन रखा हुआ है। घर की हर सीढ़ी के नीचे फोटोग्राफी से जुड़ा एक खास मैसेज लिखा है।

जीजा-साले की जोड़ी ने किया कमाल

इस अजूबे घर को बनाने का श्रेय घर के मालिक के जीजा को जाता है। उन्होंने बताया कि जब उन्हें इस 'कैमरा घर' का आइडिया सुनाया गया, तो वो भी कन्फ्यूज हो गए थे। यह साइट केवल 22x20 (कुल 1100 स्क्वायर फीट) की थी। इतने छोटे प्लॉट में पति-पत्नी, तीन बच्चों और मेहमानों के लिए जगह निकालना, और वो भी 'कैमरा लुक' के साथ—यह एक बहुत बड़ा चैलेंज था। इंजीनियर जीजा ने मजाक में कहा कि, 'ये मेरी पत्नी के भाई हैं। मुझे अपनी पत्नी को खुश करने के लिए इस मकान को अच्छे से बनाना ही था।' आखिरकार दोनों की मेहनत रंग लाई और सबने मिलकर यह शानदार डिजाइन तैयार कर लिया।

इंसान का फैलाया कचरा साफ करेगा अमेजन का यह अनोखा जीव

न्यूयार्क। दुनियाभर के वैज्ञानिक सालों से प्लास्टिक कचरे से निपटने का कोई न कोई तरीका ढूंढ रहे हैं। इसी बीच अमेजन के घने जंगलों से एक ऐसी उम्मीद जागी है, जो आने वाले समय में प्लास्टिक के पहाड़ों को भी समाप्त कर सकती है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे अनोखे फंगस की खोज कर ली है, जो न सिर्फ प्लास्टिक को खाकर पचा जाता है, बल्कि इसे जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की भी जरूरत नहीं होती। इस अनोखे फंगस का वैज्ञानिक नाम पेस्टालोटियोप्सिस माइक्रोस्पोरा है। आइए जानते हैं कि यह कैसे काम करता है और क्यों यह खोज इतनी खास है।

येल यूनिवर्सिटी के छात्रों ने की थी खोज : इस फंगस की खोज सबसे पहले अमेरिका के येल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स और छात्रों की एक टीम ने इक्वाडोर के अमेजन जंगलों में की थी। यह टीम वहां पौधों के अंदर रहने वाले सूक्ष्मजीवों जिन्हें एंडोफाइटिक फंगस कहा जाता है पर रिसर्च करने पहुंची थी। जब इन सैंपल्स को लैब में लाकर टेस्ट किया गया, तो वैज्ञानिक हैरान हो गए। यह फंगस पॉलीयूरेथेन नाम के कड़े प्लास्टिक को आसानी से तोड़ पा रहा था, जिसका इस्तेमाल हम घरों में इंसुलेशन, फोम, कोटिंग और गोंद जैसी चीजों को बनाने में करते हैं।

बिना ऑक्सीजन के भी खा जाता है प्लास्टिक!

बिना ऑक्सीजन के काम करना क्यों है बेहद खास?

ज्यादातर किसी चीज को सड़ने या गलने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। लेकिन, इस फंगस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बिना ऑक्सीजन के भी प्लास्टिक को नष्ट कर सकता है।

कचरे के मैदान के लिए बनेगा वरदान

जब हम कचरा फेंकते हैं, तो वह जमीन के नीचे दब जाता है। कचरे की गहरी परतों में ऑक्सीजन बिल्कुल नहीं होती, जिससे वहां प्लास्टिक सैकड़ों सालों तक वैसा ही पड़ा रहता है। लेकिन, यह जीव बिना ऑक्सीजन के भी काम कर सकता है, इसलिए इसे कचरे के ढेरों में नीचे दबाकर भी प्लास्टिक को गलने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्लास्टिक को ही बना लेता है अपना भोजन!

रिसर्च में खुलासा हुआ है कि यह फंगस प्लास्टि को ही अपने भोजना बना लेता है। इसमें सेरीन हाइड्रोलेज नाम का एक खास एंजाइम पाया जाता है। यह एंजाइम प्लास्टिक के जटिल केमिकल बॉन्ड्स को तोड़कर उन्हें छोटे टुकड़ों में बदल देता है, जिससे फंगस उसे आसानी से पचा लेता है।

मात्र 130 रुपए में बिकी अरबों की नाव ड्रग्स सप्लाई में होती थी इस्तेमाल

डबलिन। ड्रग्स तस्करी की दुनिया में एक बड़ी घटना ने सबको हैरान कर दिया है। आयरिश अधिकारियों ने साल 2025 में जब्त की गई एक विशाल नाव को महज एक यूरो (लगभग 130 रुपए) में एक प्राइवेट कंपनी को बेच दिया। यह नाव ड्रग्स सप्लाई के लिए इस्तेमाल हो रही थी और इसमें 2.2 टन कोकीन बरामद हुई थी, जिसकी स्ट्रीट वैल्यू करीब 133 मिलियन पाउंड थी। लेकिन, सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि इस नाव की देखभाल पर आयरिश सरकार ने 17 मिलियन यूरो (करीब 150 करोड़ रुपए) से ज्यादा खर्च कर दिए थे। नाव का नाम एमवी मत्ती था। यह पनामा रजिस्टर्ड एक बड़ी शिप थी, जो लगभग 200 मीटर लंबी थी। यह वेनेजुएला के पास कुराकाओ से निकली थी और अटलांटिक महासागर पार करके आयरलैंड के पानी में पहुंची थी। आयरिश नेवी और अन्य एजेंसियों ने खतरनाक मौसम में इसकी पीछा किया। आर्मी रेंजर्स ने रस्सी के जरिए नाव पर छलांग लगाई और इसे कब्जे में ले लिया. नाव पर छिपाकर ले जा रहे 2.2 टन कोकीन जब्त कर लिए गए। यह आयरलैंड के इतिहास में सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी थी। नाव पर सवार 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें नीदरलैंड और ईरान के नागरिक भी शामिल थे। सभी को कुल 121 साल की सजा सुनाई गई।

रखरखाव पर क्यों खर्च हुए अरबों? नाव को जब्त करने के बाद कार्क पोर्ट में रखा गया था। सरकार को इसे लगातार क्रू मेंटेन करना पड़ा, क्योंकि यह बहुत बड़ी नाव थी। पर्यावरण और पोर्ट के लिए बड़ा रिस्क थी। इंश्योरेंस, फ्यूल, मेंटेनेंस, बर्थेज और रिपेयरिंग का खर्च लगातार बढ़ता गया। सरकार का बयान जारी कर बताया था कि नाव को सुरक्षित रखने के लिए ये खर्च जरूरी थे।

इतिहास में पहली बार टाई हुआ मिस इंग्लैंड कंपटीशन

लंदन। मिस इंग्लैंड प्रतियोगिता के 98 साल के लंबे इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब जजों ने किसी एक को नहीं, बल्कि एक साथ दो-दो लड़कियों को विनर घोषित कर दिया है। यह पूरा मामला मिस इंग्लैंड ईस्ट मिडलैंड्स के खिताब का है। इस ब्यूटी पेजेंट में 19 साल की कैटलिन बैनेट और 23 साल की ऐली डैगलिश) नाम की दो सुंदरियां हिस्सा ले रही थीं। जब कैटवॉक और टैलेंट राउंड खत्म हुआ और नतीजे सामने आए, तो जज भी सिर पकड़कर बैठ गए। क्योंकि, दोनों ही कंटेस्टेंट्स के नंबर बिल्कुल बराबर आए थे। यानी मुकाबला पूरी तरह से टाई हो गया था।

जजों ने बीच स्टेज पर लिया ऐतिहासिक फैसला – अब जजों के सामने सबसे बड़ी मुसीबत यह थी कि दोनों में से किसे विजेता चुना जाए और किसे बाहर का रास्ता दिखाया जाए। काफी सोच-विचार के बाद जजों ने एक ऐसा बीच का रास्ता निकाला जो आज तक कभी नहीं हुआ था। उन्होंने फैसला किया कि दोनों ही लड़कियां इस खिताब की असली हकदार हैं और दोनों को ही 'जॉइंट विनर' घोषित कर दिया गया। इस इवेंट को होस्ट कर रही मौजूदा मिस इंग्लैंड ग्रेस रिचर्डसन ने भी जजों के इस फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि ये दोनों ही लड़कियां वाकई जीत डिजर्व करती थीं।

अब नवंबर में दोनों के बीच होगा मुकाबला - नियमों के मुताबिक, अब ये दोनों सुंदरियां अपने-अपने काउंटियों का प्रतिनिधित्व करेंगी। कैटलिन को मिस लेस्टरशायर और ऐली को मिस नॉटिंघमशायर के रूप में पहचान मिली है।

प्रदेश की मंडियों में बदलेगा आवंटन सिस्टम

दुकान-गोदाम व भूखंड आवंटन अब ई-नीलामी से, पारदर्शी व्यवस्था होगी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल सहित मध्यप्रदेश की कृषि उपज मंडियों में अब दुकान, गोदाम और भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी होगी। क्योंकि मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड ने आवंटन प्रक्रिया को और अधिक आसान बनाने के साथ पारदर्शिता लाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर बड़ा फैसला लिया है। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक, सहआयुक्त कुमार पुरूषोत्तम ने बताया कि राज्य की 259 कृषि उपज मंडियों और 298 उपमंडियों में उपलब्ध दुकानें, गोदाम एवं भूखंड अब ई-नीलामी के माध्यम से व्यापारियों को आवंटित किए जाएंगे।

इसके लिए मध्य प्रदेश कृषि उपज मंडी भूमि एवं संरचना आवंटन नियम, 2009 में संशोधन कर नए प्रावधान लागू कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश की मंडियों में 15 हजार से अधिक रिक्त दुकानें, गोदाम और भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। ई-नीलामी प्रणाली लागू होने से पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी, जिससे पात्र व्यापारियों को आवंटन में आसानी होगी।

लाइसेंस नवीनीकरण के नए नियम 22 अगस्त से

सरकार ने मंडियों में पहले से आवंटित दुकानों, गोदामों और भूखंडों के लाइसेंस नवीनीकरण के लिए भी नए नियम बनाए हैं, जो 22 अगस्त 2026 से लागू होंगे। नए नियमों के तहत नवीनीकरण तभी किया जाएगा जब संबंधित लाइसेंसधारी का कोई बकाया शेष नहीं होगा। नवीनीकरण के समय नई शर्तें भी जोड़ी जा सकेंगी। संशोधित नियमों के अनुसार अब 'पट्टाधारी' के स्थान पर 'लाइसेंसधारी' शब्द का उपयोग किया जाएगा। लाइसेंस का नवीनीकरण वार्षिक शुल्क की दोगुनी दर पर होगा और इसकी अवधि तीन वर्ष निर्धारित की गई है। यदि नवीनीकरण के लिए आवेदन निर्धारित समय के बाद किया जाता है, तो कलेक्टर गाइडलाइन मूल्य के एक प्रतिशत की अतिरिक्त राशि देनी होगी, जिसे अधिकतम 12 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नए नियम लागू होने से पहले जिन मामलों का निराकरण हो चुका है,।

कुमार पुरुषोत्तम मंडी बोर्ड एमडी के साथ मुख्यमंत्री के अपर सचिव बने

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन ने आईएएस अधिकारी कुमार पुरुषोत्तम (2012 बैच) को नई जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें अपर सचिव, मुख्यमंत्री के पद के साथ-साथ मध्य प्रदेश कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध संचालक-सह आयुक्त मंडी, भोपाल का दायित्व दिया गया है। कुमार पुरुषोत्तम इससे पहले प्रबंध संचालक, कृषि विपणन बोर्ड-सह आयुक्त मंडी, मध्य प्रदेश, भोपाल के पद पर कार्यरत थे। नए आदेश के अनुसार अब वे मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। प्रशासनिक हलकों में इसे महत्वपूर्ण नियुक्ति माना जा रहा है।

राधारमण ग्रुप में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राधारमण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में मध्यप्रदेश पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस कमिश्नर संजय कुमार (आईपीएस) रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार जीवन अपनाने का संदेश दिया। अपने संबोधन में पुलिस कमिश्नर ने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। राधारमण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के चेयरमैन इंजी. संजीव सक्सेना ने पुलिस कमिश्नर संजय कुमार का शॉल, श्रीफल एवं पौधा भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान, डीसीपी अखिल पटेल, अतिरिक्त डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे, एसीपी अंकिता खटारकर, टीआई रासबिहारी शर्मा, ग्रुप डायरेक्टर डॉ. पी. के. लहरी उपस्थित रहे।

छात्रों को संस्कार और चेतना आधारित शिक्षा देना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि छात्रों को केवल विषय आधारित शिक्षा नहीं, बल्कि संस्कार और चेतना आधारित पूर्ण शिक्षा देना आवश्यक है। वे जी टीवी द्वारा भारत का नवनिर्माण विषय पर आयोजित समिट में शामिल हुए, जहां उन्होंने शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे।

समिट के दौरान ब्रह्मचारी गिरीश ने मुख्य अतिथि एवं मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों बाद शिक्षा की मुख्यधारा में भारतीय ज्ञान परंपरा को शामिल करने की दिशा में प्रयास होना सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि केवल पाठ्यक्रम में बदलाव या सैद्धांतिक चर्चा पर्याप्त नहीं है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संस्कार, चेतना आधारित शिक्षा और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित ध्यान एवं योग अभ्यास को शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि केवल प्रश्न-पत्रों या विषयों के क्रम में बदलाव करने से शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक परिवर्तन नहीं आएगा। भारतीय शिक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा कर उसे नए स्वरूप में विकसित करने की जिम्मेदारी शिक्षाविदों को दी जानी चाहिए। इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र में चार दशक से अधिक समय तक योगदान के लिए ब्रह्मचारी गिरीश को सम्मानित भी किया गया।

नरेंद्र सिंह तोमर का सम्मान

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत(लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Pro-427 Date-27/07/2026 2026_UAD_523458_1	उत्तर मध्य विधानसभा क्रमांक 98 में आर सी सी रोड निर्माण कार्य काली माता मंदिर से शान्तिनगर होते सुलभ शौचालय तक राजीव गांधी एवं कवर्ड नाला निर्माण कार्य।	6 माह / 84.74/- लाख	10000/- / 63559/-	31/08/2026

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

पतंजलि सिविल अकादमी का पहला बैच शुरू, 250 से अधिक छात्रों का चयन

अध्ययन की एकीकृत सुविधा के साथ तैयारी का अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हरिद्वार

योगऋषि स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की प्रेरणा से स्थापित पतंजलि सिविल सर्विसेज अकादमी में दो वर्षीय आवासीय यूपीएससी फाउंडेशन कोर्स के पहले बैच की शुरुआत हो गई है। अकादमी का उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और अनुशासित वातावरण उपलब्ध कराना है। पतंजलि के अनुसार, यह देश के उन चुनिंदा आवासीय सिविल सर्विसेज कोचिंग संस्थानों में शामिल है, जहां अभ्यर्थियों को भोजन, आवास और अध्ययन की एकीकृत सुविधा के साथ तैयारी का अवसर दिया जा रहा है।

31 जुलाई तक प्रवेश का अंतिम अवसर

अकादमी में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जो अभ्यर्थी अब तक आवेदन नहीं कर पाए हैं, उनके लिए 31 जुलाई 2026 तक प्रवेश का अवसर उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थियों को 30 जुलाई तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद 31 जुलाई को पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर में इंटरव्यू और चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को उसी दिन कक्षाएं ज्वाइन करनी होंगी। अकादमी के चेयरमैन अवध ओझा और पतंजलि योगपीठ के स्वामी पुण्य देव ने बताया कि पहले बैच के लिए अब तक 250 से अधिक मेधावी छात्रों का चयन किया जा चुका है। यूपीएससी की तैयारी के लिए अनुभवी विशेषज्ञ फैकल्टी की टीम विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दे रही है। फैकल्टी में नमन जैन, चंद्रमौली चौधरी, कनिष्क शेखर, अतुल गर्ग और रवि अग्रहरी शामिल हैं।

देश के प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा

दो वर्षीय फाउंडेशन कोर्स में अभ्यर्थियों को प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार सहित यूपीएससी परीक्षा के सभी चरणों की व्यवस्थित तैयारी कराई जाएगी। पतंजलि सिविल सर्विसेज अकादमी का लक्ष्य केवल परीक्षा की तैयारी कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है। संस्थान का कहना है कि आवासीय व्यवस्था से छात्रों को पूरी तरह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। अकादमी के अनुसार, इसका उद्देश्य देश के प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन देकर ऐसे प्रशासनिक अधिकारी तैयार करना है, जो राष्ट्रसेवा की भावना के साथ नई सोच और ऊर्जा के साथ काम कर सकें।

'वी' का प्रीपेड प्लान लांच, 20 ओटीटी एप्स के साथ अनलिमिटेड 5जी

मुंबई। दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने अपने कंटेंट एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म वी मूवीज एंड टीवी के तहत नया वैल्यू एंटरटेनमेंट पैक लॉन्च किया है। इस पैक में उपभोक्ताओं को एक ही रिचार्ज के माध्यम से 20 ओटीटी प्लेटफॉर्म, 200 से अधिक लाइव टीवी चैनल, 30GB हाई-स्पीड डेटा और अनलिमिटेड 5जी डेटा की सुविधा मिलेगी। कंपनी के अनुसार 28 दिनों की वैधता वाला यह पैक मात्र 200 में उपलब्ध है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को कई अलग-अलग ओटीटी सब्सक्रिप्शन लेने और उन्हें मैनेज करने की परेशानी से राहत देना है। यह पैक कम कीमत में प्रीमियम डिजिटल एंटरटेनमेंट का अनुभव उपलब्ध कराएगा। इस पैक के जरिए यूजर्स जियोहॉटस्टार, सोनी लिव, जी5,फैनकोड, प्लेफ्लिक्स, क्लिक, अतरंगी, चौपाल, ओटीटी प्ले लाइव, पॉकेट फिल्म्स, यपटीवी, अड्डाटाइम्स, कंचा लंका, टाइम्सप्ले और अन्य ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का एक्सेस प्राप्त कर सकेंगे।

बर्जर पेंट्स का 'रंग बना रहे कैंपेन' लांच

नई दिल्ली। पेंट कंपनी बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड ने अपनी नई ब्रांड पहचान 'रंग बना रहे' कैंपेन लांच किया है। इस अभियान का उद्देश्य यह संदेश देना है कि जीवन में चाहे कितनी भी चुनौतियां आएं, इंसान के भीतर के रंग, उत्साह और पहचान हमेशा कायम रहनी चाहिए। कंपनी के अनुसार, रंग बना रहे केवल दीवारों के रंगों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के जीवन में सकारात्मकता, उम्मीद और आत्मविश्वास को बनाए रखने की सोच को भी दर्शाता है। इस नए अभियान के जरिए बर्जर पेंट्स ने रंगों को सुरक्षित रखने के अपने लंबे समय से चले आ रहे वादे को मानवीय दृष्टिकोण के साथ नए रूप में पेश किया है।

एएफएल का 'दृष्टि डिजिटल' प्लेटफॉर्म लांच

मुंबई। एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड (एएफएल) ने ऋण संबंधी निर्णय प्रक्रिया को अधिक तेज, सटीक और डेटा-आधारित बनाने के लिए अपना नया आंतरिक बिजनेस रूल्स इंजन (बीआरई) 'एक्सिस फाइनेंस दृष्टि' लॉन्च किया है। कंपनी का कहना है कि यह प्लेटफॉर्म ऋण वितरण में एकरूपता लाने, जोखिम प्रबंधन मजबूत करने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

आईजीआई का मुनाफा 31 फीसदी बढ़ा

मुंबई। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (आईजीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 3,708 मिलियन रुपये पहुंच गया, जबकि कर पश्चात लाभ 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,657 मिलियन रुपए रहा। कंपनी के अनुसार, तिमाही के दौरान एबिटडा 29 प्रतिशत बढ़कर 2,238 मिलियन रुपए हो गया।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नरसिंहपुर म.प्र.

क्रमांक/निविदा/2026/7355 — **निविदा सूचना** — नरसिंहपुर दिनांक 22/07/2026

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले की स्वास्थ्य संस्थाओ हेतु औषधि/सामग्री एवं कंज्युमेबल की निविदा हेतु योग्य निविदाकारों से निविदा प्रपत्र में दर्शाई गई शर्तो के आधार पर जिला नरसिंहपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	सुरक्षा निधि	निविदा ऑनलाईन एवं ऑफलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने का दिनांक
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले की स्वास्थ्य संस्थाओ हेतु औषधि/सामग्री एवं कंज्युमेबल क्रय करने हेतु निविदा	रूपये 50000.00 अंकन पचास हजार रूपये मात्र।	दिनांक 27.08.2026 को शाम 05 बजे तक	तकनीकि निविदा 01.09.2026; वित्तीय निविदा INFORM LATER BY MP-TENDER PORTAL

1. निविदा प्रपत्र दिनांक 05.08.2026 पूर्वान्ह 14:00 बजे से दिनांक 27.08.2026 को अपरान्ह 5:00 बजे तक म.प्र. शासन के ई टेण्डर पोर्टल https://mptenders.gov.in/ की वेबसाईट से वापिसी अयोग्य 1000.00 रूपये अंकन (एक हजार रूपये) ईपेमेन्ट कर आनलाईन क्रय किये जा सकते है।
2. निविदा के संबंध में प्रस्ताव पूर्व बैठक का आयोजन दिनांक 10.08.2026 को अपरांह 2:00 बजे **कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,**, नरसिंहपुर में आयोजित की जावेगी।
3. निविदा मान्य करना/बिना किसी कारण निरस्त करने के समस्त अधिकार क्रय समिति के पास पूर्णतः सुरक्षित रहेगें।

G-16331/26 — मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी, नरसिंहपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग मण्डला म.प्र.

निविदा सचना क्रमांक 09 / 2026-27 — **निविदा आमंत्रण सूचना** — मण्डला दिनांक 22.07.2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त बेवसाईड पर ऑनलाईन भुगतान करने पर बेबसाईड के माध्यम से प्राप्त हो सकेगें।

ग्रुप क्र.	टेण्डर आई०डी०	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनुमानित राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की राशि	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_523373_1	मण्डला	मण्डला जिले के अंतर्गत 1-एम.पी.टी.सी. से बीजाडांडी मार्ग के किमी. 1/8 पर स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य 2-जंतीपुर पहुंच मार्ग के किमी. 1/6 पर स्लैब कल्वर्ट का निर्माण एवं 3-राजीव कालोनी से पॉलीटेक्निक पहुंच मार्ग के किमी. 1/8 पर स्लैब कल्वर्ट (मजबूतीकरण) कार्य।	प्रथम आमंत्रण	272.23	272300	15000	06 माह वर्षाकाल सहित
2	2026_PWDRB_523377_1	मण्डला	मण्डला जिले के अंतर्गत जामगांव से बोरी घटेरी मार्ग लंबाई 4.50 किमी का मजबूतीकरण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	430.08	430100	15000	04 माह वर्षाकाल छोड़कर
3	2026_PWDRB_523383_1	मण्डला	मण्डला जिले के अंतर्गत जहरमऊ से मुगदरा मार्ग लं. 2.30 किमी. का मजबूतीकरण एवं सर्री जैदेपुर मार्ग के किमी. 5/2 में स्थित पुलिया का निर्माण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	217.82	217900	15000	06 माह वर्षाकाल सहित
4	2026_PWDRB_523386_1	मण्डला	मण्डला जिले के अंतर्गत धनवाही मनेरी जमठार मार्ग लं. 6.00 किमी. का मजबूतीकरण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	311.06	311100	15000	04 माह वर्षाकाल छोड़कर
5	2026_PWDRB_523388_1	मण्डला	मण्डला जिले के अंतर्गत लहसर से कुढ़ारी उमरिया मार्ग लं. 3.50 किमी. का मजबूतीकरण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	354.34	354400	15000	04 माह वर्षाकाल छोड़कर
6	2026_PWDRB_523390_1	मण्डला	मण्डला जिले के अंतर्गत भीखमपुर से गुंदलई मार्ग लं. 5.00 किमी का मजबूतीकरण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	283.24	283300	15000	04 माह वर्षाकाल छोड़कर
				योग रु0	1868.77	-	-	-

उपरोक्त वेबसाइट पर आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 14/08/2026 (17.30) बजे तक निधारित है।** विस्तृत एन.आई.टी. एव अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट मे देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नहीं किया जायेगा। सभी दस्तावेज ऑनलाईन ही स्वीकार किये जावेंगें। अलग से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय मे प्राप्त नहीं किया जावेगा।

G-16332/26 — कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग, मण्डला

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग रघुराजनगर (नगरीय) जिला- सतना (म.प्र.)

क्रमांक/1288/अनु.अधि.रघु./प्रवाचक-प्रथम/2026 सतना, दिनांक- 02/7/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आयुक्त महोदय नगर पालिक निगम सतना द्वारा मौजा घूरडांग तहसील रघुराजनगर की आराजी क्रमांक 5/1 कुल रकबा 2.0070 हे. एवं आराजी क्रमांक 1036 / 1 कुल रकबा 3.6820 हे. तथा आराजी क्रमांक 599/675/2 रकबा 3.8050 हे. भूमि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के AHP घटक के आवासों के निर्माण हेतु आवंटन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। म.प्र. नजूल निर्वर्तन निर्देश 2020 की कण्डिका 142 के अनुसरण में यह उद्घोषणा जारी की जाती है कि उपरोक्त आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था का दावा, आपत्ति अथवा सुझाव हो तो वह दिनांक 03/08/26 तक अनुविभागीय अधिकारी रघुराजनगर जिला सतना के न्यायालय के कक्ष क्रमांक जी -04 कलेक्ट्रेट कार्यालय सतना में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के बाद प्रस्तुत दावे आपत्ति अथवा सुझाव मान्य नहीं होंगे। यह उदघोषणा आज दिनांक 02/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
रघुराजनगर (नगरीय) जिला- सतना (म.प्र.)

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6300

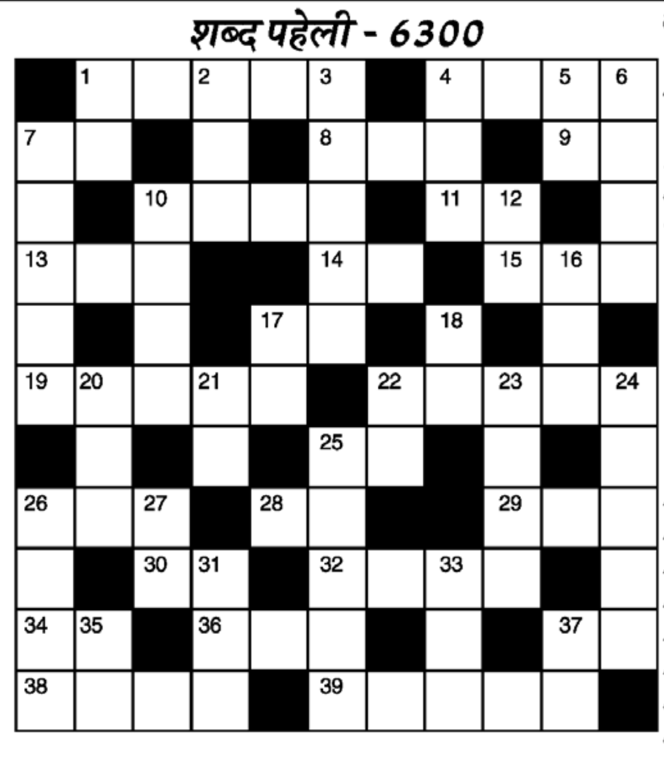

बाएँ से दाए
1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरैया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 6299 का हल

सूडोकु नवताल - 6310

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6309 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

हरिभूमि

सहेली

स्पेशल
फ्रेंडशिप-डे, 2 अगस्त

साझी खिलखिलाहटों का प्यारा रिश्ता

जिंदगी की डगर में अगर सहेलियां साथ हों तो रास्ता आसान हो जाता है। लड़खड़ाने पर वे हमें संभालती हैं, भटकने पर सही राह दिखाती हैं। ये सहेलियां ही होती हैं, जिनसे हर बात बेहिचक साझा की जा सकती है, सलाह ली जा सकती है। हमें असली खुशी सहेलियों के बीच ही मिलती है। सहेलियां हैं तो जिंदगी में बहार है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

महिलाओं के लिए सहेलियों से जुड़ा भाव-चाव बहुत आत्मीय होता है। ऐसा स्नेहपूर्ण संबंध, जो सुख-दुःख में साथ देने वाला ही नहीं, बिना औपचारिकता के मन की सुनने का कोना भी बनता है। जो अपनों से भी नहीं कहा जाता, वह सखियों से कहा जाता है। पीड़ा की जो पोटली सगे-संबंधियों के समक्ष नहीं खोली जाती, वह किसी सहेली के आगे सहजता से खुल जाती है। सुखद यह भी है, कभी सहेलियों से सही सलाह मिलती है तो कभी भावनात्मक सहारा, दोनों ही बातें मानवीय जीवन को मजबूती देने वाली बुनियाद बनती हैं।

हर सुख-दुख सखियों के साथ साझा

स्त्रियां मायका हो या ससुराल, वे मन की बात खुलकर नहीं कह पातीं। एक तयशुदा शिष्टाचार कुछ कहने ही नहीं देता। कह दें तो ग्लानि और अपराधबोध आ घेरता है। उनकी क्या छवि बनेगी। यह सोचकर ही पछतावा होने लगता है। फ्रेंड्स के सामने महिलाओं को इस अनकहे से प्रोटोकॉल से नहीं जूझना पड़ता। तभी तो सखियों के सामने दुःख आंखों से बह निकलता है। सुख की मुस्कुराहटें सहजता से साझी हंसी बन जाती हैं। बिना किसी मलाल के सच्ची भावनाएं साझा करने से ही समय के साथ यह रिश्ता और गहरा होता है। आपसी विश्वास बढ़ता है। असल में देखा जाए तो भावनाओं का खुला आदान-प्रदान ही मित्रता की सच्ची पूंजी है। महिलाओं के लिए तो फ्रेंडशिप का यह संचित धन और भी महत्वपूर्ण है। यह स्त्रीमन की संवेदनाओं को साझा करने का ऐसा सुरक्षित कोना है, जहां बिना अपराधबोध के अनुभूतियों का सच बताया जा सके।

संकट से जूझने की शक्ति

हर संकट में साथ देने वाली सहेलियां टूटते-बिखरते मन को संभाल लेती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में पाया कि जिन महिलाओं को तनावपूर्ण हालातों में सखियों का साथ मिलता है, उनका जीवन अकेले चुनौतियों से जूझने वाली महिलाओं की तुलना लंबा होता है। सखियों का साथ हर परिस्थिति में मनोबल मजबूत करता है। देखने में आता है कि घर-परिवार में संकट के समय भी महिलाओं को आरोप-प्रत्यारोप झेलने पड़ते हैं। किसी सुखद अवसर पर भी मीनमेख निकालने की प्रवृत्ति दिखती है। कुछ नया करने पर अजीब-सी सलाहें दी जाती हैं, सफलता को लेकर आशंका जताई जाती है। जबकि सहेलियां इमोशनल फ्रंट पर हालातों को समझती हैं। सखियां बस चुपचाप साथ देती हैं। हर हाल में अपनी मौजूदगी का एहसास कराती हैं। साइकोसोमेटिक मेडिसिन मैगजीन में छपे अध्ययन के मुताबिक स्त्रियां बिना कोई सलाह दिए एक-दूसरे की बातें सुनती हैं। सकारात्मक भावों से भरा यह व्यवहार तकलीफदेह हालातों से जूझ रही स्त्री को बहुत संबल देता है। समझना मुश्किल नहीं, जब कोई महिला मित्र यूं साथ देती है तो जिंदगी के हर पहलू पर सकारात्मक असर पड़ता है।

जिंदादिल संगी-सखियों के साथ अपनी कमजोरियां स्वीकार करने में भी संकोच नहीं होता। सामाजिक-पारिवारिक जीवन में बहुत सी भूमिकाएं निभाती स्त्रियों को 'जैसी हूं वैसी हूं और खुश हूं' के भाव को जीने का मौका केवल सहेलियों के साथ ही मिलता है। यह स्वीकार्यता मनोभावों को जीवंत बनाती है। बिना किसी दबाव के सहज रूप से एक-दूसरे की परवाह करने के चलते ही इस रिश्ते की बॉन्डिंग मजबूत होती है। इसी कनेक्ट से बहुत सकारात्मक और सुरक्षित महसूस होता है। हर परिस्थिति में खिलखिलाहट बिखेरने वाली सहेलियां एक-दूसरे की सबसे बड़ी चीयरलीडर कही जाती हैं। हंसी-खुशी और ऊर्जा से भरा सखियों का साथ जीवन को नीरस होने से बचाता है। हालिया बरसों में महिलाएं अब सहेलियों के साथ ग्रुप ट्रैवल भी करने लगी हैं। अपना शहर हो या कोई दूर-दराज का पर्यटन स्थल, ऐसी आउटिंग उन्हें हौसला देती है। सखियों के साथ के भरोसे पर ही महिलाएं आम जीवन की जद्दोजहद से दूर यूं जिंदादिली के साथ जीवन जीने की राह चुनने लगी हैं।

आत्म-सम्मान का आधार

सहेलियों का साथ केवल हंसी-मजाक या घूमने-फिरने तक ही सीमित नहीं होता। एक-दूसरे के मन को मजबूती देने वाली सखियां सही मायने में स्त्री सशक्तिकरण को भी बल देती हैं। डर या आशंका के बजाय आत्मसम्मान के भाव को पोसती हैं। गलती होने पर फिर उठ खड़े होने के लिए सहारा देने को हाथ आगे बढ़ाती हैं। सहेली की सफलता पर सच्ची प्रशंसक बनती हैं। यह जुड़ाव सचमुच असाधारण है, जो स्त्रियों को अपने अस्तित्व से प्रेम करना सिखाता है। अपने भीतर छिपी योग्यता को निखारने की राह सुझाता है। बिना किसी स्वार्थ के एक-दूसरे का समर्थन करते हुए खुद अपने जीवन-अपने सपनों का मोल समझने की भावना को पोसता है। सबसे अहम यह है कि ऐसी हर बात स्त्रियों के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास का पक्का आधार बनाती है। उनके जीवन में खुशियां बिखेरती हैं। a

महिलाओं की फ्रेंडशिप को व्हाट्सएप ग्रुप दे रहा नई पहचान

तकनीक का इस्तेमाल केवल जीवनशैली को ही नहीं हमारे आपसी संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है, उसे नई दिशा दे रहा है। व्हाट्सएप ग्रुप ऐसी ही सुविधा है, जो महिलाओं की दोस्ती को प्रगाढ़ बना रही है, उसे नए आयाम दे रही है।

टेक्नो लाइफ
नम्रता नदीम

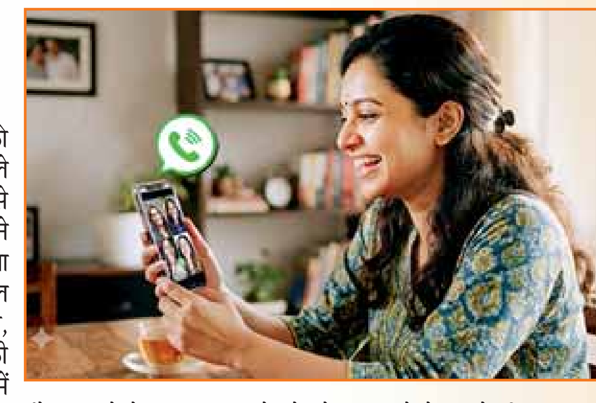

महिलाओं की फ्रेंडशिप को एक समय तक गली-मुहल्ले की बैठकों, रिश्तेदारों से मिलने या किट्टी पार्टियों-त्योहारों पर होने वाले मेल-मिलाप तक ही सीमित माना जाता था। लेकिन अब सिनेरियो बिल्कुल बदल गया है। आज के दौर में टीनएज, यंगएज से लेकर मिडएज तक की महिलाओं की आपसी दोस्ती नए रूप में सामने आ रही है। इसे आगे बढ़ाने और हाईटेक बनाने में व्हाट्सएप ग्रुप का बड़ा और महत्वपूर्ण योगदान है।

शेयरिंग का नया अंदाज: व्हाट्सएप ग्रुप में महिलाएं आपस में भावनात्मक अनुभवों को साझा करती हैं। एक-दूसरे से सलाह लेती-देती हैं। अपनी रेसिपी दूसरों को बताती हैं और दूसरों द्वारा बताई गई रेसिपी को आजमाने की कोशिश करती हैं। रेसिपी बनाने या अपने किसी नए अनुभव को साझा भी करती हैं। अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियां, स्वास्थ्य संबंधी जानकरियां, ये सब व्हाट्सएप ग्रुप में उनके द्वारा खूब शेयर किए जाते हैं। कहने का मतलब है कि व्हाट्सएप ग्रुप ने हर उम्र की महिलाओं के लिए एक नई दुनिया रच दी है।

बदला दोस्ती का स्वरूप: आज के डिजिटल दौर में दोस्ती केवल मिलने-जुलने तक सीमित नहीं होती है। सोशल मीडिया, उसमें भी सबसे ज्यादा व्हाट्सएप ग्रुप में सुबह की शुभकामना से लेकर रात की बातचीत तक दिन भर कोई न कोई इंगेजमेंट बनी ही रहती है। फैमिली, ओल्ड फ्रेंड्स, कॉलोनी या सोसाइटी, ऑफिस कुलीग्स, योगा क्लासमेट्स, किट्टी ग्रुप या बुक क्लब, अपनी सहूलियत के हिसाब से महिलाएं भी अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप में एक्टिव रहती हैं। इन ग्रुप्स ने महिलाओं की दोस्ती का दायरा ही नहीं बढ़ाया बल्कि उनके स्वरूप को भी बदला है।

कम हुआ है अकेलापन: संबंध विशेषज्ञों के मुताबिक व्हाट्सएप ग्रुप में डिजिटल संवाद काफी हद तक महिलाओं में अकेलेपन की भावना को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। हालांकि देखने में यह भी आया है कि डिजिटल इंगेजमेंट ने एक-दूसरे से मिलने की संभावना को कम किया है। लेकिन इसके जरिए अपनी तरह की सोच-समझ रखने वाली महिलाओं के बीच जरूर महिलाओं की पहुंच बढ़ी है। क्योंकि व्हाट्सएप ग्रुप्स में लगभग सभी सदस्य एक-दूसरे को जानने वाले दोस्त होते हैं, इसलिए यह पूरी तरह से अभासी या अवास्तविक नहीं है।

सोशल लाइफ का महत्वपूर्ण हिस्सा: व्हाट्सएप ग्रुप्स की सबसे बड़ी उपयोगिता तो यह है कि इसके जरिए अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद, महिलाएं अपने दोस्तों से संपर्क बनाए रख पाती हैं। महिलाएं अपने ग्रुप से जुड़ी दूसरी महिलाओं को अपना नजदीकी ही समझती हैं। इसलिए छोटी से छोटी सूचनाएं भी साझा करती हैं और अपने लिए तथा दूसरों के लिए एक ऐसा सपोर्ट सिस्टम विकसित करती हैं, जिससे बीमारी, तनाव, बच्चों की पढ़ाई, रिश्तों की समस्याएं या किसी खास उपलब्धि की खुशी को आपस में बांटने का भरपूर सुख हासिल कर पाती हैं। महिलाओं की सोशल लाइफ के लिए व्हाट्सएप ग्रुप की फ्रेंडशिप महत्वपूर्ण रोल निभा रहे हैं।

तीज-त्योहारों का सेलिब्रेशन: त्योहारों और विशेष अवसरों में तो व्हाट्सएप ग्रुप की भूमिका और भी बढ़ जाती है। करवा चौथ, तीज जैसे त्योहारों में महिलाएं अपनी सखी-सहेलियों को डिजिटल शुभकामनाएं देने के साथ-साथ आपस में मिलकर सजावट करके, फैशन, मेहंदी डिजाइन और रेसिपी को एक-दूसरे से साझा करके सेलिब्रेशन का आनंद उठाती हैं। इससे आपस में केवल दोस्ती ही मजबूत नहीं होती बल्कि इससे सांस्कृतिक जुड़ाव भी मजबूत होता है। a

स्किन केयर
ललिता गोयल

ऑयली स्किन के लिए अपनाएं ईजी होम रेमिडीज

मानसून के मौसम के साथ आने वाली उमस के कारण स्किन ऑयली हो जाती है, जिससे चेहरे पर बार-बार पसीना और गंदगी जमा होने लगती है। इसका नतीजा पिंपल्स, डल स्किन, खुजली जैसे समस्याएं होने लगती हैं और चेहरे का नेचुरल ग्लो कही खो जाता है। ऐसे में समझ नहीं आता कि चेहरे को ऑयल-फ्री और ग्लोइंग रखने के लिए क्या किया जाए? यहां कुछ ऐसे असरदार तरीकों के बारे में जानते हैं, जिनकी मदद से स्किन को मानसून में भी फ्रेश और ग्लोइंग रखा जा सकता है।

कच्चा दूध: मानसून की चिपचिपाहट और टैनिंग से निपटने के लिए कच्चा दूध सबसे सुरक्षित घरेलू उपाय है। हाथों और चेहरे को अच्छी तरह साफ करके ताजे कच्चे दूध में एक साफ कॉटन पैड को डुबोएं और हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में चेहरे की मसाज करते हुए लगाएं। इसे 10 से 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद रेगुलर मॉयश्चराइजर लगा लें। इससे त्वचा को गहराई से नमी मिलती है और त्वचा की रंगत भी साफ होती है।

खीरे का रस: मानसून में खीरे का रस स्किन पर लगाने से न सिर्फ स्किन ठंडी और हाइड्रेट रहती है बल्कि यह एक्ने और पिंपल्स की समस्या को भी कम करता है। दिन में एक बार खीरे का रस कॉटन की मदद से चेहरे पर लगाएं और उसे 10 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

एलोवेरा जैल: एलोवेरा जैल के कूलिंग और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण स्किन को हाइड्रेट करने और सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

मुल्तानी मिट्टी: मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा-सा गुलाब जल मिलाकर हफ्ते में दो बार चेहरे पर लगाने से स्किन पर जमी गंदगी साफ होती है। यह स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को सोख कर स्किन को टाइट और ब्राइट करता है।

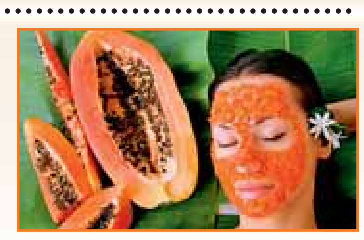

पपीता: मानसून में पपीते का पेस्ट चेहरे पर लगाने से स्किन की डेड सेल्स हटती है, हाइड्रेशन भी बना रहता है और रंगत भी निखरती है।

रखें ध्यान: इन बातों का भी ध्यान रखें-

- मानसून में भी चेहरे पर हल्का मॉयश्चराइजर और जैल बेस्ड क्रीम का इस्तेमाल करें ताकि स्किन हाइड्रेट रहे।
- चेहरा धोने के बाद एक कॉटन पैड में थोड़ा-सा गुलाब जल लें और हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा के पीएच लेवल को बैलेंस करता है। a

(ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस
विनीता

स्पेशल: वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग वीक, 1-7 अगस्त

मां का दूध नवजात शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार होता है। लैक्टेशन पीरियड यानी ब्रेस्ट फीड कराने की अवधि मां और बच्चे दोनों के लिए महत्वपूर्ण होती है। इस दौरान कैसी हो मांओं की डाइट, यह जानना बहुत जरूरी है।

फीडिंग पीरियड में मांएं डाइट का रखें पूरा ध्यान

जन्म के बाद शिशु को मां के दूध से पर्याप्त पोषण मिले, इसके लिए यह बहुत जरूरी है कि मां खुद भी स्वस्थ रहें और अपनी डाइट पर पूरा ध्यान दें। जब मां का शरीर स्वस्थ रहता है तो इससे उसके ब्रेस्ट में पर्याप्त मात्रा में दूध की मात्रा भी बढ़ती है और इससे शिशु का विकास सही ढंग से होता है। शिशु को फीड कराने वाली महिलाओं को प्रतिदिन 5000 अतिरिक्त कैलोरी की जरूरत होती है। आमतौर पर इस दौरान उनका वजन थोड़ा बढ़ जाता है, लेकिन यह सामान्य है। इस दौरान अच्छी सेहत और फिटनेस के लिए संतुलित आहार अपनाएं, नियमित वॉक करें और एक्सपर्ट की सलाह पर हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी करें।

क्या खाएं: फीड कराने वाली मांओं को अपनी डाइट में इन्हें शामिल करना चाहिए।

- अपनी डाइट में तरल पदार्थों की मात्रा बढ़ाएं। रोज लगभग 8-10 ग्लास पानी, शिकंजी, सूप और छाछ आदि पिएं।
- अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ाएं। इसके लिए हर तरह की दालें, पनीर, सोयाबीन स्प्राउट्स, नट्स जैसे-पिस्ता, अखरोट और बादाम आदि का संतुलित मात्रा में सेवन करें। अगर नॉन-वेजिटेरियन हैं तो अंडा, चिकन और ताजे पानी की मछली का सेवन करें।

- लैक्टेशन पीरियड के दौरान इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए विटमिन-सी युक्त फलों का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। इसके लिए आप संतरा, सेब, आंवला, नीबू के अलावा सभी मौसमी फलों का सेवन कर सकती हैं।
- डिलीवरी के बाद पहले महीने में महिलाओं को ज्यादा कैलोरी की जरूरत होती है, जिसकी पूर्ति के लिए अधिकतर परिवारों में पारंपरिक रूप से नई मां के लिए घर पर हल्दी-सोंठ का हलवा और ड्राई फ्रूट्स मिलाकर पंजीरी के लड्डू बनाए-खिलाए जाते हैं। हल्दी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व मां को इंफेक्शन से बचाने में मददगार साबित होते हैं। अन्य पौष्टिक तत्वों की वजह से रिकवरी तेजी से होती है और दूध की मात्रा भी बढ़ती है।

क्या न खाएं: लैक्टेशन पीरियड में मांओं को कुछ फूड्स से परहेज रखना चाहिए।

- ज्यादा मैदा, घी-तेल और मिर्च-मसाले से दूर रहें।
- डिब्बाबंद प्रोसेस्ड फूड मां और शिशु दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं।
- खुले में बिकने वाली चाट-पकौड़ी, समोसा, चाउमीन, मोमोज जैसी चीजों से स्टमक इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।
- फ्रूट्स जूस न पिएं क्योंकि इससे फलों में मौजूद फाइबर नष्ट हो जाते हैं, जो पाचनतंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं, इसलिए बेहतर यही होगा जूस लेने के बजाय फलों का सेवन करें।
- अगर प्रेग्नेंसी के दौरान डायबिटीज रही हो, तो चीनी के बजाय गुड़ से बनी चीजों का सेवन करें और खानपान के मामले में डॉक्टर के सभी निर्देशों का पालन करें। a

(मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम की सीनियर डाइटीशियन डॉ. संध्या पांडे से बातचीत पर आधारित)

राजा ने दिलाया भारत को चौथा मेडल, उठाया कुल 286 किग्रा वजन

चोट और खराब सेहत नहीं तोड़ पाई मुथुपांडी का हौसला, जीता सिल्वर

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना चौथा मेडल जीत लिया है। भारत को इस इवेंट का चौथा मेडल राजा मुथुपांडी ने दलिाया, जिन्होंने पुरुषों के 65 किग्रा वेटलफ्टिंगि में सिल्वर मेडल जीता। मुथुपांडी ने स्नैच में 126 किलोऔर क्लीन एंड जर्क में 160 किलो का बेस्ट लिफ्ट किया। उनका कुल लिफ्ट 286 किग्रा था। चोट और खराब सेहत भी राजा का हौसला नहीं तोड़ पाई। मलेशिया के अजनील बिदिन ने 299 किग्रा उठाकर गेम्स रिकॉर्ड लिफ्ट करके गोल्ड मेडल जीता, जबकि पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

बनाया नया नेशनल रिकॉर्ड

यह मेडल मुथुपांडी के लिए एक शानदार वापसी है, जिन्हें हाल के सालों में कई चोटों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। चोट और खराब सेहत भी उनका हौंसला नहीं तोड़ पाई। उन्होंने नेशनल टाइटल जीतकर और नया नेशनल रिकॉर्ड बनाकर ग्लास्गो का टिकट पक्का किया था और अब अपने डेब्यू कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने में सफल रहे।

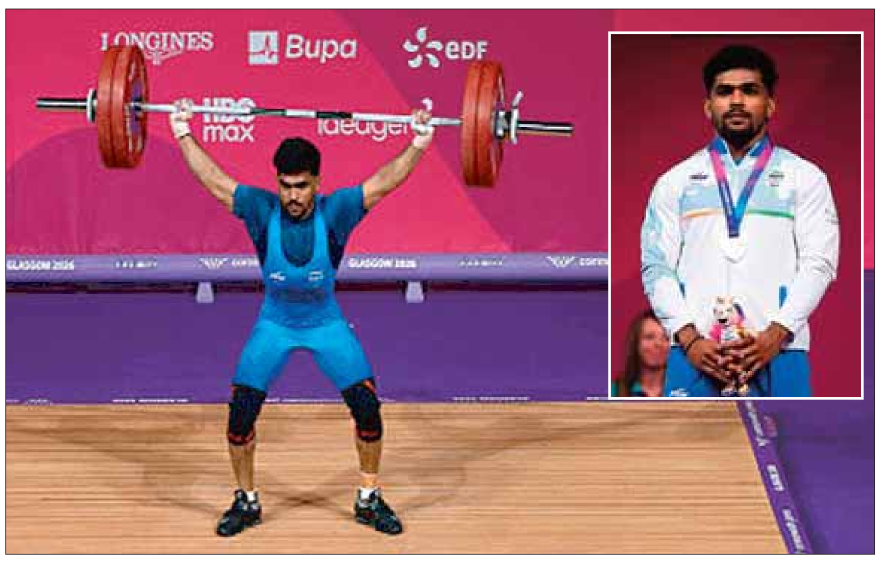

वेटलिफ्टिंग में भारत का दबदबा कायम, जीता तीसरा मेडल

ग्लासगो में वेटलिफ्टिंग में यह भारत का तीसरा और कुल मिलाकर चौथा मेडल है। इससे पहले ऋषिकांत सिंह ने पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। उनके बाद मीराबाई चानू ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में अपना लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडल जीतकर कमाल कर दिया।

शिर्से ने पार की 110 मीटर बाधा दौड़ फाइनल में एंट्री

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस शिर्से ने हीट (शुरुआती दौर) में 13.76 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहकर राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने हीट एक में तीसरा स्थान हासिल किया, जिसमें इंग्लैंड के सैमुअल बेनेट ने 13.20 सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। प्रत्येक हीट में पहले तीन और अगले दो सबसे तेज धावक प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचेंगे। शिर्से ने इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले महीने लुधियाना में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज़ नौ में किया था, जहां उन्होंने 13.27 सेकंड का समय निकाला, जो वर्तमान में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

लंबी कूद : पहले प्रयास में श्रीशंकर ने किया फाइनल में प्रवेश

भारत के लंबी कूद के खिलाड़ी एम श्रीशंकर ने सोमवार को यहां अपने पहले ही प्रयास में क्वालीफाइंग स्तर पार करके राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जगह बना ली। श्रीशंकर ने ग्रुप ए में अपने पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर के प्रयास से फाइनल में जगह बना ली। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.38 मीटर है। फाइनल के लिए क्वालीफाइंग स्तर आठ मीटर या सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कम से कम 12 खिलाड़ी हैं। सत्ताइस साल के श्रीशंकर को उम्मीद है कि वह 2022 में खेलों के पिछले सत्र में जीते रजत पदक को बेहतर करेंगे। अप्रैल 2024 में घुटने की चोट से उबरने के बाद वह वापसी की राह पर हैं। उनका 'पटेला टेंडन' फट गय था और यह चोट उनके करियर के लिए खतरा बन गई थी। उनकी सर्जरी भी हुई थी। इस चोट की वजह से वह पेरिस ओलंपिक से चूक गए थे।

सिवाच ने हेविट को हराया क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

भारतीय बॉक्सर सचिन सिवाच ने पुरुषों के 60 किलोग्राम इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। सचिन ने 'राउंड ऑफ 16' में इंग्लैंड के विलियम हेविट को 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से शिकस्त दी। बेहतरीन रिंग क्राफ्ट, तेज कॉम्बिनेशन और रणनीतिक अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए, सचिन ने तीन राउंड के मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और घरेलू खिलाड़ी पर शानदार जीत हासिल की। कजाकिस्तान, कनाडा, मैक्सिको और मोरक्को के जजों ने मुकाबले का स्कोर भारतीय बॉक्सर के पक्ष में 29-27 दिया, जबकि तुर्की के जज ने हेविट को 29-27 अंक दिए। मुकाबले के दौरान सचिन का एक अंक काटा गया, लेकिन इससे अंतिम नतीजे पर कोई खास असर नहीं पड़ा और वे आसानी से विजेता बने। सचिन ने लगातार सटीक पंच मारे और पूरे मुकाबले के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने अपने आक्रामक लेकिन संयमित अंदाज से हेविट पर दबाव बनाए रखा। मुकाबले की गति तय करने और प्रभावी ढंग से स्कोर करने की उनकी क्षमता ने उन्हें अंतिम-8 में पहुंचाया।

साजन ने 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल में बनाई जगह

दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे। साजन एक मिनट 57.09 सेकेंड के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्ट्रीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूके गुरिंदरवीर

भारत के फर्राटा धावक गुरिंदरवीर सिंह राष्ट्रमंडल खेलों में उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और 10.39 सेकंड के निराशाजनक समय के साथ हीट (शुरुआती दौर) में 28वें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों की 100 मीटर दौड़ की स्पर्धा से बाहर हो गए। गुरिंदरवीर से 100 मीटर दौड़ में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी नहीं पहुंच पाए और पहले दौर में ही बाहर हो गए। गुरिंदरवीर ने हीट चार की पांचवीं लेन में अच्छी शुरुआत की। वह शुरू में जमैका के रोहन वॉटसन के साथ बने रहे, लेकिन जमैका के खिलाड़ी ने अंतिम 30-35 मीटर में तेजी दिखाई और 10.13 सेकंड के साथ पहला स्थान हासिल किया।

खबर संक्षेप

विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप : प्री-क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए ब्राजील और नीदरलैंड को हराकर कनाडा के ओंटारियो में चल रहे विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने नीदरलैंड और ब्राजील को बड़ी आसानी से समान 3-0 के अंतर से हराकर ग्रुप पांच में शीर्ष स्थान हासिल करके राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। भारतीय महिला टीम ने भी शानदार शुरुआत की। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने चीनी ताइपे को 3-0 से हराया। उसका ग्रुप चार में अगला मुकाबला मलेशिया से होगा। विश्व जूनियर चैंपियन बनकर इतिहास रचने वाली अनाहत सिंह को महिला वर्ग के पहले दौर में विश्राम दिया गया था।

दिल्ली में टेबल टेनिस चैंपियनशिप शुरू

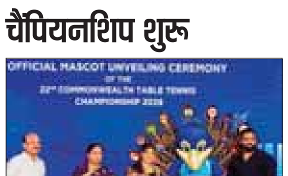

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का सोमवार को त्यागराज स्टेडियम में उद्घाटन करते हुए इसे विभिन्न देशों और संस्कृतियों को जोड़ने का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए यह गौरव की बात है कि उसे इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है। रेखा गुप्ता ने कहा, खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समाजों को जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है। ऐसे आयोजन युवाओं को उत्कृष्टता, अनुशासन, समर्पण और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही, वैश्विक मित्रता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी सशक्त बनाते हैं।

आईएसएसएफ विश्व कप में मनु ने कांस्य पदक किया अपने नाम

भारत ने झटके 2 पदक, ईशा ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को पछाड़ा

एजेंसी ▶▶| हांगझोउ

भारत की उदीयमान निशानेबाज ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/ पिस्तौल/ शॉटगन) में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपिक पदक विजेता हमवतन खिलाड़ी मनु भाकर को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। भाकर ने कांस्य पदक जीता और भारत ने इस तरह से इस स्पर्धा में दो पदक हासिल किए। 21 वर्षीय ईशा ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 40 अंक बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि मनु ने शूट-ऑफ जीतकर कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने कुल 28 अंक बनाए।

भारतीय खिलाड़ियों की अच्छी शुरुआत

भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालीफाइंग दौर से ही अच्छी शुरुआत की। मनु ने 586 अंक बनाकर क्वालीफाइंग में पहला स्थान हासिल किया जबकि ईशा 585 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रही। इस तरह से इन दोनों ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में आसानी से जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने 582 का स्कोर बनाया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576) और अभिदन्या अशोक पाटिल (573) ने केवल रैंकिंग अंकों के लिए (आरपीओ) खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

ईशा ने बनाए रखी निरंतरता

ईशा ने इस सत्र के शुरू में म्यूनिख विश्व कप के फाइनल में 43 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इस तरह से उन्होंने अपनी निरंतरता बनाए रखी है, जो आगामी प्रतियोगिताओं की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इन युवा निशानेबाजों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

दबाव को झेलने में सफल रही : ईशा

ईशा ने कहा, ' पिछली जीत के कारण मुझ पर काफी दबाव था। जब आप अपनी स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आपसे काफी उम्मीद की जाती है। मुझे खुशी है कि आज मैं इस दबाव को झेलने में सफल रही।'

पदक से उनका आत्मविश्वास बढ़ा : मनु

मनु ने कहा कि इस पदक से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह पदक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस तरह की सफलता सीढ़ी का काम करती है। इससे मुझे यह पता चलता है कि मैं किस दिशा में आगे बढ़ रही हूं। इस पदक से निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है और इसका मुझे विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में फायदा मिलेगा।'

■ वेस्टइंडीज-पाक टेस्ट सीरीज : 311 रन के जवाब में पाकिस्तान के 3 विकेट पर 199 रन

मसूद ने खेली नाबाद पारी पाकिस्तान की स्थिति मजबूत

एजेंसी ▶▶| गतारौबा

कप्तानी से मुक्त होने के बाद अपनी पहली टेस्ट पारी में शान मसूद ने नाबाद 88 रन बनाकर पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

अजान अवैस के खाता खोले बिना पवेलियन लौट के बाद मसूद ने सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक (63) के साथ दूसरे विकेट के लिए 155 रन की साझेदारी की। इससे पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के 311 रन के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 199 रन बनाए थे। वह अभी वेस्टइंडीज से 112 रन पीछे है। कप्तान बाबर आजम खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी समाप्त किए जाने से कुछ देर पहले 23 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सलमान आगा ने 9 गेंदों का सामना किया। उन्होंने अभी तक अपना खाता नहीं खोला है।

ऐस जूनियर्स' लॉन्च करेंगे अगरकर

मुंबई। सीनियर राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और उनकी पत्नी फातिमा 29 जुलाई को एक आधुनिक अर्ली लर्निंग सेंटर (स्कूल से पूर्व का केंद्र) 'ऐस जूनियर्स' लॉन्च करेंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अगरकर के मुताबिक इसका पाठ्यक्रम बच्चों में रचनात्मकता, भावनात्मक समझ और संवाद की समझ विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। एक प्री स्कूल के तौर पर शुरू हुआ ऐस जूनियर्स आने वाले वर्षों में एक पूरे के-12 पारिस्थितिकी तंत्र (किंडरगार्टन से 12वीं कक्षा तक) में बदल जाएगा। अगरकर ने कहा, 'क्रिकेट ने मुझे सिखाया कि सफलता सिर्फ प्रतिभा से नहीं मिलती।

कोच लक्ष्मण ने की अय्यर की सराहना

एजेंसी ▶▶| हरारे

भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर और अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से मिली जीत में एक-दूसरे की भूमिका की सराहना की। भारत ने इस श्रृंखला में अपेक्षाकृत नई टीम उतारी थी, जिसमें संजू सैमसन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे कई खिलाड़ी शामिल नहीं थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो साझा किया है, जिसमें लक्ष्मण ने अय्यर की मजबूत मानसिकता की सराहना की है। लक्ष्मण ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं श्रेयस को विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूं ।

जीतने की जबरदस्त चाह, दो दिन रहीं भूखी और प्यासी

तिरंगे वाली हेयर क्लिप, आंखों में आंसू, मीराबाई ने जीता भारत का दिल

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

मीराबाई चानू का राष्ट्रमंडल खेलों में जीत गया स्वर्ण पदक देशभक्ति से ओतप्रोत था। तीन बार की चैंपियन मीराबाई ने रविवार को जब भारोत्तोलन खेलों में मंच पर कदम रखा, तो उन्होंने तिरंगे रिबन से बनी तितली के आकार की हेयर क्लिप पहनी हुई थी। यह देश की प्रति उनका सम्मान था, जिसे गौरवान्वित करने के लिए वह प्रतिबद्ध थी।

भावनाओं पर नहीं रख पाई काबू

जब पूरे स्टेडियम में भारतीय राष्ट्रगान गूंज रहा था, तब पोडियम पर खड़ी मीराबाई के लिए अपनी भावनाओं को काबू में रखना आसान काम नहीं था। उन्होंने कहा, 'तिरंगे को देखना और अपना राष्ट्रगान सुनना स्वाभाविक रूप से आंखों में आंसू ला देता है।' मीराबाई ने कहा, ' ये खुशी के आंसू थे क्योंकि मैंने इन राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। मैं भारत के सभी लोगों का आभार व्यक्त करना चाहती हूं, जिन्होंने मेरे लिए तहेदिल से प्रार्थना की। ये खुशी के आंसू थे।'

मैं देश के लिए कुछ करना चाहती थीं : चानू

महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद मीराबाई ने कहा, 'मैं भारत के लिए कुछ करना चाहती थी, इसलिए मैंने भारतीय ध्वज के रंगों वाले रिबन से ये तितली की तरह के क्लिप बनाए।' प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद भी तिरंगा उनके पास ही रहा।

मेडल जीतने के लिए दो दिन रही भूखी

मीराबाई ने खुलासा किया कि उन्होंने दो दनिों तक न तो कुछ खाया और न ही पानी तक पिया । उन्होंने बताया कि ऐसा उन्होंने वजन को बनाए रखने के लिए किया था। मीराबाई ने कुल 190 किलोग्राम उठाया,जिसमें स्नैच में 85 किलोग्राम और क्लीन एंव जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाया। जीत के बाद मीराबाई ने सबसे पहले यही कहा कि जल्दी-जल्दी करो, मैंने दो दिन से कुछ खाया नहीं है। मीराबाई ने बताया कि अपना वजन नियंत्रित करना बेहद मुश्किल होता है। जब वह 48 किग्रा वर्ग में खेलती हैं तो वजन को कंट्रोल करना और भी कठिन हो जाता है, क्योंकि उनके पास वजन कम करने की बहुत कम गुंजाइश बचती है।

VEHICLE AVAILABLE
for SALE
MARUTI DZIRE
Model - 2023
MP20-ZJ-8170
"as is where is condition"
Contact within 7 days at
M/s Sundaram Finance Ltd.
II Floor, Digamber Tower 936,
Wright Town, Jabalpur- 482002
0761-2451218, 9425600590
TIMES

भविष्य में कानून की वैधता को चुनौती देने की रहेगी स्वतंत्रता

यूसीसी विधेयक पारित होने के बाद हाई कोर्ट से वापस हुई जनहित याचिका

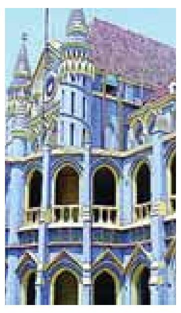

जबलपुर। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित होने के बाद उससे संबंधित जनहित याचिका हाईकोर्ट से वापस ले ली गई। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता के अनुरोध को स्वीकार करते हुए याचिका को वापस लिया हुआ मानकर निरस्त कर दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि भविष्य में यूसीसी कानून की संवैधानिक वैधता को नई याचिका के माध्यम से चुनौती दी जा सकेगी। भोपाल नगर निगम के पूर्व पार्षद मेवा लाल द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ने कहा कि राज्य विधानसभा से यूसीसी विधेयक पारित होने के कारण पूर्व में दायर याचिका अब निष्प्रभावी (इन्फ्रक्चुअस) हो गई है। इसलिए भविष्य में कानून को चुनौती देने की स्वतंत्रता सुरक्षित रखते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने यह आग्रह स्वीकार कर याचिका निरस्त कर दी। दरअसल, याचिका में आरोप लगाया गया था कि यूसीसी लागू करने से पहले संविधान के अनुच्छेद 338(9), 338ए(9) और 338बी(9) के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय आयोगों से आवश्यक परामर्श नहीं किया गया। इसके अलावा पांचवीं अनुसूची के तहत आदिवासी समुदायों के पारंपरिक अधिकारों व लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीयन के प्रावधान पर भी आपत्ति जताई गई थी। राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह व उप महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने पक्ष रखा। कोर्ट ने कहा कि यदि लागू यूसीसी कानून के किसी प्रविधान की संवैधानिक वैधता पर विवाद हो तो उसे पृथक याचिका के माध्यम से चुनौती दी जा सकती है।

कैंसर पीड़ित कर्मचारी के तबादले पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कैंसर से पीड़ित शासकीय कर्मचारी के तबादले पर रोक लगाते हुए सिंगल बेंच का आदेश निरस्त कर दिया। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने प्रमुख सचिव, पशुपालन व डेयरी विभाग को कर्मचारी के नए अभ्यावेदन पर 15 दिन के भीतर सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। भोपाल निवासी संजय कुमार भार्गव ने अपील दायर कर बताया कि उनका तबादला भोपाल जिले के डिल्लोड से विदिशा जिले के कुरवाई कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि वे हाई-ग्रेड टेस्टिकुलर कैंसर से पीड़ित हैं व भोपाल में नियमित कीमोथेरेपी और अन्य उपचार चल रहा है। इसके बावजूद विभाग ने उनकी चिकित्सकीय स्थिति पर समुचित विचार नहीं किया। सरकार की ओर से अधिवक्ता अभिषेक सिंह ने अपील का विरोध किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि यदि निजी चिकित्सकों की रिपोर्ट पर संदेह था तो विभाग को मेडिकल बोर्ड से परीक्षण कराना चाहिए था, लेकिन बिना पर्याप्त विचार के निर्णय लिया गया। कोर्ट ने विभागीय आदेश रद्द करते हुए अपीलकर्ता को तीन दिन के भीतर प्रमुख सचिव के समक्ष नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। नए निर्णय तक तबादला आदेश पर रोक रहेगी।

उखरी के टेंट गोदाम में भीषण आग

जबलपुर। शहर की बड़ी उखरी पुलिस चौकी के सामने स्थित पारस टेंट सप्लायर्स के गोदाम में सोमवार की शाम अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और ऊंची उठती लपटें व धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की चार से पांच गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। दमकल कर्मियों ने कई दिशाओं से पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। दमकल सूत्रों के मुताबिक शॉर्ट सर्किट लगने के कारण दुर्घटना हुई, जिससे गोदाम में रखे टेंट, सजावटी सामान और अन्य सामग्री को नुकसान हुआ है।

आग के ढेर पर बैठी बसाहट

अनुरोध पटेरिया । जबलपुर

बलदेवबाग से उखरी रोड तक का इलाका आज एक ऐसे खतरे के साये में जी रहा है, जिसे हर कोई देख रहा है, लेकिन रोकने की ठोस पहल नहीं हो रही। रिहायशी कॉलोनियों के बीच थिनर, पेंट, सनमाइका, पीवीसी पाइप, टायर-ट्यूब, कपड़ों और अन्य अत्यंत ज्वलनशील सामग्री के गोदाम संचालित हो रहे हैं। बीते एक वर्ष में दूसरी बड़ी अग्नि दुर्घटना के बाद भी न प्रशासन की सख्ती दिखाई दे रही है और न ही कारोबारियों में सुरक्षा नियमों के प्रति अपेक्षित गंभीरता। पारस टेंट सप्लायर्स की दुकान में लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया कि बाजार और रिहायशी क्षेत्रों के बीच बड़े पैमाने पर ज्वलनशील सामग्री का भंडारण आखिर किस हद तक सुरक्षित है। नियमानुसार बड़े गोदामों और भारी भंडारण को घनी आबादी तथा व्यावसायिक बाजारों से दूर स्थापित किया जाना चाहिए, लेकिन वास्तविक स्थिति इससे बिल्कुल उलट दिखाई देती है। संगम कॉलोनी, आनंद कॉलोनी, स्टेट बैंक कॉलोनी, वसुंधरा कॉलोनी और शिव नगर जैसी कॉलोनियां मूलतः आवासीय उपयोग के लिए विकसित की गई थीं।

समय के साथ मुख्य मार्गों पर मकानों को तोड़कर दुकानें और अंदरूनी सड़कों पर गोदाम बना दिए गए। अनेक भवनों के बेसमेंट गोदाम में बदल गए हैं, भूतल और प्रथम तल पर थोक व्यापार संचालित हो रहा है, जबकि ऊपरी मंजिलों पर परिवार रह रहे हैं। अधिकांश भवनों में पर्याप्त वेंटिलेशन और सुरक्षित निकास मार्ग नहीं हैं। कई स्थानों पर इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा लॉक भी लगे हैं, जो आग जैसी आपात स्थिति में लोगों के बाहर निकलने में बाधा बन सकते हैं।स्थिति को और गंभीर बनाती हैं संकरी होती सड़कें। 25 फीट चौड़ी सड़कों पर दोनों ओर बने रैंप और अतिक्रमण के कारण कई स्थानों पर रास्ता महज 8 फीट तक सिमट गया है। ऐसी स्थिति में दमकल वाहन और बचाव दल का समय पर पहुंचना कठिन हो जाता है, जिससे छोटी आग भी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है।उखरी रोड स्थित एक जर्जर गोदाम में प्रतिदिन खाद्य तेल, केमिकल और अन्य ज्वलनशील सामग्री से भरे दर्जनों ट्रकों की आवाजाही होती है। विडंबना यह है कि गोदामों के एक ओर घनी आबादी और दूसरी ओर एक बड़ा विद्यालय स्थित है। यदि कभी बड़ी दुर्घटना होती है, तो उसका प्रभाव केवल व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सैकड़ों परिवार और स्कूली बच्चे भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

यह केवल अग्नि सुरक्षा का नहीं, बल्कि शहरी नियोजन, भवन उपयोग और कानून के प्रभावी पालन का भी विषय है। आवासीय क्षेत्रों में खतरनाक और ज्वलनशील सामग्री के भंडारण की नियमित जांच, फायर सेफ्टी मानकों का पालन, अवैध गोदामों पर कार्रवाई और यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमणों को हटाना अब समय की आवश्यकता है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो अगली दुर्घटना और भी भयावह साबित हो सकती है। यदि इस हादसे के बाद भी शहर नहीं चेता, तो अगली आग केवल संपत्ति ही नहीं, अनेक जिंदगियां भी लील सकती है। अब सवाल यह नहीं कि अग्निकांड क्यों हुआ, बल्कि यह है कि अगली दुर्घटना रोकने के लिए आज क्या किया जा रहा है?

बरगी में लाठी-डंडों से पीटकर युवक की हत्या

ब्याज की रकम को लेकर 2 भाइयों ने दिया वारदात को अंजाम

जबलपुर। जिले में बीते 10 घंटे के भीतर हत्या की दो वारदातों ने एक बार पुनः पुलिस के सामने चुनौती दी है। एक वारदात जहां कल रविवार को दिन में घमापुर थाना इलाके में हुई तो वहीं दूसरी वारदात कल रात ही बरगी के ग्राम मनखेड़ी में घटित हुए जहां ब्याज के पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद ने कुछ ही देर में बडा रूप ले लिया। जिसमें गांव के ही दो सगे भाइयों ने एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जिन्हें तलाश के बाद पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया हैं। इस संबंध में बरगी पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मनखेड़ी का रहने वाला अशोक उइके मजदूरी कर अपना जीवनयापन करता था। उसका गांव के ही लालू नेताम से पैसों के ब्याज को लेकर बीती रात विवाद हुआ था। इस विवाद के चलते लालू नेताम ने अपने भाई दिनेश नेताम के साथ मिलकर अशोक उइके पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में बेसुध होकर मौके पर ही गिर पडा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई । इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए हैं।

जबलपुर में खाद का 'खेल': 268 की यूरिया बोरी 340 में

सरकारी काउंटर खाली और प्राइवेट दुकानों में 'स्टॉक फुल'

जबलपुर। फसल को हरियाली की जरूरत है, लेकिन किसान की किस्मत में सिर्फ मायूसी और लंबी कतारें आ रही हैं। जिले में यूरिया खाद की भारी किल्लत के बीच कालाबाजारी का खेल खुलेआम चल रहा है। कागजों में पर्याप्त खाद का दावा करने वाले कृषि विभाग और मार्कफेड के तमाम दावे जमीनी धरातल पर हवा हो चुके हैं। हालात यह हैं कि सरकारी केंद्रों पर जो यूरिया 268 रुपये (50 किग्रा बोरी) में मिलनी चाहिए, वही खुले बाजार में 340 रुपये तक में धड़ल्ले से बेची जा रही है।

नियमों की धज्जियां: 75 और 25 का गणित फेल

नियमों के मुताबिक खाद की कुल आवक का 75 प्रतिशत हिस्सा सरकारी वितरण केंद्रों से और शेष 25 प्रतिशत प्राइवेट डीलर्स के जरिए बंटना तय है। लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। सहकारिता समितियों के चक्कर काटकर किसान खाली हाथ लौट रहे हैं, जबकि बड़ी सोसायटियों ने 'आरओ डबल लॉक' को 15-15 टन की डिमांड भेजी हुई है। सरकारी केंद्रों से जो खाद

गायब है, वही प्राइवेट विक्रेताओं के पास प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। मजबूरी में किसान अपनी फसल बचाने के लिए ऊंचे दामों पर खाद खरीदने को विवश हैं।

डबल लॉक' का ढीला रवैया, नकद बिक्री से गोलमाल

सहकारिता समितियों में खाद देते वक्त किसान की ऋण पुस्तिका में बाकायदा प्रविष्टि (एंट्री) की जाती है ताकि दोबारा खाद न ली जा सके। लेकिन 'डबल लॉक' केंद्रों पर नकद बिक्री के नाम पर भारी अनियमतता देखने को मिल रही है। बिना रिकॉर्ड की बिक्रीःयहां किसान का नाम महज एक पर्चे पर लिखकर परिचितों और चहेतों को खाद बांटी जा रही है।

2 घंटे में स्टॉक खाली

पुख्ता ट्रैकिंग न होने के कारण सरकारी सेंटरों का पूरा स्टॉक 2 से 3 घंटे में 'खत्म' दिखा दिया जाता है, जो बाद में कालाबाजारी की भेंट चढ़ जाता है।

फाइलों में तैयारी, धरातल पर लाचारी

सीजन शुरू होने से पहले कृषि विभाग, विपणन और मार्कफेड के अधिकारी दावा करते हैं कि खाद की कोई किल्लत नहीं होने दी जाएगी। लेकिन जब खेतों में छिड़काव का वक्त आता है, तो पूरी व्यवस्था ध्वस्त नजर आती है। दूसरी ओर, प्रशासनिक और कृषि अधिकारियों का अब भी वही रटा-रटाया जवाब यह है कि किसानों को उनके रकबे के हिसाब से खाद का पारदर्शी वितरण कराया जा रहा है और पूरी प्रक्रिया की प्रशासनिक मॉनिटरिंग जारी है। अब सवाल यह उठता है कि अगर मॉनिटरिंग इतनी ही सख्त है, तो फिर सरकारी काउंटर खाली क्यों हैं ।

सड़क हादसे में मां की मौत, बेटा-नाती घायल

जबलपुर। सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम दिनारी खमरिया के पास सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में 70 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बेटा और नाती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।पुलिस के मुताबिक, ग्राम सलैया कुआं निवासी 70 वर्षीय कुसुमबाई यादव अपने बेटे नीरज यादव और पोते विनीत यादव के साथ मोटरसाइकिल से सिहोरा रिश्तेदारी में जा रही थीं। दोपहर करीब 3:30 बजे दिनारी खमरिया के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप (क्रमांक एमपी-20-जीबी-5647) ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिर पड़े और पिकअप उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गया। कुसुमबाई ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क किनारे पलट गया।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायलों को सिहोरा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। सिहोरा पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

एनओसी दिलाने के नाम पर मांगी थी घूस

रिश्वत लेते ग्राम रोजगार सहायक रंगे हाथ गिरफ्तार

जबलपुर। लोकायुक्त पुलिस ने सोमवार को बरगी क्षेत्र के ग्राम तिनसी में बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए ग्राम रोजगार सहायक को 19 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी आबादी की जमीन पर मकान निर्माण के लिए एनओसी दिलाने के एवज में रिश्वत मांग रहा था। कार्रवाई ग्राम पंचायत भवन तिनसी में की गई। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अंजूलता पटेल ने बताया कि ग्राम तिनसी निवासी 36 वर्षीय राजकुमारी परस्ते ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह आबादी की जमीन पर मकान बनाने के लिए पट्टा दिलाने की प्रक्रिया के संबंध में ग्राम रोजगार सहायक 41 वर्षीय दिलीप कुमार साहू से मिली थी। इस दौरान आरोपी ने कहा कि फिलहाल पट्टा नहीं मिलेगा,

केवल एनओसी जारी होगी और इसके लिए 20 हजार रुपये देने होंगे, तभी काम किया जाएगा।शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने मामले का सत्यापन कराया। जांच के दौरान आरोपी ने मोलभाव करते हुए रिश्वत की राशि 20 हजार से घटाकर 19 हजार रुपये कर दी और रकम लेने के लिए तैयार हो गया। पूर्व नियोजित योजना के तहत सोमवार को लोकायुक्त की टीम ने ग्राम पंचायत भवन तिनसी में जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी दिलीप कुमार साहू ने शिकायतकर्ता से 19 हजार रुपये लिए, टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई उप पुलिस अधीक्षक रेखा प्रजापति के नेतृत्व में निरीक्षक राहुल गजभिये तथा लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने की।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव

हाईकोर्ट सख्त, मतपत्र व सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के 20 जुलाई को हुए मतदान में कथित अनियमितताओं के मामले में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है। अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने चुनाव से जुड़े सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने तदर्थ समिति को निर्देशित किया है कि चुनाव में प्रयुक्त मतपत्र, जिला न्यायालय परिसर एवं चुनाव स्थल के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग व निर्वाचन से संबंधित अन्य संभावित साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए, ताकि जांच के दौरान कोई भी साक्ष्य नष्ट या प्रभावित न हो। कोर्ट ने मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच के लिए तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों की जांच समिति गठित करने के भी निर्देश दिए हैं। यह समिति चुनाव में हुई कथित अनियमितताओं की जांच कर अपनी रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

खितौला बैंक डकैती में एक और आरोपी बिहार से गिरफ्तार

350 ग्राम सोना और देशी पिस्टल बरामद

जबलपुर। करीब एक वर्ष पहले खितौला थाना क्षेत्र स्थित ईसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में हुई करोड़ों रुपये की सनसनीखेज डकैती के मामले में जबलपुर पुलिस ने एक और शातिर आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से डकैती का 350 ग्राम सोना, जिसकी कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई जा रही है, बरामद किया है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त 7.65 एमएम बोर की देशी पिस्टल भी जब्त की गई है।इस पूरे मामले का खुलासा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (क्राइम) जितेंद्र सिंह ने प्रेस वार्ता में किया। उन्होंने बताया कि बैंक डकैती की जांच लगातार जारी थी और गिरफ्तार मुख्य आरोपी से मिली अहम जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

11 अगस्त 2025 को हुई थी बड़ी बैंक डकैती

एएसपी क्राइम ने बताया कि 11 अगस्त 2025 को खितौला स्थित ईसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में पांच हथियारबंद बदमाश घुस आए थे। बदमाशों ने बैंक कर्मचारियों को हथियारों के बल पर बंधक बनाकर करीब 14 किलो 800 ग्राम सोने के जेवरात और लगभग 5 लाख रुपये नकद लूट लिए थे। घटना के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया था।

मुख्य आरोपी से पूछताछ में खुला राज

एएसपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि 15 जुलाई 2026 को बैंक डकैती के मुख्य आरोपी सुनील पासवान निवासी गया (बिहार) को गिरफ्तार किया गया था।

बिहार में दबिश, 350 ग्राम सोना बरामद

मुख्य आरोपी की निशानदेही पर जबलपुर पुलिस ने एसटीएफ बिहार के सहयोग से गया जिले के शेरघाटी क्षेत्र में दबिश देकर ग्राम मयरा, थाना इमामगंज, जिला गया निवासी 23 वर्षीय छोटू उर्फ सरमन मेहतो को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि लूट का बचा हुआ सोना सुनील पासवान ने अपने गांव बनाही स्थित शिव मंदिर के पास खेत में छिपाकर रखा था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 350 ग्राम सोने के जेवर, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपये है, बरामद कर लिए। इसके अलावा मुख्य आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल 7.65 एमएम बोर की देशी पिस्टल भी जब्त की गई।

जांच अभी जारी, और खुलासों की उम्मीद

एएसपी क्राइम ने बताया कि आरोपी छोटू उर्फ सरमन मेहतो की पुलिस रिमांड लेकर दोनों आरोपियों को जबलपुर लाया गया है। उनसे पूछताछ जारी है और संभावना है कि डकैती में शामिल अन्य आरोपियों तथा लूटे गए शेष सोने के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई में क्राइम ब्रांच और थाना खितौला पुलिस की संयुक्त टीम ने सराहनीय कार्य किया है। पुलिस अब डकैती में शामिल पूरे नेटवर्क, लूट के माल की खरीद-फरोख्त और अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार कार्रवाई कर रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240